

सं• 35] No. 351 नई बिस्ली, शनिवार, अगस्त 30, 1986 (भाक्रपद 8, नर 90 है)। NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 30, 1986 (BHADRA 8, 1988)

इस भाग में भिरत पृष्ठ संख्या दी काली है बिससे कि यह अलग संख्यत के रूप में रक्षा जा सके । (Separate paging is given to this Part in arter that it may be blest as a suparate compilation)

भाग III—खण्ड १ PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महानेखावरीक्षक, संच लोक संत्रा आयोग, रेज विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधींन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Rullways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of Indian



मई दिल्ली--110011, विकास 4 अगस्त 1986

सं० ए० 12025 (II)/2/86-प्रशा०-3-इस कार्यालय की दिमांक 30 जुलाई, 1986 की समसंख्यक अधिसूचना के अधिक्रमण में, राष्ट्रशति, कल्याण मंत्रालय के के० स० मे० संवर्ग के तदर्थ अनुभाग अधिकारी श्री सी० के० खत्ना को, विष्ठता कोटे में वर्ष 1985 के अनुभाग अधिकारी ग्रेड को चयन सूची में शामिल किये जाने के लिये, संघ लोग सेवा आयोग के के० स० मे० संवर्ण में उनके नामांकन किये जाने पर उन्हें 29 जुलाई, 1986 के अपराक्ष से सं० लो० मे० आ० के के० स० से० संवर्ण में अनुभाग अधिकारी ग्रेड में नियुक्त करते हैं।

2 उनकी नियुक्ति दिल्ली उच्च न्यायालय में विवास-धीन मी० उज्ल्यू० बी० मं० 1194/78 के परिणाम नथा अन्तिम निर्णय के अध्यधीन होगी।

> एम० पी० जैस अवर सचिव (का० प्र०) संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सनुर्का अधाराग

नई दिल्ली, दिनां अगस्त 1986

सं 1/2/85-प्रणा०—ई — 'योग की अधिसूचना सं 1/2/85-प्रणा०, दिनांक 25-प 86 में आंशिक संगोधन करने हुए, केन्द्रीय मनर्कता आयुक्त एतद्हारा श्री मनोहर लाल, स्थाई अनुभाग अधिकारी को इसी जीग में अबर सचिव के पद पर वेतनमान रू 1200-1600 में स्थान-पन्न स्था में नियमित आधार पर 24-7-86 से अगले आदेश तक गिगुक्त करते हैं।

मु० के० दीक्षित उप सच्चि **कृते** केर्न्द्रीय सप्तर्कता आयुक्त

कार्मिक एवं प्रक्षिक्षण, प्रशा० सुधार, लोड शिकायत तथा पेंणा संधालय (कार्मिक एवं प्रशिक्षण विशास) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी

नई दिल्ली-110003, दिनां 5 अगस्त 1986 मं० ए० 190-36/1/82-प्रशा०-5--प्रत्यावर्तन होने पर, कर्नाटक राज्य पुलिस सं केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रति (22337)

1-216GI/86

नियुन्ति पर आए, श्री अार० के० चौहान, पुलिस उपाधीक्षक की सेवायें कि 23 जुलाई, 1986 अपराह्न से कर्नाटक सरकार को सौप दी गई।

सं० 3/13/86-प्रशा०~5--निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक/विशेष पुलिस स्थापना एतद्-द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस के अधिकारी श्री अनिल कुमार मिश्र, पुलिस उपाधीक्षक को एक जुलाई, 1986 के पूर्वाह्म से अगले आदेश होने तक के० अ० ब्यूरो, सखनऊ में, प्रति-नियुक्ति (पर, स्थानापन्न पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 3/31/86-प्रशा०-5--निदेशक, के० अ० ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा, श्री बी० शिवन्ना, पुलिस सिरीक्षक, कर्नाटक राज्य पुलिस को, दिनांक 23 जुलाई, 1986 अपराह्म से, प्रतिनियुक्ति पर, अगले आदेश सक के लिए, के० अ० ब्यूरो/विशेष पुलिस स्था-पना/बंगलार में स्थानापन्न पुलिस उपाधीक्षक नियुक्त करते हैं।

स० ए०-19036/11/82-प्रशा०-5-प्रत्यावर्तन होने पर, गुजरात राज्य पुलिस से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर आए श्री जो० आई० दोआबिया, पुलिस उपाधीक्षक की सेवायें दिनांक 18 जुलाई, 1986 अपराह्म से गुजरात राज्य सरकार को सींप दी गई।

विनांक 7 अगस्त 1986

सं० ए० 19021/12/82-प्रधा०-5-प्रत्यावर्तम होने पर श्रो जी० रामचन्द्र रेड्डी, भा० पु० सेवा (आंध्र प्रदेश: राज्य पुलिस सेवा) पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना विशाखापसाम शाखा की सेवाएं विशाख प्रतेश सरकार को सींपी जाती हैं।

धर्मपाल भरूला प्रशासन अधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण स्यूरो

गृह मंत्रालय पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

नई दिल्ली, विनांक 30 जून 1986

सं० 3/27/81-प्रशा०-1-सेवानिवृक्ति की आयु होने पर, श्री डी० मजूमदार, पु० अनु० विकास क्यूरो, नई दिल्ली के सं० सहा० निदेशक के पद का कार्यभार 30-6-86 (अपराह्म) को सौंप कर सेवा निवृक्त हो गये।

एस० के० महिलक महानिदेशक

महानिदेशालय, के॰ रि॰ पु॰ बल

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1986

सं० स्रो० दो-1781/85-स्था०---राष्ट्रपति जी ने डा० विनोद सुमार, जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-II, 55 बटा- लियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का त्याग पत्र दिमांक 18-6-86 पुर्वाह्म से स्वीकार कर लिया है।

विनांक 4 अगस्त 1986

सं० स्रो० दो-2238/86-स्था०-1--राष्ट्रपति जो ने डाक्टर शशिधर कुमार बान्डि को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर, ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर दिनांक 26-7-86 (पूर्वाह्न) से सहर्ष मियुक्त किया है।

सं० श्रो० दो०-225/70-स्था०-श्री जें० एस० राना, सहायक कांमडेंट 35 बटा० के० रि० पु० वल ने सरकारी सेवा से स्वेच्छा निवृत्त होने के फलस्वरूप दिमांक 15-7-86 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

अशोक राज महीपित सहायक निदेशक (स्था०)

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार लेखा परीक्षा, राजस्थान जयपुर, दिनांक ह अगस्त 1986

सं० प्रणा०-1 (सं० ५० भे पी०-13044/--महालेखाकार (लेखा परीक्षा) राजस्थान, जयपुर निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी (ग्रुप "बी" राजपन्नित) के पदों पर, जिसका वेतनमान रु० 650-30-740-3 के पदों पर, जिसका वेतनमान रु० 650-30-740-3 के पदों से आगामी आदेशों तक के सम्मुख निर्वि तथियों से आगामी आदेशों तक के लियें सहवं पदोन्न करते हैं:--

क० सं०	नाम	पदोक्सिक की तिथि			
1	2	3			
सर्वेश्री					
1. श्रोम	प्रकाश मन्दवानी	17-1-86			
• 2. रतन	ला ल का<i>बरा</i>	2-6-86			
3. बारूम	ल	4-6-86			
4. राजेंन्द्र	सिंधी	2-6-86			
5. जगदीः	ग प्रसाव माथुर-∏	2-6-86			
6∙ सागर	मल काडिया	2-6-86			
७ रोशन	सिंह	10-6-86			
८ मोहम	लाल अग्रयाल	2-6-86			
9. मन्जीत	₁ सिंह	2-6-86			
10. सन्तोष	कुमार भागैव	26-86			
	जमार गोयल	4-6-86			
(ছাঠি (भियक्ति परो	(एस० स्टी० आर०)			

1	2	3
12. ऑस	र प्रकाश शर्मा-II	2-6-86
13. सुरेष	ग चन्द शर्मी—	2-6-86
14. বিভ	गुक्त मिश्रा	2-6-86
15. महेश	चिन्द माथुर	4-6-86
16. गोरध	ान लाल	10-6-86
17. राम	किशोर बुनकर (ग्र० फा०)	6-6-86
18 गोपा	ल टी० केवलरामानी	6-6-86
19. सवध	विद्वारी लाल	23-6-86
20 राम	दत्त दय्या (म्र० जा०)	6-6-86
21. धनम	गाम दास घलवानी	6-6-86
22. गिरर	ाज सिंह (ग्र० जा०)	6-6-86
23. श्रशो	क कुमार जैन–II	26-6-86
24. महेश	चन्द वर्मी	7-6-86
25. राधेश	याम गुप्ता-II	6-6-86
26. बहादु	र सिंह पूनियां	10-6-86
27. राधेष	याम शर्मा–II	6-6-86
28. कृष्ण	कुमार	6-6-86
29. विश्व	नाथ दीक्षित	6-6-86
30. घनम्य	राम गुप्ता	6-6-86
31. सूरेन्द्र	भुमार छाबड़ा	10-6-86

सं० प्रणा०-(ले० प०) मी० 13044/--महालेखाकार (लेखा परीक्षा) राजस्थान, जयपुरे निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारियों को स्थानापन्न लेखा परीक्षा प्रधिकारी (ग्रुप "बी०" राजपितत) के पदों पर जिसका वेतनमान ६० 840-40-1000-६० प्र०-40-1200 है प्रत्येक के सम्मुख निर्दिष्ट तिथियों से आगामी आदेशों तक के लिये सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

ऋ०सं० नाम	पदोम्नति की तिथि
सर्वश्री	
 मन मोहन लाल दंधीच 	26-5-86
	(पूर्वाह्म)
जनक राज गुप्ता	10-6-86
	(पूर्वाह्म)
 राधेश्याम गुप्ता 	6-6-86
	(पूर्वा ह्न)
4. जोगेन्द्र सिंह सक् कल	6-6-86
	(पूर्वाह्न)
 जगदीण चन्द्र वार्ष्णियं 	10-6-86
	[(पूर्वाह्न)
 तन्द राम चित्तीङ्या (ग्र० जा०) 	6-6-86
	(धपराह्म)
	कलदीप सिंद

कुलदीप सिह उप महालेखाकार (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकता-1, दिनांक 1 ग्रगस्त 1986

सं॰ 36/जी॰/86—सार्धम्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त (58 वर्ष) दिनांक 31 जुलाई 1986 से निम्नलिखित श्रधिकारीगण श्रायुध निर्माणी सेवा से निवृत्त हुए।

- श्री आर० के० चेलम, ग्रपर महानिवेशक/सबस्य,
 भो० एफ० बोर्ड ।
- 2. श्री सि॰ एम॰ माथुर, ग्रपर महानिदेशक/सदस्य, ओ॰ एफ़॰ बोर्ड।

दिनांक 5 प्रगस्त 1986

सं० 37/जी०/86---राष्ट्रपति महोदय ने निम्नलिखित अधिकारियों को ए० डी० जी० स्तर-1 के पद पर उनके सामने दर्शाई गई तारीख से पुष्ट करते हैं:---

मधिकारियों का नाम	पुष्टिकरण की तारीख
 श्री ए० पी० भट्टाचारिया श्री के० पी० ग्रार० पिल्लाई श्री जे० डब्ल्यू० कांच्यातेकर श्री डी० ग्रार० ग्रायर श्री बी० एम० भण्डरकर श्री एन० बालाकृष्णन 	1-9-82 1-9-82 1-1-83 1-3-83 1-3-83 1-6-83

दिनांक 6 मगस्त 1986

सं० 38/जी०/86—नार्धम्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री श्रार० जी० चौधुरी, संयुक्त महाप्रवन्धक (स्थानापन्न एवं स्थाई प्रवन्धक) दिनांक 30 श्रप्रैल 1984 श्रपराक्ष से सेवा निवृत्त हुए। तदनुसार उनका नाम दिनांक 1—5—84 प्रातः से भारतीय श्रायुध निर्माणी सेवा से हटाया जाता है।

एम० ए० भ्रलहन संयु**क्त** निदेशक/जी०

श्रम मंत्रालय

मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय) का कार्यालय नई दिल्ली; दिनांक 1 अगस्त 1986

सं प्रशा०-1/12(43)/72--स्थानान्तरण होने पर श्री पी कुमार ने 30-5-86 (अपराह्न) को श्रम प्रवर्तन श्रिधकारी (के०) कार्यालय श्राजमेर का कार्यभार छोड़ दिया और 6-6-86 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से भागलपुर में कार्यभार संभाल लिया। श्री पी० कुमार श्रम प्रवर्तन श्रिधकारी (के०) भागलपुर की 16-6-86 से नौकरी से हटा थिया गया।

> नंद लाल प्रणासनिक ग्रिधिकारी

वाणिज्य मंत्रालय
मुख्य, नियंद्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 1 श्रगस्त 1986
श्रायात तथा निर्यात व्यापार नियंद्रण
(स्थापना)

सं० 1/5/85-प्रणा० (राज०) — 4009 — राष्ट्रपति इस कार्यालय के सहायक निदेशकों सर्वश्री एन० एल० गांधी, सत्यपाल गुप्त तथा पी० एल० सेठी (भारतीय ग्राधिक सेवा के ग्रेड-4 के श्रधिकारी) को मुख्य नियंत्रक श्रायात एवं नियति के कार्यालय में उप-निदेशक (भारतीय ग्राधिक सेवा के ग्रेड-3) के रूप में उनके प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तिथि से श्रगला ग्रादेश होने तक नियुक्त करते हैं:—

- श्री एन० एल० गांधी 9-12-1974 (पूर्वाह्न)
 श्री सत्य पाल गुप्ता--16-3-1978 (पूर्वाह्न)
- 3. श्री पी० एल० सेठी--16-3-1978 (पूर्वाह्म)

राजीव लोचन मिश्र मुख्य नियंत्रक, श्रायात एवं निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1986

सं० 1/2/86-प्रणा० (राज०)/3929--राष्ट्रपति श्री जी० वेंकटाचलम (केन्द्रीय सचिवालय सेवा ग्रेड-- चयन सूची 1985) नियंत्रक ग्रायात एवं निर्यात को मुख्य नियंत्रक ग्रायात एवं निर्यात को मुख्य नियंत्रक ग्रायात एवं निर्यात के कार्यालय नई दिल्ली में 1-3-86 से 30-6-86 तक चार महीने की और ग्रवधि के लिये तद्यं ग्राधार पर उप मुख्य नियंत्रक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 ग्रगस्त 1986

सं० 6/1489/84-प्रशा०(राज०)-3980--श्री जी० एस० नेगी केन्द्रीय मिचवालय सेवा के एक स्थाई ग्रेड-4 ग्रिधिकारी तथा इस कार्यालय में नियंत्रक श्रायात एवं निर्यात का 23-7-86 (23 जुलाई 1986) को निधन हो गया है।

सं० ८/७२९/६४-अणा० - (घल०)/ 1002-- संयुक्त भुख्य नियंत्रक, आयान-वियान के जार्यालय, मदास में श्री डी० एस० नरिवम्हिया, उप मुख्य वियंत्रज, आयान-नियात के

सेवा निवृक्ति की आयु प्राप्त कर सुने पर 30 जून, 1986 के अपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

> शंकर चन्द उप मुख्य नियंत्रक, आयात एवं नियति कृते मुख्य नियंत्रक आयात एवं नियति

वस्त्र भंडार

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय मई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1986

सं० 1/29/83-डी० सी० एच०/प्रशा०~1—इस कार्या-लय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 11-2~1986 का अधिक्रमण करते हुए विकास आयुक्त हथकरघा, श्री के० सी० पुजारा को पूबव्यापी 1 सितम्बर 1984 में आगामी आदेशों तक के लिये विकास आयुक्त हथकरघा के कार्यालय में हथकरघा विकास आयुक्त का मिजी सचिव नियुक्त करते हैं।

> एन० एन० वासुदेव अपर विकास आयुक्त (हथकरघा)

नई दिल्ली, दिशांक 24 जुलाई 1986

सं• 31013 (3)/86-प्रणा०-II--विकास आयुक्त हथकरघा, हथकरघा विकास आयुक्त के कार्यालय के अन्तर्गत आने वाले संगठन बुनकर सेवा केन्द्र में निम्नलिखित अधि-कारियों की मूल नियुक्ति निम्म प्रकार करते हः—

किंद्र के अधिकारी का नाम पद की श्रेणी मूल नियुक्ति तारीख 1 श्री आर० आर० रेड्डी सहायक निदेशक 20-8-82 ग्रेड-II (गैर तकनीकी) 2 श्री जीं० सोमशेखर सहायक निदेशक 24-1-86 ग्रेड-II (गैर तकनीकी)

> इन्दिरा मानसिंह संयुक्त विकास आयुक्त (हथकर**या**)

उद्योग मंत्रालय

श्रंखोगिक विकास विभाग विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिमांक 29 जुलाई 1986

सं० 12 (527)/66-प्रणा० (रा०) न्यंड-4--नकनीकी विज्ञास महाभिदेशालस, गई दिल्लो में सतर्कता अधिकारी के क्य में नियुक्ति हो जाने पर श्री एच० एल० जुनेजा ने, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के आयिलिय में उप निदे-

शक (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के पद का कार्य भार दिनांक 25 जून, 1986 (अपराह्म) को छोड़ दिया है।

दिमांक 7 अगस्त 1986

सं० ए०-19018 (805)/86-प्रशा० (रा०) -- राष्ट्रपति भारतीय सांख्यिकीय सेवा के तृतीय श्रेणी के अधिकारी'; श्री आर० एन० सहगल को नियुक्ति, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय में, 11 जुलाई 1986 से उपनिदेशक के पद पर, अगले आदेश जारी होने तक के लिये करते हैं।

सं ० 12 (510)/65-प्रधा० (राज०)-खंड-3-कामनवेल्थ फण्ड फार टेक्नोकल कोआपरेशन, लन्दन के अन्तर्गस द्रिमडाड और टोबागो में तकनीकी सलाहकार के रूप में चयन होने पर, श्री टी० आर० सहगल ने विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्लो में दिनांक 9-3-1986 (पूर्वाह्म) से उप-निदेशक (यांतिक) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

कामनवेस्थ फण्ड फार टेनिनकल कोआपरेशन, लन्दम के अन्तर्गत ट्रिनडाड प्रार टोनागो में तकनीकी सहायक के पद पर दिनांक 10-3-86 में 15-6-1986 तक की प्रति-नियुक्ति की अवधि समाप्त होने पर, श्री टी० आर० सहगल ने 16-6-86 (पूर्वाह्म) में विकास आयुक्त (लघु उचीग) कार्यालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (यांतिक) के पद का कार्याभार संभाल लिया।

> सी० सी० राय उप निदेशक (प्र०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिशांक 31 जुलाई 1986

सं० ए-6/247 (295)—निरीक्षण निदेशक (धातु कर्म) जमशेदपुर के जार्यालय में न्यायी सहायक निरीक्षण निदेशक (धातु कर्म) भाग्तीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" ग्रेड—) (धातकर्म शाखा) ग्रीर उप निदेशक निरीक्षण (शातु कर्म) भाग्तीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड—II) (धातु कर्म धाखा) के पत्र पर स्थानापन्न रूप से कार्यरक्ष श्री ए० के० मजूमदार निवृतन की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 मई 1986 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

आरः० पी० शाही उप निदेशक (प्रशासन) कृत महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात ग्रीर खाम मंत्रालय (खाम विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 31 जुलाई 1986

सं० 4900-बी/ए-19012 (2-एम० के० डो०)/ 85-19-बी०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भूव जानिक सर्वेक्षण के विष्ठ तकनीकी सहायक (भूभ तिकी), श्री मिलन कांति वे को सहायक भूभ तिकी विद् के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वितमान के वेतन पर अस्थाई क्षमता में आगामो आदेश होने तक 31-1-86 के अपराह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 4915-बी/ए-32013 (3-रसा० वरि०) /84-19-बी०--राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के रसायनज्ञ (किष्ण्ठ) श्री गुलशन लाल को रसायनज्ञ (वरिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 1100-1600 रू० के वेतनमान के वेतन पर, स्थामापन क्षमता में आगामी आदेश होने तक 16-6-86 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 1 अगस्त 1986

सं० 4941-बी/ए-19011 (1-जे० एस० एम०)/
85-19-बी०---राष्ट्रपितिशी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक डा० जगवीश सिंह मेहता को भूवैज्ञानिक (कृषिष्ठ) के पद पर उसी विभाग में, 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 ४० के न्यूनतम वेतनमान में, स्थानापन क्षमता में आगामी आदेश होने तक 10-5-86 के पूर्वाह्म में नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 4 अगस्त 1986

सं० 3048-जी/ए-32013 (3-रसा० वरि०)/ 84-19-बी०--राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के रसायनज्ञ (किनष्ट) श्री आर० एन० सूद को रसायनज्ञ (वरिष्ठ) के रूप में उसी विभाग में निययानुस गर 1100-1600 रु० के वेतनमान के वेतन पर्दे स्थानापन्न क्षम त में आगामी आदेश होने तक 11-6-86 के पूर्वाह्म से पदो-न्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

दिनौंक 5 अगस्त 1986

सं० 4979 बी/ए-19011 (11-ए-वी० जी/85-19 ए--राष्ट्रपति जो श्री ए० वी० गंगाधरन की भूवैज्ञानिक (किनष्ट) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 द० के न्यूनतम वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में आगामो आदेश होने तक, 6-5-86 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 4964 बी/ए-19011 (1-एम० एस०)/ 85-19 बी०---राष्ट्रपति जीश्व एम०श्रीधर को भूवैज्ञानिक (किनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 स्० के न्यूनतम वेतनमान में स्थानापन क्षमती में आगामी आवेश होने तक, 12-5-86 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

श्रुद्धि-पत्न

सं० 4994 बी/ए-32013 (2-जी॰ जे॰)/83-19 बी॰-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूभौतिकीषिद (किनिष्ठ) के पद पर श्री के॰ जगन्नाय राव के स्थानापन्न पदोन्नति की तिथि इस कार्यालय के दिमांक 22-5-86 की अधिसूचना म॰ 3116 बी॰/ए॰-32013 (2-जी॰ जे॰)/83-19 बी॰ में दी गई तिथि 3-5-84 (पूर्वाह्म) के स्थान पर कृपया 3-5-85 (पूर्वाह्म) पढ़ें।

सं० 5006 बी०/16/जे० पी० डी० /86-19 ए०-- भारतीय भूवैशानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भू-वैशानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक (हिन्दी) श्री जयपाल बाम्हें को हिन्दी अधिकारों के अस्थायी पद पर भारतीय भूवैशानिक सर्वेक्षण में, उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेननमान के वेतन पर आगामी श्रादेश होने तक, 8 मई, 86 के पूर्वाह्म से पदोक्षित पर नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 6 अगस्त 1986

सं० 5049 बी/ए-32013 (प्र० अ०)/85/19 ए--- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महामिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री पी० पी० जचारियाह को प्रशानिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में नियमा नुसाए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान के वेतन पर, अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक 30-5-86 (पूर्वाह्म) में पद्मेश्वति पर नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी निदेशक (कामिक)

भारतीय खान इयूरी

नागपुर, दिनांक 4 अगस्त 1986

सं० ए-19011 (36) 86-स्था० ए०--संघ लोक सेवा आयोग को सिफारिश पर, श्री पी० एम० राव, स्याई वरिष्ठ संपादक को भारतीय खान क्यूरो में मुख्य संपादक के पद पर स्थानापक्ष रूप में दिनांक 8 मई 1986 के पूर्वाह्म से पदोन्नत किया गया।

जी० सी० धर्मा सहायक प्रशासन अधिकारी कृते महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 6 अगस्त 1986

सं॰ ए-19012/83/85-स्था॰ ए॰ पीपी---निवर्तन की आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर श्री आर॰ एस॰ नीगिया, वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी की दिनांक 1 अगस्त 1986

के पूर्विह्न से भारतीय खान ब्यूरों के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है भ्रौर तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया गया है।

दिनां ह अगस्त 1986

सं० ए-19011 (370) 85-स्था० ए०--राष्ट्रपति ने श्री ए० के० उदेनिया सहायक खान नियंक्रक, भारतीय खान ब्यूरो का त्यागपत्न विनांत 7 जनवरी, 1986 को अपराह्न से स्वीकार कर लिया है।

> पी० पी० वादी प्रणासन अधिकारी कृते महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय भू विज्ञान सर्वेक्षण संस्था नागपुर, दिनांक 4 अगस्त 1986 सेवा समाप्ति की सूचना

सं० 1961/ए०-20013/211/एल० बी०/84-स्था०--केन्द्रीय सिविल मेवा (अस्थायी सेवाएं) नियमावली, 1965 के नियम 5 के उप नियम (1) की अनुपालना में इस सूचना के प्रकाशन की निध्य से एक मास की अवधि की समाप्ति की तिथि से श्री लाल बहायुर, दरवान की सेवाएं समाप्त समझी जाएंगी।

> के० डी० रामनानी क्षेत्रीय प्रशासन अधिकारी

भारताय मातव विज्ञान सर्वेक्षण

तलकता-700016, दिनांक 31 जुलाई 1986

सं० 4-183/81/स्थापना--भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के श्री एस० बैनर्जी, कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी अयु अधिविपता के कारण 31 जुलाई 1986 सायान्ह से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए हैं।

> पी० सी० दत्ता अधीक्षक मानव विज्ञानी

आकाशवाणी महाभिवेशालय

नई दिल्ली दिनांक 31 जुलाई, 1986

सं० 29/13/77-एस०-2-श्री बी० सी० मिश्रा, फार्म रेडिथो अधिकारी, आकाशवाणी कटक, सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर 30 जून, 1986 से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

> मोहन फांसिस प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1986

मं० ए० 12016/6/86-औपध--3 जुलाई 1986 की अधिसूचना गं० ए० 32013/1/83-डी० एम० एस० एंड पी० एफ० ए० के तहत् स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में सहायक आध्य मियलक (भारत) के पह पर 1100-50-1600 रुपये के वेतनमान में तहर्थ आधार पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप श्री के० सी० गंगल ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में 24 अप्रैल 1986 (पूर्वाह्म) से आगामी आदेशों तक शकनीकी अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

श्री कें , सी० गंगल ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में 24 अप्रैल 1986 (पूर्वाह्म) से तकनीकी अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> मातु राम, उप निदेशक प्रशासन (औषधि)

नई दिल्ली, दिनांक 1 श्रगस्त 1986

सं० ए० 32013/2/85-एम० एन० ई० पी०/पी० एच० (सी० डी० एन०)---राष्ट्रपति ने श्री एन० एल० कालड़ा को राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम दिल्ली में 11 जुलाई 1986 के पूर्वाह्न से धागामी धादेशों तक केन्दीय समन्वय प्रधिकारी के पद पर अस्थाई श्राधार पर नियुक्त कर दिया है।

सं० ए० 12025/24/81-एन० आई० सी० डी०/ पी० एच० (सी० डी० एल०)--राष्ट्रपति ने डा० ग्रम्बिन्तय पाल को राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में 1 जुलाई 1986 के पूर्वाह्न से तथा ग्रागामी ग्रादेशों तक उप सहायक निदेशक (पशु-चिकित्सा) के पद पर श्रस्थाई ग्राधार पर नियुक्त कर दिया है।

> जैस्सी फ्रीसस उप निदेशक प्रशासन (पी० एच०)

कृषि मंत्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग) विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 1 श्रगस्त 1986

सं० ए० 19023/65/73-प्र०-III--ितिष्पुर में इस निवेशालय के विषणन श्रधिकारी श्री श्रार० बी० कुरुप सरकारी सेवा से 31-5-1986 (श्रपराह्म) को स्वेच्छा से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

> अनीता **चौध**री इति विपेणन सला**ह**कार

दिल्ली बुग्ध योजना नई दिल्ली-8, दिनांक 23 जुलाई 1986 श्रादेश

सं० 6-4/84-सतर्कता--यतः श्री राम कंबर (कुमार), मेट सुपुत्र श्री शेर सिंह को इस कार्यालय के दिनांक 8-10-84 के समसंख्यक शापन द्वारा ी निम्निलिखित आरोपों के लिये केन्दीय सिविल सेवा (वर्गी रण नियंत्रण और प्रपील) नियम 1965 के नियम 14 के श्रन्तर्गत एक शारोप पत जारी किया गया था:--

"िक श्री राम कंवर (कुमार) सुपुन्न श्री शेर सिंह जब दिल्ली दुग्ध योजना में मेट के रूप में काम कर रहा था तो वह सक्षम प्राधिकारी की पूर्वानुमित लिए श्रथवा कोई पूर्व सूचना दिए बिना दिनांक 4-1-1983 से श्रनधिकृत रूप से ड्यूटी से गैरहाजिर हैं। श्रतः उस पर ड्यूटी के प्रति कर्तंव्यनिष्ठा का भाव न रखने और केन्दीय सिविल सेवा (ग्राचरण) नियम 1964 का उल्लंधन करने का श्रारोप लगाया जाता है।

कि कथित श्री राम कंबर (कुमार) सुपुन्न श्री थेर सिंह, मेट ने उन कार्यालय पत्नों का उत्तर नहीं दिया है जिनके द्वारा उसे ड्यूटी पर हाजिर होने का निवेश दिया गया था। श्रतः उस पर सरकारी श्रनुदेशों की श्रवज्ञा करने का श्रारोप लगाया जाता है जबकि एक सरकारी कर्मचारी के लिए बहुत ही श्रनुचित है और केन्द्रीय सिविल सेवा (श्राचरण) नियम 1964 के नियम 3(I) (III) का उल्लंघन है।"

और जबिक श्री बी॰ एल॰ ओबराय को जांच ग्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था उन्होंने दिनांक 8-7-85 की ग्रपनी रिपोर्ट सं॰ 72/ई॰ ओ॰/85(बी॰) (प्रति संलग्न) प्रस्तुत कर वी है जिसमें सक्षम प्राधिकारी को बिना कोई सूचना दिये ग्रथवा उसकी पूर्वानुमति लिये बगैर दिनांक 4-1-83 से ग्रनधिकृत रूप से गैर-हाजिर रहने का ग्रारोप सिद्ध हो गया है और ग्रारोप नं० 2 भी कुछ हद तक सिद्ध हो गया है। ग्रधोहस्ताक्षरी ने जांच ग्रधिकारी के निष्कारों और मामले से संबंधित ग्रन्य सम्बद्ध रिकाडों की सावधानीपूर्वक जांच की है और यह पाया है कि श्री राम फुमार (कंवर)मेट एक वर्ष से ग्रनाधि ग्रधिककृत रूप से गैर-हाजिर रहा और बाद में एक प्राईवेट चिकित्सक से चिकित्सा प्रमाण-पन्न ग्रथवा स्वस्थता प्रमाण-पन्न ग्रथवा स्वस्थता प्रमाण-पन्न ग्रस्तुत किया ।

जांच रिपोर्ट एवं रिकार्ड में उपलब्ध श्रन्य संबंधित दस्तावेजों पर सावधानीपूर्वंक विचार करने से यह जाहिर है कि जांच में भाग लेने के लिये उसे पर्याप्त मौका देने के वावजूद भी उसको भेजे गये पत डाक प्राधिकारियों की इस टिप्पणी के साथ वापस मिल गये थे कि——"वन्धा लेने से इनकार करता है। जिससे यह सिद्ध होता है कि उसने जानबूसकर अपने मामले की पैरवी करने हेतु जांच कार्रवाई में शामिल होने के लिये टाल-मटोल की। इससे

यह स्पष्ट अमिहर होता है कि श्री राम कुमार सरकारी नौकरी करने का इच्छुक नहीं है। प्रधोहस्ताक्षरी आंच श्रधिकारी के निष्कपों से सहमत है कि श्री राम कुमार (कंवर) ग्रारोप का दोवी है और इसलिये वह सरकारी नौकरी में रखने योग्य ठीक व्यक्ति नहीं है।

स्रब श्रतः, श्रधोहस्ताक्षरी केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गी-करण, निर्यक्षण और श्रपील) नियम 1965 के नियम II के अंतर्गत प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री राम कंबर (र्य कुमार) मेट सुपुत्र श्री शेर सिंह को नौकरी से श्रनिवार्य सेवा-निवृक्ति का दण्ड देते हैं।

बलदेव चन्द

श्चनुलग्नकः यथोकतानुसार

उप महाप्रबंधक (प्रणा०) श्रनुशासनिक प्राधिकारी

श्री राम कुमार, मेट सुपुत्र श्री शेर सिंह गांदै व डोकखानी गुराबाद, मकान नै० 89 जिला रोहतक (हरियाणा)

परमाणु ऊर्जा विभाग

ऋय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 31 जुलाई 1986

सं० कर्मनि०/41/3/85-प्रशा०/23139--परमाणु ऊर्जा विभाग क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी सहायक लेखापाल तथा स्थानापन्न लेखापाल श्री जगन्नाथ गोपाल साठे को इसी (निदेशालय में दिनांक 16-6-1986 (प्रवाह्म) से 18-7-1986 (प्रपराह्म) तक 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 र० के वेतनमान में सहायक लेखा प्रधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है, यह नियुक्ति श्री टी० एम० प्रतेवजांडर के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त ग्रवधि के लिए लेखा ग्रधिकारी-II के पद पर तदर्थ ग्राधार पर पदोन्नन किया है।

सं० ऋग्नि०/41/3/85-प्रशा०/23145--परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय और भंडार निवेशालय के निवेशक ने स्थायी सहायक लेखापाल तथा स्थानापन्न सहायक लेखा प्रधिकारी श्री टी० एम० ग्रलेक्जांडर को इसी निवेशालय में विनांक 16-6-86 (पूर्वाह्म) मे 18-7-1986 (ग्रपराह्म) तक 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में लेखा श्रीधकारी—II के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थाना-पन्न रूप मे नियुक्त किया है, यह नियुक्ति श्री एल० एच० इसरानी के स्थान पर की गई है ि है उक्त ग्रवधि के लिये लेखा ग्रिधकारी— $I\xi I$ के पद पर तस्थी ग्राधार पर पदोन्नत किया है।

बी० जी० कुलकर्णी प्रशासन मधिकारी महानिदेशक पागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 मई 1986

सं० ए० 32013/12/85—स्था०-I—राष्ट्रपति, श्री एम० शार० दास की 28-5-86 में अगले आदेश होने तक 1800-2000 रुपये के बेननमान में निदेशक उड़न योग्यता के पद पर नियुक्त करते हैं।

़ जे० सो० गर्ग संयुक्त निदेशक प्रणासम **कृते** महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1986

सं० ए० 32014/5/84-स्था०-2-इस कार्यालय की दिनांक 27 जनवरी, 1986 की अधिसूचना स० ए० 32013/5/84-स्था०-1 के 'कम में राष्ट्रपति, श्री पी० के० कालंड़ा की दिनांक 15-12-85 से 30-9-86 सक 1800-100-2000 रुपये के देननमान में विशेष कार्य अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति की स्वीकृति देते हैं।

मुकुल भट्टाचार्जी उप निवेशक प्रशासन

मई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई 1986

सं० ए० 38013/1/86-ई० ए०--श्री पी० सी० जार्ज दोराईराज, विमान क्षेत्र अधिकारी, जो राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण में प्रतिनियुक्ति पर ये प्रौर निदेशक विमान क्षेत्र, मद्रास में तैमार थे, निवर्तम आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-6-1986 में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

विनांक 31 जुलाई 1986

सं० ए० 32013/1/86-ई० ए० (ई०-I)---राष्ट्रपित, नागर विमानन विभाग में निम्नलिखित अधिकारियों की उनके सामने दिखाई गई क्षारीख मे 3 महीने की अविधि के लिये उपनिदेशक/नियंत्रक उड़नयोग्यता के ग्रेड में तदधी आधार पर मियुक्त करते हैं:-

ऋ० सं०	नाम	तैनाती का स्टेशन	उपनिदेशक/ नियंतर, उड़नमोग्यता के पद पर नियुक्ति की नारीख
1	2	3	4
सव	र्भि		
1 - आरट	सी० गुप्ता	मुख्यालय	29-5-1986
2 यू०र्प	ो० सत्पंथी	कलकत्ता	4-7-1986

1 2	3	4
3. जे ० आई ० एस० बेदी	निदेशक, उड़न- योग्यता का कार्यालय, न दिल्ली	29-5-1986 €
 एस० मजुमदार 	पटना	8-7-1986

एम० **भट्टाचार्जी** उपभिदेशक, प्रशासन **कृते** महाविदेशक,नागर विमानन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 4 अगस्य 1986

सं० 16/383/86-स्था०-1--प्रितितयुक्ति की अवधि समाप्त होने पर श्री एम०सी० गोयल, लेखा अधि प्राणी वल अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देह्रपदूत की सेवायें दिनां प्र 11-6-86 के अपराह्न में रक्षा लेखा नियंत्र के मुख्यालय सेना भवन, नई दिल्ली के सुपुर्द की गई हैं।

सं० 16/456/86-स्था०-I--अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री यशपाल सिंह, लेखा अधिकारी रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिम कमाम को वन अनु-संधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में लेखा अधिकारी के पद पर दिनांक 18-7-86 में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> जे० एन० सक्सेना कुल सचिव

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-66, दिमांक 1 अगस्त 1986

सं० ए० 19012/1/31/85—स्था०-पाच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री मिर्मल प्रकाश, पर्यवेक्षक की अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 650—30-740—35—810—द० रो०—35—880—40—1000—द० रो०—40—1200 रुपये के वेतनमान में 29—8—1985 की पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिये अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भो पहले हो, पूर्ण अस्थाई तथा नदर्थ आधार पर स्थानापर रूप में नियक्त करते हैं।

एस० महादे**व** अटयर अवर मचिव

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1986

मं० ए० 19012/1139/85-स्था०-पांच--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री समय सिंह, पर्यवेक्षक को अतिरिक्त 2-216GI/86 सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेष्ठ में 650-30-740-35-810-द० रो०-23-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- रुपये के वेत्रसमान में 5-8-1985 की पूर्वाह्म से एक वर्ष की अवधि के लिये अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थाई तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियमक करते हैं।

> मीनाक्षी अरोड़ा अवर भचिव

केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीदाबाद, दिभांक 1 अगस्त 1986

मं० 3-748/86—मु० जलभू० (स्था०)—श्री टी० गोवर्धन को दिनांक 2-6-86 (अपराह्म) में अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमि एल बोर्ड में सहायक प्रसायन विज्ञानी के पद पर जी० मी० एम० समूह " \mathbf{q} " (पापनिवा) वेतनमान ६० 650-30-740-35-810—द० रो०-35-880-40-1000—द० रो०-40-1200/- में अस्थाई तांर पर नियुक्त किया जाता है।

बी० पी० सी० सिन्हा मुख्य जल भू विज्ञानी एवं सदस्य

निर्माण महाधिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1986

सं 32/3/85-ई० सी०-2--केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के केन्द्रीय इंजीनियरिंग मेवा के श्रेणी-क के निम्न- सिखित ग्रिधिकारी निवर्तन की आयु (58) वर्ष पूरे होने पर मरकारी सेवा में उनके आगे दी गई तारीख में मेवा- निवृत्त किये जाते हैं:--

-			
ऋ०सं०	अधिकारी का नाम	निवृत्ति की तारीख	पदनाम एवं अंतिम तैपाती का स्थान
1	2	3	4
	मर्व श्री		
1• एच०	एल ० जाटव	31-7-86 (अपराह्म)	कार्यः इंजी० (मि०), लो० नि० वि०2 (दि० प्र०), मई दिल्ली ।
2. के०प	गी० जोसफ	31-7-86 (अपराह्म)	कार्यं० इंजी० (मू०), आयकर विभाग, त्रिवेन्द्रम

1	2	3	4
3. आर	८० सूर्यनारायणा	31-7-86 (अपराह्न)	कार्यं० इंजी० (मू०), आयकर विभाग, बंगलौर
4. for	व दत्त शर्मा	31-7-86 (अपराह्न)	नि० सर्वेक्षक, लो० नि० वि ० परि०–5, (दि० प्र०) न ई दिल्ली
	,		मंभि मोहन दास निदेशक (प्रशिक्षण) नेमणि महानिदेशक

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनी रजिस्ट्रार, का कार्यालय

पटना-800001, दिशांक 28 जून 1986

कम्पनी अधिनियम, 1913 भौर पटना आहो इंजीनियरिग कम्पनी लिमिटेट के विषय में

मं० 135/लिमिन्न०/1618—कम्पनी अधिनियम, 1913 की धारा 194 के अनुसरण में एकदृद्वारा सूचना दी जाती हैं कि उका कम्पनी उच्च न्यायालय के निर्देश तिश्वि 5 अप्रैल 1986 में विधटित हो गयी हैं।

> अपठनीय हस्ताक्षर कम्पनो रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

आयकर अपीलीय अधिकरण

बम्बई-400 020, दिमांक 1 अगस्त 1986

सं० एफ० 48-एडी० एटी०/1986--श्री एस० के० विश्वास, अधीक्षक, आयकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई त्याय-पीठ, बम्बई जिन्हें तद्दर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण, गोहाटी पीठ, गोहाटी में 3 माह की अवधि के लिए दिनांक 1-5-86 से कार्यं करते रहने की अनुमित प्रदान की गई थी। देखिए इस कार्याक्षय की दिनांक 13 मई, 1986 की अधिसूचना क्रमांक एक-एडी० (एटी०)/1986 को अब उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण, गोहाटी न्यायपीष्ठ, गोहाटी में दिनांक 1-8-1986 से श्रीर तीन माह की अवधि के लिए या तब तक जब तक उक्त पद पर नियमित नियुक्ति न हो जाए, जो भी पहले हो, कार्यं करते रहने की अनुमित प्रदान की जाती है।

उपयुक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री एस० के० विश्वास को उस श्रेणों में नियमित नियुक्ति के लिये कोई दावा महीं प्रदान करेगी श्रीर न उसके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवायें न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में गिनी जावेगी श्रार म दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पानता प्रदान करेगी।

2. श्री एम० वी० नारायणन, अध्यक्ष महोदय के वैयकितल महायक आयकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई त्यायपीठ,
बम्बई जिन्हें तदर्भ आधार पर अस्थायी क्षमता में महायक
पंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई
त्यायपीठ, बम्बई में 3 माह की अवधि के लिये दिनांक
1-5-1986 से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की
गयी भी। देखिए इस कार्यालय की दिनांक 1 मई, 1986 की
अधिसूचना क्रमांक क्रमांक एफ०-48-एफ्टी० (एटी०)
1986, को अब उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर
आयकर अपीलीय अधिकरण, बम्बई पीठ, बम्बई में दिनांक
1 अगस्त, 1986 में श्रीर तीन माह की अवधि के लिये
या नब तक जब तक उक्त पद पर नियमित नियुक्ति न
हो जाए, जो भी पहले हो, कार्य करते रहने की अनुमति
प्रदान की जाती है।

उपयुक्त नियुक्ति तक्ष्यं आधार पर है श्रांप यह श्री एस० वी० नारायणन, को उस श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिये कोई दावा नहीं प्रदान करेगी श्रांप न उनके द्वारा तद्यं आधार पर प्रदत्त सेवायें न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में गिनी जावेगी श्रोप भ दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोक्षत किये जाने की पात्रता प्रदान करेगी।

> सी० एच० जी० कृष्णमूर्थी वरिष्ठ उपाध्यक्ष

प्रारूप आई.टी.एन.एस्.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्र्यांन रेंज, अलकत्ता

कलवत्ता, दिनांक 1 जुलाई 1986

निर्वेश सं० ए०सी—ईई—नं०-1/एसी क्यू/-ग्राप-IV/वःल/86-87 - श्रतः मुझे, शेख ईमुद्दीन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) हिंचले इतमें इसके परचात् 'उपत विचित्तयम' कहा त्या ही, की भाषा 269-क् के वणीन सम्बाद प्रतिकारी को यह विकास कहने का कारण है कि स्थानर सम्मृतिक, विकास उणित वावार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या . जो चन्दननगर, हुगली, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसुनी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीयक्ती श्रीधकारी के कार्यालय वालयक्ता में भारतीय रजिस्ट्रीयक्रण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15-11-1986

को पूर्विक्त संपत्ति के उण्जित काचार मुख्य से कम के स्थानाम प्रतिक्रम के सिए अंतरित की गई है जोर मुखे मह विकास करने का कारण है कि समापूर्विक्त संस्पत्ति का उण्जित वाजार मूस्य उसके स्थामान प्रतिक्रम से, हो स्थामान प्रतिक्रम का वन्त्रह प्रतिकृत से अभिक है और अम्बर्क (अन्तरकों) जौर अन्तरिती (अन्तरितिसमों) के बीच एसे अन्तर्क के सिए तब बावा नया प्रतिकृत , निम्नितिबन्त सब्देश से स्वस्त अन्तर्क सिख्य से कास्तिक कप से क्षित नहीं विक्या गया है क्ष्य

- (क) जन्तुरण से हुई किसी जाय की वाक्त, उक्त जिल्लाम् की जभीत केंद्र दोने के जन्तरक के दासित्य में कभी करने या उत्तब कजने में सुविधा के किए; और/वा
- (क) एसी किसी बाब का किसी भन् या बस्व अस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा की किए;

1. जनरम इन्डच्ट्रीअ सीसाईटी लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

1. वी हुगली मिल्स कं० लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस ब्रम्मा के सामप्तम में प्रकाशन की सासीय से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर श्रम्भा की स्थानित में 30 विश्व की समीय, भी की स्थाप कार में स्थाप्त होती हों, से भीकर पूर्णिया व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुनात;
- (च) इक तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंधोहस्ताक्षरी के पाण विस्तित में किए जा सकोंगे।

स्प्याधिकारण :--- इसमें प्रथमत कथा और पर्श का, जी उक्त वीधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में विद्या गमा हैं।

अनुसूची

जमीन 47.3008 एकड़ जमीन दा साथ मकान पता गोनडालपाड़ा, थाना चन्दननगर, जिला हुगली, दलील सं० 1985 का 37 ई नं० 9/ए भी क्यू०/ग्रार-IV कल/85-86

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्रांधिकारी सहायज भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकक्षा

) नारी**ख**: 1~7−1986

मोहर ३

अतः अव, अका अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण प मी. अक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--

प्रकल नाइ. टी. एन. एस.-----

नायकर निर्मित्वस्, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-क (1) के संधीय सूचका

भारत सरकार

कार्यामय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्तक)

ध्रजीन रोंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1986

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० सं० 6/86-87 — अत:, मुझे, टी० गोरखनाथन,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इतमें इसकें पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित्र वाचार मृस्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 6-3-609/10/3 है, जा श्रानन्द नगर कालोनी खैरताबाद हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिः गरी के कार्यालय, हैदराबाद में भागतीय रिजस्ट्रीवरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1985

को पूर्वे क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्ष्म के द्रश्मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि ग्यापूर्वे क्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है बीर बन्तरक (बन्तरकों) और (बन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पासा पना कल निच्चितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिचित में वास्तिवक में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाम की बाबत, उक्त अधिनिश्रम के वर्धीन कर दोने के बन्तरका के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- ्छ: एमं किसी नाय या किसी भन या अन्य नास्तिनों को, चिन्हें भारतीय आयकर निभीननन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर निभीनियम, या वन-कर निभीनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः सभः, अन्त विभिनियम की भारा 269-ग के अवृतरण मों, मों अन्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीम, निम्हतिवित व्यक्तियों, वर्धातः :— श्री के० एल० एस० एन० शर्मा
 पिता लेट के० कृष्णा दीक्षासूलू कांच मैंनेजर,
 एल० ग्राई० सी० ग्राफ इन्डिया, चारमीनार,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

श्री भनवरलाल बस
पिता गोवरधनलाल बस,
डी० नं० 5-9-45, बसीरबास, हैदराबाद।
(2) श्रीमती केसर देवी बस
पित गोवरधन बस,
डी० नं० 5-9-45, बसीरबाग,
हैदराबाद!

(ग्रन्सिरसी)

की वह संघन धारी करके पूर्वीचल सक्यरित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपत में प्रकावन की टारीव से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्वना के राष्पत्र में प्रकावन की तारीय है 45 वित्र के भीतर उन्दत् स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी बन्य स्थावत ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकीये।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रमुक्त खुकां और पदां का, यो उक्त वाधि-ं नियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वही सर्व होता, यो उस अध्याम में विया गया है।

वन्त्रकी

घर एम० सी० एच० नं० 6-3-609/10/3, श्रानन्द नगर खैरताबाद हैदराबाद विस्तीर्ण 476 चौ गज,रजिस्ट्री-कृत, विलेख नं० 5809/85, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, हैदराबाद।

टी० गोरखनाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजंन रेंज, हैदराबाद

दिनोक: 8-7-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ज के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाट, दिनांवः 8 जुलाई 1986 -

मं० ग्रार॰ ए० सी० नं० 7/86-87 — ग्रतः मुझे, टी० गोरखनाथन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 3-6-361/10 श्रीर 10 ए है, जो हिमायतनगर हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्त्ता श्रीधवारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रीधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन, तारीख 11 नवम्बर, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्वमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकः रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भगरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए?

श्रत: अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श क्वी उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री मोहम्मद रहीमृद्दीन
पिता मोहम्मद मोइनृद्दीन,
डी० नं० 6-3-456/24, द्वारकाषुरी कालोनी,
पंजागुट्टा, हैदराबाट।
(2) श्री मोहम्मद श्रारीफूद्दीन
पितः मोहम्मद मोहनुद्दीन,
डी० नं० 6-3-456/24, द्वारक पुरी, कालोनी,
हैदराबाद।

(भ्रन्तरकः)

श्री मोहम्मद मुलतानुद्दीन कदमर,
पिता लेट मोहम्मद अलीमुद्दीन शकीर
बाई जी० पी० ए० मोहम्मद सल्लाऊद्दीन शकीर,
डी० नं० 3-5-898, हैदरगुष्ठा,
हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

सम्मित के अर्जन के संबंध में कोई जाक्षेप :---

- (क) इस संचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यितियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित क्यित्यों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधेहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्मियमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ, होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं एम० मी० एच० नं 3-6-361/10 श्रीप 10 ए, हीमायतनगर, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत, विलेख नं 5558/85, रिजस्ट्रीकृत्ती श्रिधिकारी हैदराबाद।

> टी० गोरखनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाट

दिनांक: 8-7-1986

प्रकृष बार्च . दी . दूस . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासयः, सहायक वायकर वाय्वत (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 जुलाई 1986

सं० के-340/85-86 — अतः मुझे, एच० ग्रार० दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विवित्तमम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार नृक्व ३,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 20 ब्लावः वी मकान नम्बर 7/162 है तथा जो स्वरूप नगर, कानपुर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजीस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय स्वरूप नगर, कानपुर में एजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 23-11-1985

को पूर्वोक्त संम्मति को उचित बाजार मूल्य से कम को स्वयमान प्रितिक स को निए बंतरित की गई है और भूको यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसको स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से स्वित्ति है और सन्तर्भ (जन्तरकों) सोर सन्तरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पासा मया प्रति-स्थ विस्निजित उद्देश्य से उक्त सन्तरण सिकित में बाक्तिक रूप से क्रिथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुइ किसी नाय की बाक्स, खक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के साबित्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बॉर/शा
- (व) एवी किसी बाध या किसी धन वा बन्ध वास्तिवाँ की; विन्ह घारतोग घायकर धींविविवयः, 1922 (1922 का 11) या क्या धांविविवयः, वा धन कर विधित्तिवयः, 1957 (1957 का 27) के प्रवोद्यनार्थ वन्तिरिती द्वाद्य प्रकट नहीं विका गया था या किया जाना चाहिए था, किरान पृथिता ह सिंग् ।

अतः वंद, उक्त विधिनियम की भारा 269-न के बनुसरण भं , मं , उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभास (1) के अधीन , निम्निलिसिस व्यक्तियों , अर्थात् :--

 श्री हरीश भागंव एस-39 पंचशील पार्क विनोद भागंव एवं सुनील भावगं एस-39 पंचशील पार्क न्यू दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती राम दुलारी विधवा रघुनाय प्रसोद अग्नर्याल श्रीमती श्राचर पत्नी बी० के० अग्नवाल विजेन्द्र अग्नवाल मास्टर, हर्ष अग्नवाल मा० श्रादर्श श्रग्नवाल मा० श्रनुज श्रग्नवाल 54/1 नया गंज कानपुर।

(भ्रन्तरिती)

3. ऋतागण

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पति है)

🛂 ऋतागण

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्व है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीब है 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की ताजीत से 30 दिन की अवधि, को भी जबिध बाब में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी कन्य स्थावत द्वारा, क्योहस्ताक्षरी के पास किसित में किए का सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, वो चक्त विभिन्नमा, के वश्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं वृथें होना जो उत्त वश्याय में विकास गुपा है।

अनुसूची

प्लाट नं० 20 ब्लाक बी गुरैया स्कीम VII म० नं० 7/162 स्वरूप नगर कानपुर।

एच० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायु त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-7-1986

प्ररूप आहूँ. दी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन स्चना

भारत सरकार

क्कर्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

यानपुर, दिनांक 9 जुलाई 1986

मं० एम 1087/86-87 -- यतः मुझे, एच० ग्रार० दास, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी संख्या हैं तथा जो बहराहाजीपुर में स्थिन हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से हैं), राजस्ट्रीवर्त्ता ग्रिधकारी के वार्यालय गाजियाबाद में, राजस्ट्री-करण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 23-11-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निजिसित स्व्वदेय से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरभ से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए;

श्रतः श्रवः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण अर्जे, सर्चे, उक्त अधिनियमं की भारा 269-घं की उपभारा (1) के अभोन, निक्नोलिकत अधितरयों. अधीतः क्ष्मांतः श्री कब्ल व खान पुत्र गण श्री केवल नि० बहराहाजीपुर परगनी लौनी, गाजियाबाद।

(ग्रन्तप्क)

2. मे० उत्तरांचल विहार महदारी आवास मिसि ि बहराहाजीपुर, परगना लौनी, गाजियाबाद। (अन्तरिती)

को यह स्वना भारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची -

4 बीघा भूमि ग्राम बहराहाजीपुर जिलागाजियाबाद।

एच० भ्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीख: 9−7−1986

मोहर

प्रकल बाह्र .टी .एन .एक . -----

भारत चरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांदः ९ जुलाई, 1986

सं० एम० 1088/86-87 — श्रतः मुझे, एच० छार० दास,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो ग्राम बहराहाजीपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीदक्ती श्रीधवारी के दार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीदक्षण श्रीधनियम, 1908 (1908 दा 16) के श्रधीन, तारीख 23-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे च्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तःरण सं हुई किसी नाय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय का किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्के अधिनियम या धनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती क्कारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क प्रधील, निम्निलिमित व्यक्तितयों, अर्थात् :--- श्री कबूल व खजान पुत्रगण श्री केवल नि० बहराहाजीपुर परगना लौनी, गाजियाबाद।

(ग्रन्तरक)

2. मैं ० उत्तरांचल बिहार महकारी आवास समिति लि० ग्राम बहराहाजीपुर परगना लीनी, गाजियाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काहें भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति इवाउ।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

लाक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यो

रसवई छैबीघा पन्द्रह्बिस्या बहराहाजीपुर, गाजियाबाद।

एच० श्रार्० दास, सक्षम प्राधिकारी महायवः श्रायकर श्राक्युत, (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, कानपुर

तारीख: 9-7-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

मायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 जुलाई 1986

निदेश सं० एम० 1089/86-87 -- यत: मुझे, एच० श्रार्वदास,

षायक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियंम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन प्रक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 1474, 75, 76, 77, 1491 है तथा जो शिवपुरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, सहारनपुर में, रजिस्ट्रीवरण श्रधिकिश्म, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-11-85

(1908 का 16) के अधान, ताराख 5-11-85 को पूर्व कत संपत्ति के उिषय बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का का एण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिषत बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रक्षिश्च से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से जक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवव रूप से किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (र) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: ४४, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मंं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीर जिम्मिकिकित व्यक्तियों, स्थात :---

के अधीर : निम्लिस्सित व्यक्तियों , कर्थात :----3----216 GI/86 मैं० अणोक बिहार सहदारी खावास समिति लि० द्वारा श्री आर० पी० यादव निवासी जनकपुरी, सहारनपुर।

(ग्रन्तरक)

 श्री परमानन्द पुत्न खोर चन्द्र निवासी गुरूद्वारा रोड, सहारनपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र रूँ प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीक्षर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुभ्ची

खसरा नं० 1474, 1475, 1476, 1477 एवं 1491 णिवपुरी च्वाद, सहारतपुर।

> एच० ग्रार० दास, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 9-7-1986

प्रकृष वार्ष**्टो** , इन , एत_{ा """}"""

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीम सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्ज)

श्रजीन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांवः 18 जुलाई 1986

निदेश सं० राज/सहा० हा० हर्जन/2692 — यतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पटचात् 'उक्त अभिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजोर मुख्य

1.00,000/ - रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी संख्या 251 शास्त्रीनगर है तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्म से विणित है), रिजस्ट्री उत्ती श्रीध ारी के दार्यालय, जाधपुर में, रिजस्ट्री करण श्रीव्यतियम 1908 (1908 ा 16) के श्रीवान, तारीख 15 नवस्बर 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दहरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के निए; बार/या
- (था) एसी किसी बाय या किसी थम या जन्म आस्तिबाँ की, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुरियदा थीं निए:

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गै, गै, रास अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) ने अधीर, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत् :--- श्री िश्मन लाल
 पुत्र श्री सुखराज गोदरा
 श्राई० पी० एस० सवाईमाधोपुर।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती हन्सा देवी
 पत्ती श्री प्रुनम चन्द टाक
 निवासी नीमज जिला भीलवाड़ा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पर्तत के अर्चन के प्रमए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्द सन्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह—

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी वदिन कास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इब ब्रूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीब थें 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्धि किसी बन्ध विक्त व्वारा अभोहस्त्याक्षरी के पांच लिखित में किए वा सकोंगे।

स्वयद्भीकरण:---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, को उच्च जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा , जो उस अध्याय में विचा यदा है।

वम्स्यी

मकान सम्पत्ति प्लाट नं० 251 शास्त्रीनगर जोधपुर में स्थित है जो उपपंजीयक जोधपुर द्वारा श्रमसंख्या 4322 दिनांक 15 नवस्बर 1985 पर पंजीबद्ध विश्रय पत्र में झौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> सुधीर चन्द्रा, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 18-7-1986

प्ररूप गाइ . टी. एन. एस.-----

सामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थाय 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 जुलाई 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस० ग्रार०-3/ 11-85/3--- ग्रतः मुझी, ए० के० मनचन्दा नायकर नौभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चास् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-का को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कप्ररण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याचार मूल्य 1,06,000/- रु. से अधिक **ह**ै क्रीर जिसकी सं० है तथा जो प्लाट नं० 441 ब्लायः ई० बेटर कैलाश पार्ट-2, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रधिकारी का कार्यालय प्रजंत रेंज-7 नई दिल्ली में भारतीय धायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन दिनांदः नवस्बर 1985 पूर्वोक्त संस्पतिः के तिथत बाजार मृत्य ते काम के प्रथमान प्रतिशक्तक के क्षिए अम्बरिट की गई है और मुक्के महा विकरास करने का कारण है कि वधापुर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मुख्य, सम्बद्धं सम्बद्धान प्रक्षिकल से, एसे व्यवसान प्रक्षिपस का पंचाइ प्रतिचात से जिथक है और अंसरक (अंतरकाँ) भीर अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पान गया विविधाल, निम्नलिधित उद्दर्शय से उक्त बम्तरण निधित में

> (क) बन्तरण से हुई किसी जाय भी बाबत उक्त जीवनियम के बंबीन कर दोने खे जन्तरक को दासित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के सिए; और/वा

पास्तविक रूप से कथित न**हीं किया** गया **ह**ै इ——

(स) एसी किसी आय या किसी भन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियत्र, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियत्र, या भन-कर अधिनियत्र, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविष्ण के सिक्ष:

बतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण को, भी, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकारों, वर्धात ४——

- (1) श्री मदन मोहन मुपुत्र खुशी राम। एक बी०/2, टैगोर गार्डन नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) रिव लैंड एवं हाउमिह प्राइवेट निर्मिटेड द्वारा डायरेक्टर एस० के० गुप्ता सुपुत श्वार० बी० गुप्ता जी-3/92, दिपाली नेहर पर्लैम, नई दिल्ली। (श्वन्तरिती)

न्य यह स्थाना आरी करके प्वानित सम्मिति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

क्रक्स सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध म' कों**ड़े भी बाक्षे**प:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 दिन की अवधि या तत्सं वंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राध्यम में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी कुच स्थित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरणः --इसमाँ प्रभूकत सब्बो और उन्हें न्स, जा उन्हें विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यक्ष के दिया यस है [1]

अनुसूची

प्लाट नं० 441, बलाक ई० तादादी 250 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश 2, नई दिल्ली।

> ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिः।री सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~7, नई विल्ली

दिनांक: 14-7-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-7, नई दिल्ली नई टिल्ली, दिनांव 14 जुलाई 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस० ग्रार०-3/ 11-85-5--श्रतः मुझे, ए० के० मनचन्दा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुं. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं है तथा जो ई० 113, ग्रेटर कैलाश-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रीधनियम 1961 के श्रधीन दिनांक नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से ऐसे ख्यमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वंशरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; वरि/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

नतः वन, उन्त निभिन्यम्, की धारा 269-न में बन्तरम् में, में, उन्त अभिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के सधीन, निम्निसिस्ति व्यक्तियों, अधित्:— (1) रतन देवी 29 ट्रांसीट केम्प स्टेट कोर्ट रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) सूरज एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड एम०-102, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना कारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त बम्पत्ति के बर्जन के तंबंध को कोई भी नाक्षेत्र अ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा। गया है।

अनुसुची

ई॰ 113, ग्रेटर नैलाश-1, नई दिल्ली।

ए० के० मनवन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-7, नई दिल्ली

दिनांक: 14-7-1986

प्रकृत बाह् तु हो , एक , एस , -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

नारत तरकार

कार्यासन, सहानक नायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजीन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 जुलाई 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस० ग्रार०-3/11-85/7--ग्रतः मुक्ते, ए० के० मनचन्दा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो एम०-66 ग्रेटर कैलाश पार्ट-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीवर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में श्रायकर श्रिधनियम 1961 के श्रिशन दिनांक नवस्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब पावा गया प्रतिकास, मिम्बिक्टिंग क्यूबेस्स से उसक बन्तरक किश्रिक में वास्त्विक स्थ से क्षेत्रिक नहीं किया गया है —

- (क) नंतरण से हुई किसी भाग की वाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी कढ़ने वा उक्के वचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (श) एसी किसी बाब या किसी बन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, शा ध्व-कर बीधिनयम, शा ध्व-कर बीधिनयम, शा ध्व-कर बीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ बन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था ख्याने में सृतिथा के लिए;

बतः वन, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की अन्तरक में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—- (1) गणपति नाथ भगत एफ० 81 कालका**फी**, नर्षे दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) गरतार सिंह एण्ड अन्य एम०-188 जी० के०-2, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्क सम्पत्ति के वर्षन के सिक् कार्यवाहियां कुक करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध भी काहे भी काह्येप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संवीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वाहर निश्चित में किए जा सकान।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही कर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुस्ची

एम०--66 ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली।

ए० के० मनवन्दा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायक (निरीक्षण)
श्रजीन रेंज -7; नई दिल्ली

दिनांक :-14-7-1986

मोहरः

·_---

प्रकल बाह्री, टी. एन. एस.

गायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सर्काह

कार्यालय, सहायक बावकर बायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 जुलाई 1986

निदेश भ्राई० ए० सी०/एक्य०/७/एस० ग्रार०-3/ 11-85/9--श्रत सृक्षे, ए० के० मनचन्दा **भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** ्(जिसं इस∓ं इरफों परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह पिक्वाय करते **का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका** उजित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है क्रीर जिसकी सं० है तथा जो एम० 4, (मादिट) जी० के 0-1 नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), भ्रायकर अधिकारी के कार्यालय प्रर्जन रेंज-7 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961 के प्रधीन दिनांक नवम्बर 1985 करो पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मुख्य से कम को इरयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करनं का कारण **है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित** बाजार मुल्ब, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का र्वक्र प्रतिकत से अधिक है और जंतरक (बंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गय। प्रतिफल, निम्नसिवित उत्वेष्य से उन्त बन्तर्ण लिखित में शास्त्रविक रूप से कथित वहीं किया पदा है टे----

- (क) बन्धरूप वे हुन्न सिक्षीं शाय की वावता, उनल अधिवियम के नृतीन कर दोने के अन्तर्क के श्रायित्य में खनी खरने या उन्नते क्षाने में सुविधा के निए; श्रीर/या
- (क्ष) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तिया को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाया प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए या छिपान में सुविधा के लिए.

अतः । । । । जन्म जन्म अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, एक्स अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्रोम प्रवाश ग्रीर ग्रन्य 5, बस्ती निजामुद्दीन, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

(2) ग्रस्लर स्टोनी प्राइवेट लिमिटेड एस०~46, ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली।

(ग्रन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

रक्त सम्पत्ति के क्षर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अ्वक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की रारीच से 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पव्यक्तिस्तः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पवों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाविष्ठ हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी नं० एम०→4 (मार्किट) ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली, तदादी 195 वर्ग गज।

> ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--7, न**ई दिल्ली**

दिनांवः . 14-7-1986

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुबना

महित तडकाड

कार्यासन, सहायक नायकर नाम्बत (निहासिन)

ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 जुलाई 1986

निदेश सं प्राई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस० ग्रार०-?/ 11-85/10--- फ्रतः मुझें ए० के० मनचन्दा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमा परचात 'उदल अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अर्थान सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है क्रीर जिसकी सं० है तथा जो प्लाट नं० एस० 329, ग्रेटर कैलाग-2, में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ प्रनुसूची में फ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर ग्रधिकारी के कार्योलय अर्जंन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधि-1961 के ग्रधीन दिनांक नवम्बर 1985 नियम को पर्वोक्त सम्पत्ति के उभित भाषार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिकाल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का बन्बह प्रतिश्वत से विधिक हैं बीर बन्तरक (बन्तरकों) बीर बन्तरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय भाया गया प्रतिफान, निम्नलिखित उत्दोष्य से उत्तर अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या इससे बचने में सूबिधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के सिए;

वितः अग, उक्त विभिनियम की भारा 269-न के अनुसरण गै, मै, रक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) देवधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात ह— (1) विजय सगल नं० 3 प्लैट नं० 7, गुरिंदयो को० भ्राप-रेटिव सोसायटी लिमिटेड प्रभादेवी कते फेस, बस्बई वर्तमान पत्ता 86 जोर बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) हरविन्द्र पाल सिंह बी०-535 नई, फ्रेंड कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कीई भी बाक्षेप 🐆

- (क) इस सूचना के राजपत्र यो प्रकाशन की सारौंस से 4.6. दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिस्था:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टिस हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया हैं।

अनुस्थी

प्लाट नं० एस-329, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।
ए० के० मनचन्दा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

दिनांक: 14-7-1986

वृक्षमः **नाव[®], ट**्रिं **. एन् . एस्** , ==========

मावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकान

फार्वासय, सहावक वायकर वाय्क्त (निर्दाक्तक) धर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस० ग्रार-3/ 11-85/2--ग्रतः मुझे, ए० के० मनचन्दा आयकर धिपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-व के अधीन सक्तम श्राधिकारी को यह विश्वाच करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मुख्य

1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो एस० 75 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रायकर ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रावंन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम

1961 के प्रधीन दिनांक नवम्बर 1985

स्ते पृथां कत सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य ते कन के व्ययमान अतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार पृथ्य, उसके व्यममान प्रतिफाल से, एसे व्ययमान प्रतिफाल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के निए तय पाया त्रया प्रतिफाल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त वन्तरण सिश्चित में बास्त्रिक रूप से किया नहीं किया क्या है है—

- (क) बन्तरण वं हुई किसी शाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे ब्याने में सुविधा के निए; और/शा

- (1) सबरवाल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी एस--75 ग्रेटॅर कैलाश-2, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) पुलीपिट्टा श्रशाहम श्रीर श्रन्य बी०-100 डिफौंस कालोनी, नई विल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के विष् कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में क्येंड् भी आक्षेप :---

(क) इस क्या में रायप्त वो प्रकार की तार्रों से 45 दिन की जबकि वा तत्त्र्यम्ती क्यूनिवृद्धों पर स्वाम की वासीस से 30 दिन की जबकि, वो भी अविध बाद में समान्द होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से दिक्की कानित व्यवार।

्स सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्व्थ किसी मृन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुस्**ची**

तल खंड प्रापर्टी नं॰ एस-75, तादादी 300 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

> ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-7, नई दिल्ली

कतः कव, उक्त वर्षिनियम की भारा 269-ग के वन्तरण के, में, अकत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशीत :---

दिनांक 11-7-1986 मोहर:

एक्ष बार्ड .टी एन .एस . ------

राप्तशाप अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-व (1) के भंधीन स्वना

कारत सरकार

शत्भांत्वक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जान रेंज⊷7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1986

निदेश मं० श्राई० ए० मी० एक्यू०/7/ 11-85/1--शतः मुझे ए० के० मनज़न्दा भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातः 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अभीन राक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० हैं तथा जो प्लाट नं० डी० 157, डिफैंस बालोनी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूकी में पूर्ण रूप से बिलत हैं), श्रायकर श्रांजकारी के बार्यालय अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय श्रायद रश्धि- नियम 1961 के श्रधीन दिनांक नवस्बर 1985।

क्ते प्वेंक्त सम्परित के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रममान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुफ्ते यह विक्वाम करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त संपरित का उचित आजार कृस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रति-कृत, निम्नलिक्ति उद्देशम से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक कृप से कथित नहीं किया नमा है ह——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (स) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा से लिए;

कत्तः. अथ, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) में पर्न मरोजनी क्लाइयर्स डी० 157 डिफींस पालीनी नई दिल्ली।

(शन्तरकः)

(2) निय देवेन्द्रा नाथ विषाठी श्रीर श्रन्य डी०-250 डिफीप जालोनी नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह स्वना वार्री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिख् कार्यवाहियां करता हुई।

.अत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ के इति वाभी की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनाभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (भ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिता बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी भी पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्याट नं० डी -157 डिफैंस पालोनी नई दिल्ली।

ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंग-7, नई दिल्ली

दिनांक : 11-7-1986

प्रकृप आह<u>ै .टी. एन . एवं .</u>; कार्यकारक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन स्पना

शाउत करकार

कार्यांसय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षक)

धर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांः 11 जुलाई 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी \circ /एक्यू \circ /7/एस० श्रार \circ 3/11-85/4--श्रतः मुझे ए० के० मनचन्दा,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इगके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो हाउस नं० एस०-439 ग्रेटर कैलाश-1, में स्थित है (श्रीर इससे उपावदा श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), श्रीयकर श्रीधारी के तार्यालय श्रजन रेंज-7, नई दिल्ली के श्रधीन तारीख नवस्वर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का बारण हैं कि सभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूख, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पल, निम्निलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूए से कथित नहीं किया गया हैं:—

[किंक] अन्तर्ध्य वं हुवं कि सी नाम की बावस , उत्तक वहिंदिक को समित्व वह की क्यों कहते या सस्त्रे बचने में स्विधा के लिए; में क्यों कहते या सस्त्रे बचने में स्विधा के लिए;

(अ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) स्वरा कौर केडी-68-सी० थ्रशो ह बिहार दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) जसगाल सिंह 8, धरंतक स्ट्रीट विकासीला मैनिसन प्लैट नं० 36, कल एता 13। (धन्तरिती)

को यह स्थाना वारी कर्क प्यांक्त सम्मित्त से वर्षन् के विष्य कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के क्षान के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस त्यना के राजपण में प्रकाशन की दारीं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की दानील से 30 दिन की अवधि, जो भी वची वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (स) इस भूषना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी मन्य व्यक्ति ध्वारा, मधोहस्ताकारी के पास लिखित में किसे का सकेंगे।

स्यव्यक्तिस्य:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विधिनियम के कथ्याम 20-क में परिशायित हैं, यही कर्य होगा को उस अध्याय में दिशा गवा है।

्भनुसूची

म्टाबरबैसमेंट श्रीर तल खंड क्षाउम नं० एस-439, ग्रेटर कैलाश-1, भई दिल्ली। नादाकी 231 वर्ग गण।

> ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (पिरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

विनांक: 11-7-1986

प्रारूप काई .टो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज--7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांः 11 जुलाई 1986 निदेण गं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/7/एम० ग्राए०-3/ 11-85/6;-प्रत : म् ए०के० मनचन्दा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर संपितन, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो 199, ब्लाक एस० जि० - के० - 2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रिजट्रीकर्ती अधिकारी के जावित्य श्रजंन रेंज - 7, नई दिल्ली में भारतीय शायकर श्रिवित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रवीन दिनांक नवावर 1985

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का नगरण है कि ग्रथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार नृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिस्तर से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) को भीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियित उद्दृश्य से उक्त अंसरण जिष्टिक में बास्त्विक स्पू से कृथित नृहीं किया गया है इ---

- (क) बन्तरण छेहुइ किसी बाय की बाबत; सकत अधिनियंक के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए? वरि/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अम, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्मलिक्ति व्यक्तियों, अभौत् ६—— (1) चांद कन्सट्रक्णन कंपनी। 1206, सुर्वाकिरण बिल्डिंग कस्तूरबागांधी मार्ग नई दिल्ली।

(अन्तर्यः)

(2) प्रिनियान सैकटरी वार्वी श्रंगलांक जिला वाद्यमिल दिक् असम।

(प्रस्तिर्मा)

को बह स्वमा बारी करके पूर्वोक्स स्म्यित् के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को टार्टीस सं 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वका की तामील से 30 विन की सर्वाध, जो भी सन्धि बाद में समाप्त होती कुरे, के भीतर पूर्वोक्त स्वाध्याँ मो से किसी स्वर्टीका बुदारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताकरी के पास लिक्ति में किए जा सकतेंगे।

स्पव्यक्तिस्यः — इसमें प्रयुक्त कव्यो और पर्षे का, को उक्त किपिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया मुसा है।

शनुसूची

बैसमैंट एंड नल खंड बिल्डिंग नं० 199, बदाब एस० ग्रेटर कौलाश-2, नई दिल्ली 300 वर्ग गज।

> ए० के० मनचन्दा प्राबिदारी सहाजक क्रायकर क्रायुक्त हूँ (निरीक्षण) क्रजीन रेंज−7, नई दिल्ली

दिनोक: 11-7-1986

मोहरा

प्रसूप बाह्र , ट्री, एन , एस , ------

बायकर विभिन्तियम 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंघ-7, नई हिल्ली नई दिल्नी, दिनांक 11 जुलाई 1986

निर्देश सं० धाई० ए० मी०/एक्यू०/ 7/एस० ग्राए०-3/2/ 11-85-86 %तः मुझे ए० के० मनचन्दा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रह. संअधिक है

श्रीर िसकी संब है तथा जो एन० 56 जीं के०-2. नई दिल्ली में ियत है (श्रीर इससे उनाबद्ध अनुसूची में से विणित है), आयकर श्रधि∷ारी के यार्यालय क्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय श्रधिनियम 1908 (1961 रा 16) वे अधीन दिनांवा नवस्बर 1985।

का पूर्विकत सर्पात्त के उचित बाबार मन्य से कम के इस्समान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में प्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी अगय की बाबत, उच्छ अभिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उत्तर्स बचने में सुविधा क्रेनिए: बीर∕या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय जायकर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा 🕏 किए:

मरा: वव, उक्त मधिनियम की धारा 269-न के मनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री भजन सिंह एसo-56, जीo केo-2, नई दिल्ली।
- (2) श्री माति नारायण शत्रवाल एन्ड शत्य 1/20, ईस्ट पटेल नगर नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

अक्त संपत्ति के जर्जन के संबंध में कांद्र भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अथिकातमाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुतारा;
- (व) इस सुचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इयारा अभोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सक गे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उक्त आयकर विधिनियम के अभ्यास 20-क में परिभाषित है, बही वर्थ होगा जो उस वश्याम में दिया वया है।

अनुसूची

प्रथम खंड पलैट (1/3 गोयर) एस-56, नई दिल्ली। ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली।

> ए० के० मन चन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

दिनांक: 11-7-1986

मोहर ।

प्रकप कार्युं, टी. एन. एस., -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यात्त्व, सहायक आयकर नायुक्त (निरक्षिण)

फ्रज़ीन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांज 11 जुलाई 1986

निदेण सं० छाई० ए० सी०/एस्यू०/7/एस० π । 11-85/86—मतः मुझे ए० के० मनचन्दा

बायकर जॉपनियम, 1961 (1961 का 43) (धिसे इसर्जे इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य रा. 1,00,000/- से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो ई०-256 ग्रेटर कैलाग-नं० 1, नई दिल्ली, में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमुनी में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिल्ट्रीयति श्रिध-मारी के जायित्य श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई तु और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्रत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नानिक्त उद्वेश्य से उक्त अंतरण कि सिक्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं भाग की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे वच्ने में सुविधा के लिए? अडि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त आधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थं जन्तिरती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

क्ततः अव, उक्त अभिनियम की भाग 269-म में अनुसरक में, में, उक्त मिथिनियम की भाग 269-म की उपधारा (1) में मधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, सर्थात् स—— (1) श्री महिन्दर सिंह के०-7 पंगाबी बाग, बजार, कोटला, दिल्ली।

(अस्तरकः)

(2) श्री प्रदेणी कन्स्ट्रक्शन एण्ड एण्टेट लिमि०,बी-91 कालकाजी नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पार स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि; जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अपिक्त द्वारा अभोहस्ताकरी के पाच लिक्ति में किए वा सकोंचे।

स्यव्यक्तिरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है ।

ननस्थी

ई-256 ग्रेटर कैलाग-1 नई दिल्ली।

ए० के० मनचन्दा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंग-7, नई दिल्ली

दिनांकः : 11-7-1986

मोहरः

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

इ.जीन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली. दिसाः 1 जुलाई 1986 निर्वेण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार-3/

11-85/328-प्रनः मुझे प्रार० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रहः से अधिक **ह**ै

श्रीर निसकी सं० है तथा जो ए०-9/24, बसंत विहार नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विगत है) रिजस्ट्री तो श्रीधवारी के वार्णालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीविनयम 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन दिनांक नवस्वर

को पूर्विक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाराः (1) के क्शीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री इत्वान सिंह ए-9/24 बसंत विहार नई दिल्ली।

(ग्रन्तरतः)

(2) णरह जय पुरिया श्री सिणिर जयपुरिया सुपूर्त रागाराम जयपुरिया, सिविल लाइंस. कानपुर। (अन्तरिती).

पः यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

ए-9/24 बनंत विहार नई दिल्ली।क्षेत्रफल 1024 वर्गगग। 865 वर्ग मीटर।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुकंन रेंजे--7, नई दिल्ली

दिनांक । 1-7-1986 मोहर । प्ररूप आह. टी. एन. एस . ------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाद्य 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

इ.र्जन रें.-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० राई० ए० सी०/एस्यू०/1/37१६/11-६5/ 2323—-प्रतः मुझे आए० पी० राजेण,

णायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो पर्लंड नं० 1116 38 नेहरू प्लेस में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूकी में श्रीर पूर्ण रूउप से बाणत है), रिजिस्ट्रीयती श्रीयवारी के शार्यारण श्रुजंन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय शास्त्रार शिक्षियम 1908 (1908 या 16) के श्रिधीन दिलांक नवस्वर 1985

की पृथिति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए त्रय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक है से किया गया है:---

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाव की वावत उक्त जिम्मित्य के ज्यीन कर दोने के बन्तरक वे समित्य में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के सिए; वार्द्ध/या
- (क) एसी किसी बार मा किसी भून मां कृत्य कारित्रमाँ का, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, प्रक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमें, अर्थात् :--- (1) यां रा प्रापर्टीक एण्ड इंडिस्ट्रीज प्राइवेट विसिटेड 115, ग्रंसप भवन, 16, कें०, जी० मार्ग नई दिल्ली।

(ग्रन्भर्कः)

(2) मेर्रा सनवंत रानी संधू पत्नी ले० के० प० एम० संघू रिटाउर्ड) सिण्टर नाजू हरमीत सिंह सुधू सुपुत प० ८० बी० एम० संधू मी०/३/६१, गई दिल्ली धनदः पूरी ।

(ग्रन्सिन्ती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिरित के बर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रींव से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकत्ये।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूधी

पनट नं । 1116, 38, नेहरू पलेस नई दिल्ली क्षेत्रफन 598 वर्श फीट।

> श्वार० पी० भोजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 30-6-1986

प्रकप बाइं.टी. एन. एस .-------

कावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यातय, रहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) इ.जीन रोज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 जुन 1986

निदेश सं० आई० ए० सी० /एन्यू०/1/37हह/11-85/ 2364—प्रतः मुझें आर० पी० राजेग

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृज्य 1,00,000/-कः से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो प्लेस नं० 8, 9, 9ए, ब्लाक ई० नेहर प्रलेस में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची श्रौर पूर्ण रुप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीयती श्रीधवारी के यार्यालय शर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय शायवार श्रीधनियम 1908 (1908 वा 16) के श्रीन दिनांक नवस्वर 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कन के उस्तमान बितफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने बृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथ गया गया प्रतिफल, निम्नसिवत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण बिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की, बाबत, उच्चत अभिनियम को अभीन कर दोने को जन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा को जिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अस्य जास्तिकों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या शक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति रती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) नेहरू पलेत होटलस लिमिटेड। इरोस सिनेमा बिल्डिंग जंगपूरा एक्सटेंगन न**र्द्ध**िल्ली।

(ग्रन्तपकः)

(2) कुमारी पारीख स्टील प्रा० लिमिटेड 1501 हेमकुड टावर, 98, नेहरू पलेस नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षोप १---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसस्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पांच सिखित में किए का सकी।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अभिनियम, के सभ्याय 20 क में परिभागित है, सही अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिया प्रयाहै 3

अनुसूची

प्लाप्त नं ० ८, १, १ए, श्रांठवा खंड ज्यान ई० होटल कम काम्पलैक्स नेहरू प्रलेस नई दिल्ली। क्षेत्रफल 1481 वर्ग फट फीट।

> श्चार० पीं० राजेश सक्षम प्राधिकार्र. सहायक क्रायकर क्रायुक्त (निर्दक्षण) क्रर्जन रेंज∼1, नई दिल्ली

सत: अस, उक्त समिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण को, भी, उक्त सभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को सभीग, निम्नियोच्या व्यक्तियों, क्यांठ क्र--

दिनांक्ॄं: 30-€-1986

प्रक्य वार्वं टी. एन्. एत_ा

नावकार मॅमिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

मार्थ गुरुवा।

कार्यातय, सहायक नायकर नायकर (निरीक्रण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1986

निदेश सं० म्राई० ए० सी० एक्यू०/1/37हह/11-85/ 2367—म्प्रत: मुझे आर० पी० राजेश

कंप्रकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिजियम' कहा गया है"), की भाष 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें, यह विश्वास करने का कारून है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाचार मुक्क 1,00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० फ्लैंट नं० 301, 301ए, 303, 304, 305 306, 307, 310, 312, 314, 316, ए, दिविवा टावर 6 नेहरू पलेस में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाध्य श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रायकर श्रिकारी के वार्यालय में शर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम के श्रिधीन 1961 दिनांक नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उच्त अन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी अाय की भावत, उक्त अधितियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (त) एसी किसी जायू या भूत वा जन्म जास्तियों कि (,) जन्हों भारतीय जायूकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ अन्यारती युवारा जकट नहीं किया एवा था वा किया बाता वाहिए वा, कियाने में वृत्यका के हैंसए;

(1) प्रगति हन्सद्रवणन कंपनी देविया टावर चौथा खंड, शीसला हाउस, 73-74, नेहरु पलेस नई दिख्ली।

(ग्रन्तरकः)

(2) चर्च आफ नार्थ इण्डिया ट्रस्ट एसोमिएशन 16, पंडित पंत मार्ग नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 फिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी
 अविध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सर्कींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, को सन्य विधिनियम, के अभ्याम 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ध होगा. को उस अभ्याम में विस्थ क्या किंडि

अनुसूची

फ्लट नं० 301, 301ए, 303, 304, 305, 306, 307, 310, 312, 314 314ए फ्रोर 316,ए देविका टावर 6 नेहरू फ्लेम नई दिल्ली क्षेत्रफल 4000 वर्ग फीट।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग-1, नई दिल्ली

दिनांक : 30-6-1986

प्रकथ आई. हो. एन. एत.----

बायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बिधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्सालक)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1986

निदेश सं० ग्राई० ए०सी०/एक्यु०/1/37 ईई/11-85/2386--प्रतः मुने ग्रार० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं अपेर जिमकी सं० है तथा जो फ्लैट तं० 351, देविका टावर्स 6 नेहर पलेस में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुक्ती में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण भारतीय प्रायकार अधिनियम 1961 के ग्रधीन दिनांक नवम्बर 1985 को पूर्वेक्त सम्बत्ति के जिस्त बाजार मृत्य से कम के इस्प्रमार

करे पूर्वोकत सम्बक्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के इक्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुझे यह विक्वास करने का कारण हैं कि वंशा पूर्वोकत सम्यक्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दरममान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त लिधिनियम के लभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससं दखने में स्विधा के लिए; और/था
- (च) एसी किसी नाय या किसी धन या बन्य जास्सियाँ को, जिन्हें भारसीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी जक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (।) है अधीन, निम्मिनिश्चित व्यक्तियों, वर्षात् ह——

- (1) प्रगति वन्स्ट्रक्शन कंपनी, देविदा टावर, 4वां खंड शीतला हाउस, 73--75 मेहरु प्लेस. नई दिल्ली। (ग्रन्सरक)
 - (2) श्रमीता गुप्ता पत्नी एस० पी० गुप्ता। डब्ल्यू०-49 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना चाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

डमत संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हानेती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी स्थिकत दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्य किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किदित में किए का सकींगे।

स्पक्षीकरण: इसमें प्रयुक्त शन्यों और पक्षों का, जो उत्तर जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया जवा ही।

जन्सू ची

फ्लैंट नं० 331, देविका टावर 6 नेहर फ्लेस, नई डिल्ली। 660 वर्ग फीट।

श्चार० पी० राजेक मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-1 नई दिल्ली

षिनांकः 1-7-1986 मोहर:

अक्न अर्खेख की _व स्व_ी प्रश्न :-----

बाधकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चाडा 269-च (1) के बचीन क्षत्रा

HIST THAT

भागाय. प्रहायक जानकार वायनत (निहासक) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1986

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37इइ/11-85/ 2387----प्रत: मुझे जार० पी० राजेश

बावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके प्रधात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), भी भारा 269-क के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित वाजार मूस्य 1,00000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो फ्लट नं० 335 देखिका टाबर 6 नेहरू पलेस में स्थित है (श्रीर इससे उपाधद धनुसूची श्रीर में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय में भारतीय श्रायकर श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन दिनांक नवस्वर 1985

की पृथेकिक संपरित को उचित बाजार मृत्य से कम के कस्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गर्ह

है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मृत्य, उसके शश्मान प्रतिफल से एसे शश्मान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से मधिक है और बंद-रक (अंतरकों) और मंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंद-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफस, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत बंतरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया पका है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने में वससे बचने में वृत्तिया भे किए; बीर्/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती व्धारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना वाहिए था, जियाने में सुविधा में सिएई;

सतः कतः, उथतः अभिनियमं की थार्थ 269-गं की बन्सरक में, मैं, उक्त अधिनियमं की धार्य 269-घं की उपधारा (1) कं अभीग, निक्तिविद्यां स्थानित्यों, अभीत् क्र—

- प्रगति करण्ट्रकशन कंपनी देखिका द्याबर 4वाँ खड़, शीवला हाउस 73/74, नेहरू पलेस नई दिल्ली। (अन्तरका)
- (2) ऋष्णा खुमारी पत्नी डी० श्वार० गुष्ता डब्ल्यू०— 49, ग्रेटर केलाश—1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करको पूर्वोक्त कम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेष :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीश श्रे 45 विन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, को भी जबधि बाद मों सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में हो किसी स्वक्तियुं ब्वाराः
- (w) इस सूधना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्थळके स्थान स्थान प्रमुख्त कर्नो और पर्वे का, को सक्क विभिन्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विसा नया हैं।

अनुस्पी

फ्लट नहु० 335; देविका टावर, 6, मेहरू फ्लेस नई दिल्ली 2 क्षत्रफल 650 वर्ग फीट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिन[†]वः: 1-7-1986

प्रका बाह्र हो. एव. एव. -----

नामकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकात कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीकाण)

> अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनॉक 1 जुलाई 1986

निदेश मं० गाई० ए० मी/एक्यू०/1/37 इद/11--85/ 2395--अत: मुझे आर० पी० राजेश

शासकर निभिन्तिम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे द्वाने असके प्रकाल 'उनल निभिन्नमं कहा गया हैं), की भारा 269-व से नेभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्याच करने का कारण है कि स्थावद सम्माल, विश्वक ख्यांच स्थावद नृत्वे 1,00,000/- रा. वे निभिन्न हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लट नं० 308 है जो तथा जो देविका टावर 6 नेहरु प्लेम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जायोलय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक नवस्वर 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मुख्य से का के कावाय बिलंक के विषय मंतिरत की नई है जोर मुखे वह विश्वाय कराई का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मुख्य, उसके सम्मान प्रतिपक्ष से, एसे क्रयमान प्रतिपक्ष का पन्त्रह प्रतिपक्ष से अधिक है बार अन्तरक (अन्तरका) बार अंतिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे वन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिपक्ष, निम्निचित्त सम्बद्ध से उक्त बन्तरण निविद्ध में बन्तर करा कि विद्या से सम्मित करा कि विद्या में सम्मित करा कि विद्या में सम्मित करा से किया ने साम है ।

- (भ) न्यारम् ते हुए क्रिकी नाम् भी नाम्कः। त्रम्य भीगीनम् से स्थीन कर रोगे से न्याहरू से राजित्व में क्यी करने ना उत्तर्व नमने में सुनिया से क्षित्र; नीप/या
- (क) ऐसी किसी बाम का किसी थम का कम्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्तारती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, किनाने में बृविधा के सिन्ह;

अतः सम, उम्त मधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उस्त नीधिनियम् की भारा 269-म की उपधारा (1) है मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् :~

- (1) प्रगति जन्स्ट्रमणन कंपनी देशिका टाशर, श्रीया खंड, शीतला हाउस 73-74, नेहरू पलेस, नई दिल्ली। (धन्तरक)
- (2) संगीता गुप्ता, निवासी एम०-29 ग्रेटर कैलाम-1. नई दिल्ली।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां सूच करवा हूं।

बक्त बन्तीत से बर्जन से संबंध में कोई जी बार्शप :---

- (क) इस स्थान के रायपण में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की अमिश ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर त्यमा की तामीय से 30 दिन की जनिथ, यो भी अविथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इंद बूचना के प्रवचन में प्रकावन की तारीव के 45 दिन के भीवर अन्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बच्च किसी जन्म व्यक्ति व्यारा, भूभोहस्ताक्षरी के पाई तिवित में किए वा स्थान।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अभिनियम, के अध्वाय 20-क के परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय के दिखा सवा ही।

अनुसूची /

फ्लैंट नं० 308, देविका टावर, नेहरू फ्लेस, नई दिल्ली । क्षेत्रफल 660 वर्ग फीट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनोक: 1-7-1986

प्रकप बाइं.टी.एन.इस.----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26% घ (1) के अधीर स्टना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्पु०/1/37 इइ/11-85/ 2412---श्रत: मुझे श्रार० पी० राजेश

कायकर विधिनयक, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त विधिनयक' कहा गया है"), की भाषा 269-ख के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारभ है कि स्थावर सन्धित, विसका उचित वाकार गुक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० नं० 511, 58 नेहरु पलेस में शिथन है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिअस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के ार्यालय ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनयम 1908 (1908 हा 16), के ग्रिधीन दिनांक नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित वाचार मृख्य से कम के ख्याबाव प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मन्ने यह विक्वास

मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्क्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा पितफ क, निम्नीलिशत सबूद स्य से उक्त अन्तरण विविद्य में शस्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) सम्तरण से हुइ किसी नाम की वावत, क्षणा विश्विषय के नशीप कर दोने से क्षण्टरण की व्यक्तिया से कभी क्षणा या उचने वचने में सुविधा के किए; स्रोप/मा
- (व) एंसी किसी बाव या किसी धन या जन्म आस्तिकों को, जिन्हें आरखीन अपन-कर जर्जिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनका अधिनियम, का धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हुनारा प्रकट कही किया क्या वा वा का किया जावा चाहिए वा, कियाने के स्विका के विकरः

कतः अच, उक्त अधिनियम की बारा 269-न के अनुसरम 4, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) म्रांसल प्रोपर्टीज एण्ड इंडस्ट्रीज प्रा० लिमिटेड । 115 म्रांसल भवन 16 के० जी० मार्ग नई दिल्ली (म्रन्तरक)
- (2) हैडलेड ान्स्ट्रकशन लिमिटेड द्वारा जी० राय एण्ड कंपनी 29ए/ग्रासफ ग्रली रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त श्रम्भारा के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां करका हूं।

क्षक सम्पत्ति के अर्थन को संबंध में कोई भी वास्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलट नं • 511, 38, नेहरू पलेस, नई दिल्ली क्षेत्रफल 610 वर्ग फीट।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 1-7-1986

मोहर

त्रक्ष् वार्डं .टी .एन ., एव . ------

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) वो जभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त .(निरीक्षण)
अर्जान रेंज→1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांकः 1 जुलाई 1986

निदेश सं आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37 इह/11-85/ 2 417---अत:मुझ श्रार० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा २69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

भीर जिसकीसं है तथा जो पर्जेट तं० 512 38, नेहरू पलेस में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुकी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्री ति श्रीय शायति के कार्यालय श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायत श्रिक्षित नवम्बर 1908 (1908 की 16) के श्रिधीन दिनांक नवम्बर 1985

को प्वांक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के क्यमान प्रतिफर, क लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया। प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गवा है 5—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नानत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के शियत्क में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्मसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रंसल प्रापर्टीज एण्ड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, 115, श्रंसल भवन, 16, कें जी मार्ग नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) हैड लेड कन्स्ट्रक्शन लिमिटड द्वारा जी० राय एण्ड कंपनी 29ए/1, श्रासफ ग्रली रोड, नई दिल्ली ।

(ग्रन्सरिती)

को यह स्वना **धारी करके पूर्वोक्स** सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता। हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों वर स्थान की तामील से 30 दिन की सबिध, को और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्थव्यक्तिरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जरे जस अध्याय में दिया गया है।

वय संची

फ्लैंट नं० 512, नेहरू फ्लेस नई दिल्ली। क्षेत्रफल 605 वर्ग फीट।

> ग्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आ**युक्त (मिरीक्षण)** अर्जन रेंज-1, न**ई दिल्ली**

दिनांक: 1-7-1986

मोहर

शक्य बाहु" ही. प्रमूत प्रस्त = -- +

भायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिमांक 15 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/37 इड/11-75/ 1--अत मुझे अणोक ककर

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो फ्लैट नं० 605 6वां खण्ड 2 तिलक मार्ग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजम रेंड-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीम दिनांक मवस्बर 1985

को पूर्वेदित सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वेदित सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य उसके द्रियमान प्रतिफल से एमे द्रियमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिक का तिमालिक उद्वेदिय से उसत कन्तरण निचित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गवा है हिला

- (क) क्लाइक से हुन्दे किसी बाय की बायर जनता सर्पि नियम के क्थीन कर दोने के बन्दारक के दायिस्त से कासी कारने या उससे बचने में सुविधा के सिए: व्यक्तिया
- (व) ऐसी किसी बाब या किसी भन या बन्य आस्तियों कां, जिम्हें भारतीय भावकर निर्धानयन, 1922 (1922 का 11) वा उनके विधिनयन, वा सून्य कार अधिनयन, वा सून्य कार अधिनयन, वा सून्य कार अधिनयन, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया कारा वाहिए था, कियाने में अधिकार के विधाः

अल अप उपत विधिनियम की बादा 269-म की व्यवस्था में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात क

(1) रिवन्द्रा प्रीपर्टीज प्राहवेट सिमिटेड 2 तिलक मार्ग, मई दिल्लो।

(अन्तरक)

(2) अशोक थापर सुपुत्र पी० एन० थापर पी०-10, होज खाम, नई दिल्ली।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी कारके पूजीकत ग्रम्मीत्स की कर्णल की लिए कार्यनाष्ट्रियों करता हों।

उन्द सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र सें प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की जविध, वो भी अवृधि वाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवसा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख का 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपितः में हित-व्यवध किसी बन्ध व्यक्ति प्रवास, अधोइस्ताक्षरी के पाला निविक्त में किए जा सकते।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिः गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 605 तदादी 1500 वर्ग फीट 6वां खेड ग्रुप हाउसिंग काम्पर्लेक्स 2 तिलंक मार्ग मई दिस्ली लीज होस्ड 1 अडर कस्स्ट्रमशन।

> अशोक कवकर. सक्षम प्राधिका महायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) नई अजम रेंज-2, दिल्ली

दिमांक: 15-7-1988

मोहर ;

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जंम रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1976

निदेश सं० आई० ए० सी2/एक्यु/2/37 इइ/11-75/

2---अतः मुझे अशोक कक्कर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ष्रौथ जिसकी सं है तथा जो फ्लैंट नं 510 5वां खण्ड फ्लैंट नं 510 5वां खण्ड हाउसिंग काम्पलैक्स में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बीणा है एजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में एजिस्ट्रीकरण भारतीय अधकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवम्बर 1965

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमार प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविद्य रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या वन अद आधिनियम, या वन अद आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) জুল্লান তিন্দালি বিশ্ব অফিন্মী: अर्थात् :---- (1) रिवन्द्रा प्रोपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) सत्या प्रकाण सरला प्रकाश ए-3, बाउन्ड्री रोड, नीजार ए बेनीम सीटी पी० श्रो० बाक्स-898 नाडजिरोया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की ताराच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पात लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याक 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

प्लैट नं० 501, तदादी 1500 वर्ग फीट 5वां खण्ड ग्रुप हाअसिंग काम्पलैक्स लोज होस्ड 1 अंडर कन्स्ट्रवशन।

> अशोक कक्कर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 15-7-1986

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जुलाई 1986

निवेण सं अर्ह ए ए मी ज्या मिस्यू । 1/37 इह | 11-75 | 3--अत: मझे अशोक का कर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सञ्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

प्रांग जिसकी सं० है तथा जो फ्लैट नं० 303, तीमण खण्ड प्रुप हाउभिग सोसायटी काम्प्रलेक्स 2 तिलक मार्ग में स्थित है और इसने प्रशाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणित है), प्रजिल्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय अर्जन रेज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिभयम 1961 के प्रधीन दिनांक नवम्बर 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दरकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित कावार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान फ्रतिफल के गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रया गोतफल निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त बंतरण सिक्ति में गम्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अध्यारण से हुई भिन्दी गाय की गायत , उनेत अभिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अपन वा किसी धन या वस्य जास्तियों जारे, जिन्हों भारतीय जाय-कार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कार विधिनियम, या धन-कार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) भी प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में मृतिधा प्रकार के लिए,

कतः प्रथः, उक्त अधिनियम की धारा 269-व **च वन्दर्य** वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---- (1) रिवन्द्रा प्रोपर्टीज प्राइबेट लिमिटेड 2 विलक मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) ज्योति ट्रेबल्स प्रा० लिमि० द्वारा बी० आर० कपूर एण्ड कम्पनी ६ तिलक मार्ग, भई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हुं।

जक्य सम्परित को कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🐃

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए वा सकने।

स्पक्तकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतां का आं उपस विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया हो।

अन्स्ची

फ्लैट नं० 306 तदादी वर्ग फीट तीसरा खुण्ड गुप हाउमिंग काम्पलेश्म लीज होल्ड 1 अडर कल्प्ट्रक्शन।

> अणोक कक्कर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) ंअर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक :~18~7-ए1986

प्रकृष बार्च . टी . एम . एस . -----

भावकर गौधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के संधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंप-2, ५६ दिल्ली

भई दिल्ली, दिशांक 15 जुलाई 1986

निदेश मं० आई० ए० सी०/एनय्०/1/37 इड/11-85/ 4—अप: मुझे अशोक जनहर

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परवात् 'उदत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम शाधिकारी की वह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृत्य 1,00,000/रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसका सं० है गथा जो फ्लैंट नं० 110, प्रथम"
ग्रुप हाउसिग कार्यलेक्स 2 तिलक मार्ग में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप स विणत है), राजिल्ड्रांकर्ता अधिकारों के बार्यालय अर्जन रेज-2, नर्ध दिस्ती में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक नवस्वर 1985

का पूर्वोक्स संप्रितः कं उचित भाषार मून्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्स, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एमें द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (जंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए त्य पाया गया करिन् फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुद्ध किसी साय का वाबस, उस्त शींभानिस्य के अभीन कार वाने के अन्तरक थ दासित्य से कामी कारने या उत्तरों वजने में भृत्यिका के लिए; को क्रिका
- (क) पृष्टि किसी बाब मा किसी धन भा भन्य भारितया को, जिल्हें भारतीय आव-कर स्थिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनों में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूमरण मं, में, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की नण्यारा (1) के बाधीन जिल्लामिका प्रामितकों, अधीत (1) रिवन्द्रा प्रापर्टीज प्राइवेट लिग्निटेड 2 तिलक मार्ग मई दिल्ली।

(अन्तरक्)

(2) श्री मोहिनी बहल प्रापर्टी प्राइवेट लिमिटेड बी-36, ग्रेटर कैलाई-1, भई दिल्ली। (अन्सिप्ती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए अस्पन्निहमां करता हु ।

उक्त सम्बक्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी वासेप :----

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीश स्म 45 दिन की वविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पा सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, खो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर क्षित्रयों में से किसी व्यक्तिय स्वाप्त
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन को तारीख सं 4.5 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्परित मो हिसबह्य किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्थानिकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्धों और पणों का, जो समझ इद्विप्रयुक्त से स्थान 20-क में परिकारिक इ₀₂ नहीं वर्ष क्षेत्रा को उस अध्यास में विका नवा है।

श्चनुसूची

पलैट नं० 110, नदादी वर्ग फीट प्रथम खन्ड। ग्रेु ग्रुप हार्डीसग काम्पलैक्स लीज होल्ड 1 अडर कल्स्ट्रमणन

> अणोग कदकर सक्षम प्राधकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 15-7-1986

प्रकार नार्या है है । सुर्व सुर्व हुन्य ।

भागकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन बुजना

बाइम सङ्ख्या

कार्यास्य, सहायक वाष्णाः वाष्णाः (विरीक्ण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिलांक 15 जुलाई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 इइ/11-75/ 5-अत: मुझें अमोक कक्कर

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व द्यानें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं है तथा जो फ्लैट नं सी 7वां खंड सागर अपाटमेंट 6 तिलक मार्ग धंई दिस्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) आयकर प्रधिकारी के कार्यालय प्रजेंन रेंज-2, नई दिस्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961) के अधीन दिनांक नवम्बर 1985 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मुक्त से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंडह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) क्लारण से हुई किसी बास की वावत, सकत मिनियम के बचीन कर दोने के बन्तरक के दासित्य में कमी करने या उदाये वचने में सुविधा के बिक्; मौड/या
- (अ) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नतक नन, उक्त कीशीनयन की भारा 269-ण की जनसरक में, मैं, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ण की उन्धारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात ॥——

(1) अजय कुमार गुण्ता 5257, कोल्हापुर हाउस, सब्जी मण्डी, दिल्ली।

(अन्तर्क)

(2) श्री बी पी० इसपूरी एण्ड श्रीमती सरिता पुरी 22-डी० भिजामुद्दील, ईस्ट लई दिल्ली। (अन्तरिती)

की वह बुधना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उनत रूमिति के वर्षन के सम्बन्ध के कोई भी वाक्षेष्:--

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकासन की तार्यक से 45 दिल की समृद्धि का तत्स्वस्त्रणी व्यक्तियाँ एव स्थान की तानीत से 30 दिन की नविभा, को भी संदर्भि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रजॉक्ट व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के मीतर उनत स्थानर सम्मत्ति में हितवकुथ दिक्ती बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताकरी में पास निवन में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलट नं०सी० 7वां खंड सागर अपार्टमेंट 6 तिलक मार्ग नई दिल्ली 1 1700 वर्ग फीट।

> अणोक कक्कर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 15-8-1976

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एश. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारह 269 घ (1) के अधीन स्चना

गाउत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 जुलाई 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37 इड/11-75/ 1--अत मुझे अशोक कक्कर

बायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'क हा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्मीर जिसक सं० है तथा जो बा०-19 महारानी बाग नर्ष्ट दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुवी में श्रीर पूर्ण रुप से वणित है), रजिस्ट्रांकर्ता अधिकार्र, के कार्यालय अजन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधि-नियम का 1916) के अधान दिलांक नवम्बर 1975

को पूर्वोशत संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृस्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिम्नत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निखित भें पास्तिमक रूप से किनत नहीं किया गया है है—

- (क) कन्तरण सं हुइं किसी भाग की बाबरा, उपर मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायरव में कमी करने या उससे ६ अने में सर्विधा के हैलए; बीर/मा
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी भन मा जन्म आहितयों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए:

नतः नव, उक्त किथिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण भं, में उक्त किथिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) क अधीन, निस्तिनियत व्यक्तियों, अधित :--- (1) अशोक चटर्जी बी-19, महारानी बाग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(1) मेसर्स ज्योत्हना सूरी 1-डी०, सागर अपाटमेंट 6 तिल'क मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सम्मना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए मार्यवाहिर 'करता हूं।

रक अम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की समित्र या तत्संबंधी क्यक्तियों पर स्वना को तामील से 30 दिन की अविधि, बो भी समित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के शामपण में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नग्रुची

बी-19, महारानी बाग, नई दिल्ली 800 वर्गगण। लोज होल्ड।

> अशोक क्वकर सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 15-8-1986

प्ररूप वार्ड .टी .एन .एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रांग, दिनांफ 2 जुलाई 1986

निदेश सं० 1/तवम्बर /1985—अतः मुझे आर० जानक्रिसम्बर

कायकर मोधनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत मीधनियम' कहा गया हैं), की कारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोप जिनकी सं० आर० एस० सं० 381/3, स्रौप 380/2, है जो पुतमहली हैई रोड, मद्रास में स्थित है (स्रौप इससे उनाबद्ध अनुसूची में फ्रौप पूर्ण रूप से विणित है), रिजिल्झीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में दिनाक नवम्बर पेरियमेट प्दम० सं० 1329/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1907 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9~11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्निसिशत उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्त्रीवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तिकों कि जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के सिए;

कताः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरक् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तिओं, अधीत् :--- (1) सैयद मोहम्मद इस्मानो फटोमा सूल्लान साहिबा शरटा भान् बेहम।

(अन्तरक)

(2) श्रो सैयद मेदर इस्मानी ग्रार सैयद अलि उस्पानी एम० वि० जयरामन ग्रीर 3 अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पर की त्नमील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास किबित में किए जा सकोंगे।

त्पच्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नपुष्यी

भूमि=आर० एस० सं० 381/3, घौर 380/2, पूनामल्ली हैंड रोड मद्रास

> आर० जानकिरामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 2-7-1986

प्रकृत बाइ .टी.एन एउ.

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास 3 जुलाई 1986

निदेण सं० 2/नवम्बर/1985——अतः मुझे आर० जानकिरामन

बायकर अधिनियम, 1961 (196 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क क अभीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विक्शास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिल नाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिमकी सं० डोर सं० दाण्डवा मूर्ति चेट्टी स्ट्रीट 13 है जो मद्राम में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद अनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अधिकारी के कार्यालय अधिकारी के कार्यालय रायपुरम, दिस० सं० में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक नवम्बर 1900

को पूर्वोक्स सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के ल्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निक्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मित्त का उचित बम्बार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिकल से, एसे द्वयमान प्रतिकल के पल्दह प्रतिकात से क्षिक है जौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितियात उद्वयस्य से अन्तर अन्तर्क जिल्ल में वास्तिकल कम से क्षिण नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरक से हुई किसी बाय की बावत सकत बहुन-नियम को अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करके या उससे बचने में सविभा के लिए; श्रीह्न/वा
- (क) एेसी किसी जान या जिसी जन या जन्म आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) जा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

जतः जर, सक्त जीधनियम की धारा 269-न में अनुसर्थ में, में, सक्त जीधनियम की धारा 269-च की प्रप्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) यशवंत शाह श्रौर राजेश शाह अच्चम्मा उसम ऊसन श्रौर टेहा दामन

(अन्तरक)

(2) सर्दन पेट्टी केमिकल इन्डस्ट्रिज कारपोरेणन लिमि० (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्वा के राजपन में प्रकाशन की तारींच से 4.5 दिन की अवधि या तरतम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृज्ञिक व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति वृज्ञान,
- (स) इस गुमना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुत किसी सन्य व्यक्ति इसारा अभोहस्ताकारी के पास जिस्ति में किए जा सकता।

न्वच्दीकरणः ---- इसमे प्रमुक्त सम्बंधीर पर्योका, वा सक्त अभिनवम् के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया ही।

अमृस्ची

भूमि श्रौर मकान डोर सं० 4 दाण्डवा मूर्ति चट्टी स्ट्रीट मद्राम-13।

> आर० जानिकरामन ' सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 3-7-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री के० मृत्तु सामि।

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना (2) के० वि० लक्ष्मणन।

(भ्रन्तरिती)

शारत राज्यर

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राम, दिनांक 8 जुलाई 1986

निदेश सं० 3/नवम्बर /1985---ग्रतः मुझे,

श्रारं जानिकासन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजांग मृल्य

1,00,000/- फ. से **विधक है**

श्रीर जिसकी सं श्रार. एस० सं 5, 228/5, 230/1, 231/1 231/2, 231/4, श्रीर 231/5, है जो कीनरिपट्टी श्रीर कावेरीपट्टी श्रग्नहारम गांव सेलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एडपाडी दस० सं 1081/85 में भारतीय रजिस्ट्रीवरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 25-11-1985

को ध्वेंक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमाम अतिक स के लिए बंतरित की गई है जौर मृझे यह विकास करने का कारण है कि वचाप्रोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृस्य, उत्तके दश्यमान प्रतिफल का पल्दह अतिक त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पामा गया प्रतिकस, निम्निसित्त उक्वेंच्यों से उच्य अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ए—

- (क) कम्ब्रुड्य से हुई किसी बाय की वायक, उक्त ग्राधिनिश्च को अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व ग्रांकशी करने या उससे अवने भी स्विधा के लिए: और/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों करी, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में संविधा के दि/ए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपृत्ति को अर्थन को संबंध में काहर भी बाक्षेप :---

- (6) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्यत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरा के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस उध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुषि भिम श्रीर फार्म घर श्रार० एस० सं० 3, 5, 228/5, 230/1, 231/1, 231/2, 231/4, श्रीर 231/5. कोरनटी श्रीर कावेरीपट्टी श्रग्रहारम गांव सूंकरी सासुक सेलम जिला।

ग्रार० जानविद्यामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-1, मद्रास-6

दिनांक: 8-7-1986

प्ररूप आई.टी.एव.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1986

निदेश सं० 1/नवम्बर/1985—ऋतः मुझे ग्रार० भानकिरामन

मायकर विधिवयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिवयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाबार मृहूरू 1,00,000/- रु से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० नंबम्बाक्यमं श्रार० एस० सं० 43/4 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुकी में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिध्यारी के कार्यालय थीसन्डलठस् में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक नयम्बर 1985 । को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बौर मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वेक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) जौर जन्तरिती (जन्तरितियीं) के बीच एसे जन्तरण के निए तम नामा नया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त जन्तरण जिल्लिक से वास्थित कर से वास्थित कर

- (क) बन्तरफ ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी आब ये। किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया येथा था या किया शाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिह;

कतः अव, उक्त अभिनियम की भाग 269-य को अनुसरण को, भी, इक्त अभिनियम की भाग 269-य की उपभाग (1) हे प्रभीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थाह् ह--- (1) श्री एम० महस्मद फरुइः।

(भ्रन्तरकः)

(2) के॰ एस॰ अब्दूल जबार और अन्यों। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों मा स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यादा, वधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमं प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उनत र अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

पताट श्रार० एस० सं० 43/4 ग्रीम्म रोड, मद्रास थौसन्डलठस् लेख सं० 550/85

ग्रार० जानिकरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-1, मद्राम

दिनांक -9-7-1986 मोहर

प्रस्प कार्य _ज टर्न_य पुत्र _{अस्तरण}

बावकार सभिनियस , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) से सभीन सूत्रना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायक र नायुक्त (निर्द्धीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1986

निदेश सं० 3/नवम्बर/1985—ग्रतः मुझें ग्रार० जानकिरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृज्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी 25 10वाँ श्रिवन्य श्रमोक नगर मद्रास 88

स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से
विणित है), रिजस्ट्रीयती श्रिवकारी के कार्यालय कोडम्बाक्यम्
लेख संव 3546/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम
1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मृत्य से कम के ध्रवमाम्
श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृश्वे यह विषवास्
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का
प्रमुख, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का
प्रमुख प्रतिकृत से विभक्त हैं और बंतरक (बंतरकाँ) और वंतरितीं
(अन्तरितिकाँ) के बीच एसे बन्तारण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल , निम्नाँसिक्त उद्घरेस से उद्युव अन्तर्ण किसित

- (फ)) ब्निद्धाल से हुइ किसी बाय की बाबत, उन्तर विभिनियम में अधीव काह दोने में बन्तरक में बुद्धित में कुमी बद्धने वा ब्लब्से बुद्धने में सुविधा के लिए; बॉट/या
- (ण) एसं किसी बाय या किसी भन वा बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भग-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया या या किया जाना शाहिए था, स्थिपने में सुविधा वी लिएव

(1) ग्रार० राजरत्नम।

(ग्रन्तरक)

(2) डा॰ म्रार॰ एस॰ राजावेंकटक्रष्णन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुए।

उक्त सम्मति। के मुर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रमु सूचना की तासीस से 30 दिन की अविध, जो भी सबिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रनिवस व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावृर सम्पत्ति में हित व्यक्त स्थावृर सम्पत्ति में हित व्यक्ति स्थावृर सम्पत्ति में हित व्यक्ति स्थावृर सम्पत्ति में सिंहित स्थावृर सम्पत्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

<u>जन्दल</u>

भूमि ग्रौर मकान 25 10वाँ,, ग्रविन्य ग्रशोक नगर, मद्रास-88 कोडम्बाक्कम् लेख सं० 3546/85

> श्रार० जानिकरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 10-7-1980

प्रकल कराई. की. एस. एस. --------

बादकर बर्डिभीनयम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बभीन सूचना

हारत तरकार

कार्यासन, सहायक गायकर नायुक्त (टिनरॉक्सन)

मर्जन **रेज-2, मद्रा**स

मद्रास, दिनांक 10 जलाई 1986

निदेश सं० 6/नवम्बर/1985—मत मुझे मार० जानकिरामन

नायकर निधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके परचात् 'उक्त निधित्तियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नधीत सक्षम प्राधिकारी को यह निध्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/~ रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 9/417/3सी० ए०, 25 सेन्ठ्स है जो भूमि भीर मकान में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कोयम्बर्गूर लेख सं० 4955/85 के भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 1908 का 16) के ग्रिधीन विनांक नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के बह्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गईं जौर मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार कस्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिशत से अधिक है जौर अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बागा गया प्रतिफल, निम्नाँसाँखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तीयक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण वे हुइ किसी जान की बाबस , उनस भहिंगीनयम के अभीन कर दोने में अन्तरण में कवित्य में कभी करने वा उत्तर्त नमने में सुनिया के किए; और/मा
- (च) एसी किसी नाय वा किसी यन या नन्त नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निर्मानयम, 1922 (1922 का 11) या उसते निर्मानयम, या भन-कर निर्मानयम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ नन्तरिती इनारा प्रकट नहीं किया रवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात ;—— (1) श्री चित्रहामि।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भार० भ्रलगन्द्रन श्रीर 7 भ्रन्यों। (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

उक्त तुम्पीत के ज़र्बन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राज्यन में नकाशन की तारीं के 45 दिन की जबिश या तस्संबंधी व्यक्तियाँ पह स्वना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रावार;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकोंने।

स्पन्नीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भि भीर मकान टी० एस० सं० 9-417/3सी 6 ए,-25 सेन्ठ्स् कोयम्बत्तर-कोयम्बत्तूर लेख सं० 4955/ 85

> ग्रार० जानकिरामन सक्षम प्राधिकारी सह⊔यक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) फ्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 10-7-1986

प्रकृत सामु ृद्ध<u>ी पुण पुण्य स्थान</u>

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना भारत सरकार कार्याक्य, सहायक आयकर जायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जान रेंज-2, मद्रा**स**

मद्रास, दिनांक 10 जला**ई** 1986

निर्वेश सं 10/नयम्बर 85-86—— अतः मुझे, आर० जानकीरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

और जिसकी हैं 30, जी० एन० चेट्टी रोड, टी० नगर,
मद्रास-17 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर
पूर्ण रुप से विणिस हैं), रिजस्ट्रीयर्ता श्रविकारी के कार्यालय
मद्रास सेन्ट्रल लेखा सं. 1142/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण
श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक
नवम्बर 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, ऐसे एरयमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थाता :--- (1) श्री ग्रार० लोकप्रिया।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रमरचन्द कोतारी भौर 3 श्रन्यों। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में की में भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्वितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्परित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भिम श्रीर मकान पूराना सं० 72 ए० न्यू सं० 30 और एन० चेट्टी रोड, मद्रास 17/मद्रास सेन्ट्रल/लेख सं० 1124/85।

श्रार० जानिक्यामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रामकार शायूक्त (किरीक्षण) श्रर्जन रेंज∼2, मद्रास

दिनांक : 10--7-1986

प्ररूप आहें ही एन एस , ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासम, सहायक आवकर आयुक्त (मिर्रीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 9 जुलाई 1986

निदेश सं० 11/नवम्बर/1985—ग्रतः मुझे ग्रार० जानकरामन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुन्ध 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बलाक सं० 16 टी० एस० सं० 44-बी० 45, 46, हिस्सा एक्स 48/ए, अडरयार मद्रास में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय श्रडयार लेख सं० 3044 3047/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 1908 का 16) के श्रीन दिनांक नवम्बर 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल को पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया बिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाले में सुविधा के लिए;

श्रातक जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण बी, बी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) वी अधीन, निम्नलिवित व्यक्तिक्रिं स्थित ड——

- (1) श्री एम० एन० के० भ्रष्पा राव। (अल्तरक)
- (2) ए० ए० को० ब० मलटी वेलफयर सोसायटी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जुन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष हैं कसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों और क्दों कर, जो उकत अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि मकान सं० 16 टी० 44/2 45 46, हिस्सा 48 ए० ऋड्यार मदास ऋड्यार लेख सं० 3045 से 3047 तक $_185$

ग्रार० जानकिरामन ्री सक्षम गाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−1, मद्रास

दिनांक: 9-7-1986

मोहरः

श्रुव्य बाहु[®]् द_ि प्रम_ः प्रकृत :---

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भा<u>रा</u> 269-थ (1) के वृथीन सूत्रना

alta andiz

कार्याजन, सहायक भारकार नामुक्त (विरोधिक)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 10 जलाई 1986

निदेश सं० 12/नवम्बर/1985.

अतः मुझे, ग्रार० जानिकरामन

नायकर निधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इस्नें इसके पहचात् 'उक्स अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मूक्य 1,00,000/- रहा की अधिक ही

भौर जिसकी सं० 4 मूबरधन स्ट्रीट टी० नगर, है जो मब्रास 17 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयर्ता श्रिधकारी के कार्यालय टी० नगर लेखा सं० 1321/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवस्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्ययमार प्रतिकत के लिए मंतरित की गई है और मुक्ते यह निकास करने का कारण है कि ग्थापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके ध्ययमान प्रतिफल से, एसे ध्ययमान प्रतिकतः का पन्द्रह प्रतिकत्त से बिधक है बीर बन्तर्क (अन्तर्को) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे धन्तर्क से निए त्य पाया ब्या प्रतिकत्त्र, निक्त्सिक्त स्वयं क्षिक नहीं किया वया है किन्न

- ्रिक्शे अन्तर्क्षक हो होएं किसी जाय की वास्त्र ता करवा अभिरिक्षक भी ज्योग कर वाने के वन्तरक के स्तिरक में सभी करने या उससे वृत्तने में पंत्रिभा के तिए; अक्टि/या
- शिष्टी किसी लाव या किसी पृत्त या जुन्क वास्तिकों का जिल्हों आर्तीय नाय-काड वाधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत निधित्यम, या धनु-कृत वाधितियम, 1957 (1957, का 27) वो प्रवोजनार्थ कृत्तिरती कृताय प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना आहिए था, किनाने में सुनिधा के सिक्ष

सक्षत सक्ता सक्ता सक्त विभिन्नमं काँ पास 269-प से बन्तरक कों में सि स्थल विभिन्नय की पारा 269-च की उपभास (1) से समीन्य निकासिस व्यक्तिकों स्थलित कर्मात्र कल्ल

- (1) ए० वी० पद्मनाभन ग्रीर ग्रन्यों
 - (ग्रन्तरक)
- (2) पोक्षम्माल पंयापकेशन।

(भ्रन्सरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां बुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाओप ह-

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिस की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकावन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति इवास नभाहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए वा सकोंगे।

स्वक्यांकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, वो उक्स अभिनेत्रम के अध्याद 20-क में परिभावित हूँ, नहीं वर्ष होगा को उस अध्याद में दिया स्वा है।

अनुसूची

भूमि और मकान 4 सूधरधन स्ट्रीट टी० नगर, गद्रास-17 .टी० नगर/वेख सं. 1321/85

> श्चार० जा किरामन सक्षम गाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांवः: 10-7-1986

मुक्त्यू नार्ं छ टी प्रस् ्र स्त

नागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की कार्र 269-च (1) ची वधीन स्चान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1986 निदेश सं० 2/नवम्बर/1985—अतःमुझे

ग्रार० जानकिशामन

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त की विभिन्न कहा गया हैं), की पारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव टांक बंड रोड, नुगम्बाक्यम, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)रिजस्ट्रींकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय पौसन्डलेंड्स लेख संव 5616/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर 1985

को प्रोंचत तंपरित के उचित बाबाह बृश्य से क्रम के दश्यमाय प्रतिफल को सिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रोंचत सस्मिति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे अन्यसाम प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच एसे अन्तरण के निए तय बाबा प्रतिकल मैं अन्तरण के निए तय बाबा प्रतिकल मिक्कि वास्तिक क्या के क्या कार्यक मिकित के वास्तिक क्या कार्यक मिकित के वास्तिक क्या कार्यक मिकित के वास्तिक क्या के क्या कार्यक का

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क विभिनियम को सभीन कर बोने को अन्तरक के वादित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिक्ष; गाँद/वा
- (क) एसी किसी नाव ना किसी धन था बन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत जुधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिसी ब्वास प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने से स्वित्य के जिल्हा

खतः अव, उक्त विधिनयम की भारा 269-ग की वनुसरक की, मी, उक्त विधिनयम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन ु निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री फकीर मृहम्मद ग्रली ग्रीर श्रीमती फरीवा। (अन्तरक)
- (2) श्री बी॰ गोविन्द राजुल बै॰ एजन्ट श्रीमती वेण्मति गोविन्द राजुल।

(अन्तरिती)

का सह त्याना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन को तारी श्री 45 दिन की संचीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पक् शूचना की वासील से 30 दिन की संचीध, जो भी संचीच वाद में समाप्त होती हो, के भीत पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इत स्वता से हाचपम में प्रकाशक की तारींच वे 45 दिन के पीतह उक्त स्थानह सम्पत्ति में हितवहूच किसी मन्य म्यावत द्यारा, स्थाहस्ताकड़ी से पात विविध में किए था स्थानेंगे।

स्वाधिकरण:---इसमें प्रयुक्त बन्दों शौद पदों का, जो उक्त विभिनियम के वश्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ध होगा वो उस वश्याय में दिसा वस है।

अनुसूची

भूमि भौर मकान 16 ठांक बंग्ड रोड, तुगम्बाक्कम मद्रास-34 धौसन्डलेड्स् लेख सं० 546/85

> श्रार० जागिकासम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 8-7-1986

मोहर ।

प्रकृप बा<u>ष्ट्रौ... एस...</u>५-------

नायकड विधितियम्, 1961 (1961 का 43) की वाडा 269-क (1) के अपीक शुक्रा

भारत सरकार

कार्यासन, तहायक शायकर शायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 8 जुलाई 1986 निवेश सं० 2/नवम्बर/1985—अतः मुझे आर० जानकिरामन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (थिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के व्योन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर संपरित विसका स्थित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि 100एए नया डोर सं० 252 मोश्रेंस रोड, हैं जो मद्रास 18 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसुषी में भीर पूर्ण हम से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सेन्द्रल लेख सं० 1106/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिमांक नयम्बर 1985

को प्रोंक्त संपरित् के उचित नावार मृत्य से कर्य के स्थापन प्रित्यक्त के लिए अस्तिरत की पहें हैं और क्षेत्रे वह विकास करने का कारण है कि न्याप्योंक्त क्षेत्रित का उचित वाबार मृत्य, उसके क्ष्यनाम प्रतिकत्त को, एवे क्ष्यनान प्रतिकत का पंक्र प्रतिकत से जिथक है और वन्तरक (वन्तरकों) और वंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे वस्तरण के सिए तय नावा नया प्रतिकत क्षेत्र निम्निनिवित उद्वर्ष से उस्त क्ष्यरच कि चित में वास्तरित क्षेत्र कर से क्षित्र नहीं किया नवा हैं —

- (क) वन्तहरू से हुइ क्रिकी अस की समस्तान स्वर विक्रियम के वधीन कर को में सन्तहक में समित्य में कर्मी कहने ना स्वरूप नाम में स्वित्य में सिन्दुः महिन्या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन वा अन्य आस्तियाँ को, विन्हीं भारतीय वायकर जिभिनवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनयस या भनकर जिभिनयस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं जन्दरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया बावा जाहिए था किया में सुविधा के किस्

जतः जवा, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् रक्त (1) मेसर्स अच्युत एण्ड आसोसिएटस्।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स डी० आर० एन्टरप्रायसेस प्रोप्रेटर के दनूजया रेड्डी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस स्थान के हाजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिय की संपीत का तत्वंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की वासील से 30 दिन की संबंधि, जो ही संबंधित कर में संबंधित होती हो, के भीता पूर्वोंक्ड व्यक्तियों में से सिकी व्यक्तिया द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन की भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दितवद्य किसी मन्य क्यनिए दुवारा स्थोहरूताक्षरी के पास सिविस में किए का सकेंगे।

त्यध्दीकरणः हसमें प्रयुक्त सम्बं और पदां का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, हैं,, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

नन्स्पर्

भूमि 100 एए, न्यू डोर सं० 252 मीक्नेस रीड, मद्रास-18, मद्रास सेन्ट्रल/लेख सं० 1106/85

> आर० जानकिरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 3-7-1986

प्ररूप माई.टी.एन.एस.---- -

গারকার को भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जीम रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिमांक 8 जुलाई 1986

निदेश सं० 8/नवम्बर/1985——अतः मुझें, **ग्रा**र० जानकिरामन

प्रायकर अधिनयमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमी इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्तव प्रतिभक्तारी को यह विश्वास करने के धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार मुक्क 1,00,000/- रह. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 61 कतीड़ल रोड, मद्रास 86 में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में धौर पूर्ण रूप में विशित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सेन्ट्रिल लेख, सं० 1107/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन दिनांक नवम्बर 1985।

ति प्वॉक्त कम्बरित के उचित वाचार मृथ्य से कम के व्यवस्थ शीतफल के लिए मंतरित की गई है और मृथ्ये यह जिंदबाब करने का कारण है कि अधाप्वॉक्त सम्मत्ति का उचित वाचार गृल्या, उसके व्ययमान प्रतिफल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का ।त्यह प्रतिकृत से विभिक्ष है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितिका) के बीच ऐसे बन्तरिय के विद्युत्त पाना क्या प्रतिकृत, निम्मतिबित् उनुक्षित से बक्त बन्दर्स विद्युत्तिक के बाक्तरिक क्य से कथित मही किया गया है कि—

- (क) शंतरण तें हुई सिसी शाल की वास्ता, उच्छ करिंग-विवस में अभीन कर कोने में शंतरक में वास्तिल की सतीं करने वा उसते वचने के सुविधा के हिंत्सु; सीर/वा
- (क) एसी किसी कान वा किसी वर्ष वा वश्य वास्तियों को चिन्हों भारतीय नामकर निभिन्नन, 1922 (1922 को 11) वा उस्त निभिन्नम, या पन-कर निभिन्नम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था वा है स्वा गया भाष्ट्र पा, किया में तृषिधा के निए।

बतः जन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) एम० जी० रामचन्द्रन और अन्यों।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स एक्सिन्ड कारपोरेशन।

(अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्यान में हायपत्र में प्रकारन की तारीय हैं 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह सूचना की तामीन से 30 दिन की नविभ, वो भी अविभ नाद में समाप्त होती हो, से भीता प्रविचय व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वादा;
- (क) इस सूचना के हाजपन में प्रकासन की तार्रीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिश्चिस में किसू का दुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास

त्वच्यांकर्णः--- इसमें प्रयुक्त धन्यों बीड धवाँ का, जी स्वतः वर्धिनियम के बध्याय 20-क में परिशादित हाँ, वहीं धर्म होगा वो उस बध्याय में विदा पदा हाँ।

जनसरी

भिम ग्रौर मकान 61 कत्तीडूल रोड, मद्रास 86 मद्रास सेन्ट्रल लेख सं. 1107/85

आर० जानकिरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज−2, मन्नास

दिनांक : 8-7-1986

प्रारूप **आर्च**.टी.**एन.ए।त**्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंप्र-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 8 जूम्लाई 1976 भिदेश सं० 9/नवम्बर /1985—अतः

आर० जामिकरामम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० 34 कतीडूल रोड, मद्रास 86 है जो मद्रास 86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूण रूप मे विणत है) रिजस्ट्रीयती अधिकारी के लायालय लेख सं० 1122 शीर 1123/85 मद्राम मेन्द्रस—में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान व्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृक्क, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय शया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किश्वत में वास्तविक कप से कथित नहीं क्या गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वायत, उथस अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा में लिए; और/पा
- (क) एंसी किसी लाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना भाहिए था, खिपाने में सुविधा चै विक्;

शतः शव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-म के जन्तरक रें., में, उक्त जिभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1); अधीतः, जिस्तिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ध—

8—216 G1/86 (1) हिएगोपाल तेवर।

(अन्तरक)

(2) अन्दुल रहमान ग्रांर 26 अन्यों।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

्र उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इस स्थान के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-वव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सर्वोगे।

स्थल्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि —आर० एस० सं० 1297 हिस्सा ब्लाक सं० मैलापुर गांव डोर सं० 34, कतीड़ल रोड, मद्रास—86 मद्रास सेन्द्रल लेख सं० 1122/1123/85

> आर० जानकरामन झम प्राधिकारी रहायक आयार आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंण-2, मब्रास

दिनांक: 8~7~1986

प्रकार साहर् हो ्यन ्यून ्य------

नावकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की

नारत तरकार

भारा 269-थ (1) वे नभीन जूपना

कार्यासय, सहायक शायकर वायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जूलाई 1985 निदेण सं० अई-3/37-ईई/25747/85-86--

अतः मुझे ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित बाषार मृख्य

1,00,000/~ रत. से अधिक हैं

भ्रोर जिसकी सं० कर्माणयल यूनिट नं. 9 जो शिवम इस्टेट विहलेज देवनार एस० नं० 26/1 27सी०/2 (भ्रांग), 27सी०/3 वम्बई में स्थित है (भ्रांर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भ्रांर पूण रूप से विणित है), भ्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए, ख के अधीन बिम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 1-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिवत बाजार मूल्य, इसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जद्दिय से जक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुवं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) ऐसी किसी लाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए।

ात. अब, उक्त जीधीनयम की भारा 269-ग के बम्सरण भे, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) मेसर्स माला मेटल इंडस्ट्रिज।

(अन्तरक)

(2) भेसर्स समयाक दुल्स।

(अन्तरितो)

को यह सुमना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम की अविधि या तत्संबंधी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुकारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विषय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विक्तित में किए आ सकोंगे।

स्पद्धोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-व में यथा परिआधित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया? गया है।

अनुसूची

कर्माशियल यूनिट नं० 9 जो शिवम इंडस्ट्रियल इस्टेट क्हिनेज देवनार स० मं. 26/1, 27सी०/2/प्रश) 27सी०/3 बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-3/37-ईई/25747/ 85-86 ग्रीरजो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1-11-1985 को र्णिस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक -10-8-1986 मोहर

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर मीभनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अजीन रेंज-3, बम्बई

वस्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986

तिदेश सं० अई- 3/37-ईई/26497/75-86--

अनः मुझे, ए० प्रसाद ॥४कर अधिनियमः, १९

बायकर व्यथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्यात् 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं), की धारा 769-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीण जिसको सं गोडाजा नं 45 से -53 जो 2री, मंजिल पर टेरेन के नाथ इमारत 9ए बी बहुलेज मोहीलो आफ कुर्ला श्रंत्रेगी रोड, समिहिता वेअरहाडिंगि काम्यलेक्स कुर्ला बम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रोण हूँ), श्रौर जिन्ना करारतामा आयण्य अधित्यम 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन धम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांग 1-11-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण किखित के गस्तिक क्य से कथित नहीं किया ग्या है:—

- (कः) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के सभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी अन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें आरतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंबरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, फियाने में स्विधा के मिए;

नतः वन, उक्त जीवनियन की बारा 269-म के बन्धरूक वे, वें, उक्त जीवनियन की बारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- (1) मेसर्स एम्बी कन्स्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरक)
- (2) मैसर्स चेतन कनस्ट्रवंशन कम्पनी । (अन्तरिती)

को नह सूचना चारी करते पूर्वोक्त सम्मत्ति के नर्धन के निष्
कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन की स्वीध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्तियाँ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबकुथ किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधाहस्ताक्षरी के पाइ सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त सन्दां और पदां का, को उनके सिनियम, के सम्बाग 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

गोडाउन नं० 45 से 53 जो 2री मंजिल, पर टेरेस के साथ इमारत 9 ए०बी समहिता वेअरहाउसिंग काम्पलेक्स विहलेच मोहीली आफ कुर्ली मंघेरी रोड, कुर्ला बम्बई-69 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/26498/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिशांक 1-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंण-3, बम्बई

दिनांक: 10-7-1986

प्रक्ष्य भाष'. टॉ. ,एन. एस.------

ब्रायकर नीपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सूचना

नारत सहस्राह

कार्यालय, बहायक कारकार वायुक्त (निरीक्षण)

. अर्जंभ रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिशांक 20 जुलाई 1986

निदेण सं० अई-3/37-ईई/26467/85-86--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्राँर जिसकी सं जमीन जिसका सी व्टी व एसन व 840 8401 से 4, 842, पहाड़ी गोरेगांव, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणन है), भ्रीप जिसका करारनामा आयकर मधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 1-11-1985 को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान पिताल के निए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलांसत उद्वेषय से स्थत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या धा या किया जाना चाहिए था खिणाने में सुविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन निम्नतिचित व्यक्ति को स्थाब ■

(1) मेसर्सं बी०एच० सागर।

(अन्सरक)

- (2) मेसर्स आशिश बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरिती)
- (3) स्पान्टो टेक्सटाइल फ्रौर अन्य। (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4) आर० जी० करमकर भीर अन्य। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचरा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां अरता हुं।

उक्त तम्पत्ति को वर्षन के संबंध में कोई भी वालेप ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त क्षिभिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, हैं, वहीं अर्थ होया जो उस सध्याय में विया ववा हैं।

मन्त्यी

जमीत जिसका सी० टी० एस० नं० 840 7401 से 4, प्रांप 842 पहाड़ी गोरेगांव बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई- 3/37-ईई-26467 85-86 ग्रंप जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्षण)** अर्जन **रें**ज–3, **बम्बई**

दिनांक :-10-7-1986

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा) 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिशांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/26456/85-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं जिमिता जो स्ट्रक्चर के साथ थूंगवा पबई उस्टेट कुर्ला जिमात सी टी एस नं 124/19-20-21 कुर्ला जिमात सी टी एस नं 124/इसमे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से विणित हैं। श्रीर जिसका करापनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 1-11-1985

को पूर्विक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्वयमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार पूच्य, उसके ध्वयमान प्रतिफल से, एसे ध्वयमान प्रतिफल का धन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तम पाम गया प्रतिफल, जिन्निसिंग उद्देश्य में उक्त अन्तरण निकित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ह—

- (कः) अंतरण से हर्ज किसी अग्रांकी बाबत, उक्त अधिनियम क्षेत्र अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणेजनार्ध कर्स्तारती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अधः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) आर० टी० महता एण्ड कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) विराट इंजीतियरिंग एण्ड कंपनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संदक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उन्नत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संत्रंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भा अविध बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ग) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थाघर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

जमीत के साथ स्ट्रक्चर (तार्थलाइट शेड) जी व्हिलेज थुंगका पवई इस्टेट कुर्ता जिएका सीठटीठ एसः नंठ 124/ 19-20-21 कुर्ता डिविजन साकी विहाररोड, पवई बम्बई-72 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० अई-3/37—ईई/26456/85–86 अं%र जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसा**र** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जंत रेंज-3, **बम्बई**

室前事: 10-7-1986

मोहरः

त्रसम्प् **आर्ड्**स टीन एन्_य **एस्**य - ४ न - ४-

बाबकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालन, ब्रहायक नायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जंत रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० अई-3/38-ईई/26420/85-86--अत: मझे, ए० प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का.43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अर्थेर जिसका सं० जमीन जिल्हा सी० टी० एस० न० 1273 ऑर 1275 (ग्रंग), जो व्हिलेज मुल्ंड (पूर्व) बम्बई में स्थित है (प्रीर इसमे उपावत अनुमुची में प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसागा कपारनामा भ्रायकर श्रिष्ठितियम 1961 को धारा 269 फ, खने श्रधी': बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकाको के कार्यालय में राजिस्ट्री है दिनांक -- 1-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मूस्य *से* कम के **शर**यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विक्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सभ्यति का प्रणित वाबार मृस्य, इसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह .प्रतिशत से अधिक है और अन्तस्क (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एे जे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित "द्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त क्षिनियम के क्षीन गर दोने के अन्तरक के ब्रामित्व में कभी करने या उपने पत्रने में पत्रिय के किए
- (क्र) एरेसी किसी बाद या किसी धन या अन्य नास्त्रिकों कां, नैबन्हें भारतीय जायकर अधिनियस, 1922 (1927 का 🕦) या उक्क किंपियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पा या किया जाना साहिए था. कियाने में सुविधा # Forther

जतः देव, उक्त विधिनिया को भारा 269-ग के अनुसरण में, मीं, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) 🕏 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :----

- (1) श्री भोमा मार्या भोईर ग्रीर अन्य।

(2) श्री कन्हैमा डी कटारिया मारि अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त तस्पत्ति से वर्षन से जिस् कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति में नर्जन के सम्बन्ध के कहि भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की व्यविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामीत से 30 दिन की समिप, वो भी अविक बाद में संभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा कभोहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया 🗠 नमा हु^ १.

अनुसुची

जमीन जिसका सी० टी० एस० नं० 1273 श्रीर 1275 (ग्रंग) जो व्हिलेज मुलूंड (पूर्व) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैमाकि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/26420/ 85-86 फ्रींर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1985 को राजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :-10-7-1986

मुझे ए० प्रसाद

प्ररूप आहें.टी.एन.एस..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं बंगला नं 6, जो झेनिथ पार्क देवनार फामें रोड, बी० ए० श्रार० सी० हास्पीटल के सामने चेंबूर बम्बई-72 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 को धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कर्यालय में दूरिजस्ट्री है दिनांक 1-11-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च का उपधारार (1) के अधीन. निम्निनिश्चित मानित्यों, संधित ---

- (1) मेपर्स झनिथ इंटरप्रायसेस।
- (2) श्रोमतो इदिरा दिवाकरन।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्छि को २०१५ छ। कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में अर्थि 🕬 👑

- (क) इस स्वता के राजपत्र में जिल्ला 45 दिन की अविधि या कि सूचना की तामील से 30 कि अविधि बाद में समाप्त ह क्षेट हैं, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षिक क्षेत्र के
- (स) इस सूचना के राजपत्र की १८क८३० १८ छार छ । ४ 45 दिन के भीतर उक्त कर १० ४० ४० ४० १६ १ वि. १ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रुष्ठशक्ष्य के प्रवे लिखित में किए जा सब्हेंग्री:

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कर्दी की प्रवास की अक्षा व्यक्ति नियम के अध्याय 2(-का के बिर्मा की क्षा करी अर्थ होगा जो उस क्षाम के किया का क्षा

जन्स्ची'

बंगता तं० 6, जो ''सेनिथ पार्क'', **देकर** . ए, फ़ार० सा० हास्तीटत के **साक्**रे स्थित है।

श्रतुसूचा जैसाकि क० स० 85-86 और जो नक्षम प्राधि 1–11–1985 को रिजस्टर्ड रि

महाय ह

दिनांकः 10-7-1986

प्रकृष भाइं.टी. एस. एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार आयुक्त (निरक्षिण) इ.जीन रेंज्र--3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/26210/85-86---ःतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 259-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी सं० जमीन के साथ बंगला स्ट्रक्चर जिसता प्लाट नं० 12, एस० नं० 85 एच० नं० 2 (श्रंण) और सी० टी० एस० नं० 1513 संध्या ज्योति साई नगर, हाउसिंग वालोनी आफसेट अन्यानी रोड, चेवूर वम्बई-71 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जिसना देपारनामा आयय र प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के नायालय में रिजस्ट्री है। विनांक 1-11-1985

को पूर्वोक्त स्म्मित के उचित नाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्ममान प्रतिफल में, एसे दृश्ममान प्रतिफल का नन्सह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्निलिस उच्चेश्य से उसत अंतरण लिखित में गस्दिनक रूप से कमित नहीं किया गया है:---

- कि) वंताह्रण वं हुई किसी वाय की वावता, उपद गीधिनियम के गधीन कर दोने के बन्तरक के वासित्य में कमी करन या उसस नका के सुविधा क लिए; गीर/मा
- (क) एसी किसी गाँव या किसी धन या जन्य जास्तिकों क्ये, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विषा के लिए;

बरुत अब उनतः विभानसम् का भारा २६३-ग के अनुसरण हो, ही, इन्हें विभागितम् की भारा २६९-व की उपधारा /११ के गानि, निम्नलिबित व्यक्तियों, बर्धात :---

(1) श्री के० ग्रार० निस्त्री भागीदार-मेमर्स के० आर० मिस्त्री एण्ड ग्रासोसिएटस।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रोमती लक्ष्मी श्रार० कान्तन श्रांर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरितीयों। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना थाएी कारके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन से लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन को अविधि या तत्संसंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामीस से 30 विन की समिष, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियाँ में से जिसमी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी कन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकी।

स्यक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो जम अध्याय में दिया नया है।

म्रनुसूची

जमीन के साथ बंगला स्ट्रक्चर जिसवा प्लाट नं० 12 एम० नं० 85, एच० नं० 2, (श्रंग), श्रोर सी० टी० एस० नं० 1513, ''मंध्या ज्योति'' साई नगर, हाउसिंग बालोनी स्राफ सेट प्रत्योती रोड, चेंबूर बम्बई—71 में स्थित है। श्रनुसूची जैमाकी क० सं० श्र्ई—3/37—ईई/26210 85—86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक

1-11-1985 को रिजस्टर्ड विदागया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-3, **बम्बई**

विनांक: 10-7-1986

शक्य बार्ड . टी . एन . एवं

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष: 269-न (1) के नवीन स्वना

प्राप्ति सर्कार

कार्थासयः, सहायक बायकर बाबुक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांधः 10 जुलाई 1986

निवेश सं० अई-3/37-ईई/26349/85-86--- अत: मुझे ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सून्य 1,00,000/- रुं. से अधिक है

भौर जिसकी सं० बंगला प्लाट नं० 12, ग्रीन गार्डन हाउसिंग, भ्रवार्टमेंटस को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी লিত ग्राचार्य नगर देवनार बम्बई-88 में स्थित हैं। (घोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्राधिनियम 1961 की धारा 269 वः, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है। दिनांक 1–11–1985 को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कंम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके परधमान प्रतिफल से, एसे परयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से लिधक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया नया प्रतिकास, निम्नसिवित उद्योध्य से उक्त कन्तरण लिचित में ास्त्रिक रूप से कश्यित नहीं किया गया है 🦫

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- ंच) ऐसी किसी अाथ या किसी धन या अन्य आस्तियाँ क्ये, जिन्हां भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिंधनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1<mark>957 का 27</mark>) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुतारा प्रकट नहीं देश्या गया था या किया जाना चाहिए था,, छिपानं 🗊 तिवशः वैक्रिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में . उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थास :---9--216GI/86

- (1) श्री वश्मल एच० बनवारी।
- (2) श्रीमती चित्रा बालपृष्णा। (भ्रन्तरक)

(श्रन्तरिती)

(3) अन्तरका (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता **ह**ै।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांद्र भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जौ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में **दिया गया**

अन्स्ची

बगला प्लाट नं० 12, ग्रीन गाईन श्रापर्टमेंटस को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि॰, श्राचार्य नगर, देवनार बम्बई-71 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/26349/ 85-86 स्रीर जो सक्षत प्राधिकारी बम्बई दिनांक 1-11-1985को रजिस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहाय ह ग्रायक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, **बम्बर्ध**

दिन क: 10-7-1986

प्ररूप बाइं.डी.एन.एत.-----

आयकर जीभनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
प्रार्थंन रेंज-3, धम्बई
अम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986

निदेश सं॰ ग्रर्ह-3/37-ईई/26258/85-86--ग्रतः मुश्री ए॰ प्रसाद

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहिवहवास कारने का भारण है कि स्थानर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट में अधिक हैं

भीर जिसकी संव बंगला नंव सी—1, जो परमाणु की व्राप्त हार्जीसंग सोसायटी लिंव न्यू बोर्ला रोड, गोवंडी बम्बई में लिथत है (श्रीर इससे उपाधक अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) और जिसका करारनामा श्रायंजर भिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के भक्षीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 1—11—1985

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके पश्यमान प्रतिफल से, एसे पश्यमान प्रतिफल के पेवह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण में हुई किसी आय की आबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को खिक्क को अधी करने या प्रथमें क्यार के अधिक्य के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, व्यिपाने में सिवधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण वे, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1) मेसर्स पञ्चालाल एड बिनोद एस० चड्डा। (ग्रन्सरक)
- (2) श्री पी० एन० शर्मा श्रीर अन्य। (भ्रन्तरिती)
- (3) श्री पी० एन० शर्मा। (बह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

का यह स्वाना आरी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टिकिरण:—-इसमें प्रथुक्स शब्दी और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के सभ्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

नन्स्ची

बंगला नं० सी०-ए 1, जो परमाणु को० भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० न्यू० बोर्ला रोष्ट, गोबंडी बम्बई में स्थित है।

श्रनुसुत्री जैसाकी क० सं० श्रई-3/37-ईई/26258/ 85-86 श्रौर चो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, **बम्बर्ड**

दिनांक : 10-7-1986

प्रथम बार्षान स्त्रीत प्रमुख प्रस्तुकानकारक

ज़ायका<u>र</u> जीपनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्च 269-च (1) के जधीन सूचना

नाइतं बहुकाह

कार्याजय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अजाँम रेंज-3, बम्बाई बम्बाई, दिनांक 10 जुलाई 1986 निदेश सं० अई-3/37-ईई/26162/85-86-अतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित साम्रार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी संव जमीम का सिहसा जो विहलें मालाड बचानी नगर के पास तालूका बोरीवली एसव नंव 295
श्रीर सीव टीव एसव नंव 373 श्रीर 384 मालाड बम्बई में स्थित है। (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण देप से बॉणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा

1-11-1975

को प्योंक्त संपत्ति के उधित । प्रतिफल के लिए अंतरित की । करने का बारण है कि सम्प्रपूर्वों मूल्य, उसके उदयमान प्रतिफाल । पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरिती (अन्तरितियों) की बीच गया प्रतिफल, निम्नलिखित उर् बास्तविक रूप से कथित नहीं वि

- (क) बन्तरभ से हुई कि विधितिसम के वधीय गर गण गणपारण ग स्वतिक में कमी करने या उससे वचने में स्विधा स्वीसिए; बीर/या
- (स) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य बारितयों को, जिन्हों भारतीय वासकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नियम, या क्य-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, स्थियाने में स्विभा के लिए:

बद्धः सव, उपत वीधनियम की धारा 269-म की मन्तरण मं, में अन्त विधिनयम की धारा 269-म की व्यथारा (1) के वजीत, निकामिकिक व्यक्तियों, वजीव :--- (1) श्रीमती तुलसी बांई, कें अजुंन बी० गुड़ाक की पत्नी श्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स झबेरी एण्ड यन्स।

(अन्तरिती)

को सह सूचना नारी कड़के पूर्वोक्य संपृत्ति में अर्जन के जिल्ल कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप क्ष-

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विव की अविध या तस्सम्बन्धी स्विक्तयों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्विक्तयों में से किसी व्यक्ति विषय व्यक्ति व्यक
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकर्णः ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को जक्क विधिनियम के वश्याय 20-क में परिश्राधिक है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नदा है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जो व्हिलेज मालाड बचानो नगर, के पास मालूका बोरीवली एस० नं० 295 श्राँर सी० टी० एस० नं० 383 श्राँर 384 मालाड बम्बई में स्थित है।

अनुसूचो जैसािक %० सं० अई-3/37-ईई/26162/ 85-86 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-3, **बस्**बई

दिनांक: 10~7-1985

प्रकृप बाद . टी . धुन . एत . -------

सभकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (३) औ सभीत स्थाना

बारत सरकार

कार्याचय, बङ्गायक नायकार नायुक्त (निद्रांकाण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1976

निवेण सं० अई/3/37-ईई/26063/85-86--अतः, मुझे, ए०, प्रसाद

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मरून 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन के माथ स्ट्रक्चर जिसका प्लाट सी० टी० एस० नं० 903/7, एस० बी० रोड, पहाड़ी गोरेगांव बम्बई-62 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से बिंगत है), श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिशांक 1-11-1985

को प्रोंक्श सम्परित को उचित नाजार मृत्य से कम को क्यमान प्रतिकल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित नाजार मृत्य उसके क्यमान प्रतिकल से एवं क्यमान प्रतिकल का बन्द्रश्च प्रतिवत से निभक है जोर अंतरक (अंतरका) जार अंतरिती (अन्तरित्यों) के नीच एसे अन्तरण को अिए तब पाया जवा प्रतिकत, निम्नतिकित उप्योक्त के उच्त जन्तरण लिकित को बास्तिक कर से क्यूबित मुद्दी किया मना है उ----

- (क) बन्तरण वे हुई किसी आयं की बावत, उन्त गीधिनिएस के अधीन गर दोने के जन्तरक के दाबिस्थ में कभी कारा का उससे बसने में सुक्षित के लिए: बार/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भून या बन्य आस्तियां को, विश्वह भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या धनकर अभिनियम या धनकर अभिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गुर्या था या किया बाना वाहिए था कियाने में सुविधा के लिए,

श्रद्ध रच, उन्त विभिनियम की भारा 269-म के बनुसरण में, बी, उन्त विभिनियम की भारा 269-म की वनवारा (1) के अभीया, निम्निकिक व्यक्तिसीं⊞ अभीव क— (1) मेसर्स कैलाश बाब्लाल।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स श्रीजी इन्टरप्रायजेस।

(अन्तरिती)

को बहु बूचना बाड़ी करके पूर्वाचन सम्परित के अर्थन के किन् कार्यवाहियां सुक करता हो।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 विन के भीतप उक्त स्थावप सम्पत्ति में हिन-बहुभ किसी मन्य म्यक्ति इवारा वभीहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकेंगे।

स्वकाकरण: -- इसमें प्रयुक्त तत्त्वों जीर पदों का, जो उत्तर जिथितिक से अध्याद 20-क में परिभावित ही, जहीं अर्थ होगा को अध्याद में दिवा स्वा है।

वन्स्ची

जमीन के साथ स्ट्रक्चर जिसका प्लाट सी० टी० एस० नं० 903/7, एस० वी० रोड, पहाड़ी गोरेगांत बस्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० सं०ई-3/37-ईई/26063/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसा**द** सक्षम प्रांधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **बस्बई**

दिनांक: 10-7-1986

मोहर ।

प्रकप आई.डी.एम.एस.----

भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कायाज्य, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जंभ रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1976 निदेश सं० अई-3/37-ईई/25896/85-86--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा मया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जिमीन का हिस्सा स्ट्रक्चर के साथ जो विश्ववलों जिसका नं 29, 30, 31, श्रीर 32 मिटो सर्वे नं 16 (श्रंण मालाड अम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिष्स्ट्री है, दिमांक 1-11-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, एसे दृष्यमान प्रतिकल के पंद्रह अतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बांच पूर्वे अन्तर्थ के लिए तम पाया भया प्रतिक करा, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तर्थ सिखित में वास्तिक करा से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिगों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था. छिपाने में सृविधा के सिंह;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीभ, निम्निलिखित व्यक्तियों. अधीत:—— (1) भेसर्स दलवी एण्ड कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) दिनेश बी० दराक।

(अन्तरिती)

(3) श्री सूहास बी० परांजये और अन्य 14 (भाडूत) (घह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए काणवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन की संबंध में कोई भी जाक्षेप 🤝 -

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में कथाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 चिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये जा सकने।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयूपतः शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा भी उस अध्याय में दिया ग्रंग हैं।

अनुसूची

जमीन के साथ स्ट्रकचर जो चित्रवली, जिसका सर्वे नं॰ 29, 30, 31और 32 फ्रीरसी॰टी॰ सर्वे नं. 16 (ग्रंश) मालाड, बम्बई में स्थित है।

अनुसुचो जैसाकि क० सं० अई-3/37-ईई/25896/85-86 क्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1985 को राजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अ**जै**न रेंज-3; बम्ब**र्**

दिनांक :-10-7-1986 मोहर प्ररूप जाहै. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986 निदेश सं० अई-3/37-ईई/25883/85-86--अत मझें ए० प्रसाद,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जमीन जिसका प्लाट नं० 69-ए, ए० एस० नं० 3, 29वां० रस्ता चेबूर बम्बई-400071 में स्थित है। (भौर इसमें उपाबद्ध अनुभूची में भौर पूर्ण रूप से बणित है) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 1-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से एसे द्रममान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिम्स रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए? और/सा
- (क) दोनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

बकः अव, अवत अधिनियम की धारा 269-ग के बनुतरण बैं, बैं, उकत अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन् ः—— (1) श्री बी० बी० साठे ग्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री सूधीर वासू गेट्टी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कार! करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के सिष्ट् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी कन्य व्यक्ति इवारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

जमीन जिसका प्लाट नं० 69 ए० एस० एस० नं० ३, 19वां रस्ता चेंबूर, बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूची जैनाकि कर सं अई-3/37-ईई/25883/85-86 थ्राँर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बाई

दिनोंक :-10-7-1986

प्ररूप बार्च दी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

धम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी पं जमीन के साथ स्ट्रक्रयर जिसका सी० टी एस० नं 0 79, 80, 81 श्रीर 82, व्हिलेज एक्साय, मालाड (प), बस्वर्ड में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसुधी में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बस्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 1-11-1986

को पर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विद्याल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण से लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में वास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरक से हुई किसी बाय की सबत, उक्त अधि-नियम के अधीन अप पीने के अंतरक के द्यितन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) मेसर्स विकास हालीडेज रेसोर्ट्स। (ग्रन्सरक)
- (2) श्री वासुदेव सी० वाधवा ग्रौर श्रन्य। (श्रन्तरिती)
- (3) गेस्ट किन विलयमम्स। (वह व्यक्ति जिसके श्रिष्टिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राषपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (का) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिलित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के साथ स्ट्रक्चर्स जिसकी ी० टी० एस० नं 79, 80. 81 श्रौर 82, व्हिलेज, श्रक्साय मालाङ, (प), पहला जिसका एस० नं० 3 एच० नं० 2 एस० नं० 6, एच० नं० 8, एच० नं० 3, एस० नं० 3, एच० नं० 3), बम्बई में स्थिस हैं।

ग्रनुसूची जैसाकी कर संर प्रई-3/37—ईई/25954/85–86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन **रें**ज-3, **बम्बई**

दिनांक :-10-7-1986

कार बाहु[®] ध्री_{ले} पुर_ा पुरा ,-----

बार्या प्रीपनियन । 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन बुजना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बर्द बम्बर्द, दिनांक 10 जुलाई 1986 निदेश सं० श्रर्ध-3/37-ईई/25747/85-86--श्रतः,

मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 - ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० यूनिट नं० एम2-3 जो कामा म्युनिसिपल इंडल्ट्रियल इस्टेट वासभट रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायंकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 1-11-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल भे लिए अन्तरित को गई ही और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूल्य, उभके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्म प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नवा विराक्त निम्मितियाँत उद्देशक से उक्त बंतरण कि सिक्क में बास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुष किसी आप की कावक, अच्छा अधिनिक्क की अधीन कर वोगे की अन्तरक को बाग्यरल में कमी कारने या उससे अधाने में भृतिका अ (अष्ट, आह्र/या
- (एंसी किसी जाम मा किसी भन मा जन्म आस्थियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवत लिशिनयम, या अन-कर लिशिनयम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं कियर नमा भा मा किया जाना चाहिए भा, कियाने में कृतिमा भी किए:

हरत क्या उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक वं, वं, उक्त निधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वे न्योंक, निकासिक व्यक्तियों, निर्माद किल्ल (1) श्री देवान दास एन० नामकानी भागीदार मेसर्सं गोलमैंस इंडस्ट्रिल परफयुम।

(ग्रन्तरिती)

(2) मेसर्स ध्रजीतः इंजीनियरिंग वकर्स

(भ्रन्तरक)

भी यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के किसू कार्यनाष्ट्रियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस बूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनभि वा सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूच्या की सामील से 30 दिन की नविभ, जो भी सविभ नद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि मी व्यक्ति देवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थानार संपत्ति में हितक इच किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए था सकीय।

न्यव्यक्तिरणः --इसमें अयुक्तं शुक्यों और पदौ का, जो उच्छ-४० निभिनियम, के अध्वाय 20-क में परिभावित इ^व बही अर्थ होगा जो उस वध्याय में विज्ञा मना है।

अनुसूची

यूनिट नं० एन०-3, जो कामा म्युनिसिपल इंडस्ट्रियल इस्टेट वालभट रोड, गोरेगांव (पूर्व) बम्बई-64 में स्थित है। प्रनुसूची जैसाकी क्रं० सं० 3/37-ईई/25747/

श्रनुसूची जासाका करु स० 3/37- हेई/25747/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई हारा दिनाक 1-11-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, **बम्बई**

विनांक: 10-7-1986

प्रकथ मार्धः टी. एम. एस. -----

भाषकर अभितियम, 1961 (1961 का 43) कौं भररा 209-व (1) के अभीन मुजना

भारत सरकार

अध्यास्य, सहायक जायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

शर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

अम्बर्ध, दिनांक 10 जुलाई 1986

_ निदेण सं० ग्रई-3/37-ईई/26262/85-86--ग्रम:,

मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की भारा 269-क के लधीन स्थान प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन के साथ स्ट्रक्चर जिसका सी० टी० एस० नं० 613 श्रीर 613/1 स्ट्रीट नं० 27 से 37 श्रीर 38 सर्वे नं० 238 एच० नं०—, कांजूर क्हिलेज कांजूर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की घारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थिम मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सें रजिस्ट्री है दिनांक 1—11—1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए छल्मीरत की गई है और एके गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का स्वित्त बाजार ब्ल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे द्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत ने अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ते) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्स, निम्नमिशित सन्तरेष्ट से उस्त बन्तरण मिश्चित में बास्त-विक कृष् से क्षित नहीं विका नवा है ॥——

- (क) अन्तरण से हुए किसी आध काँ, बाधत, खवत शिवनिष्णय के अधीन कर दोने के अंतरक की दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एली तिसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियी को, जिल्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोक्तियोषी भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में जीवधा की जिए:

अतः लग्न, तक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, को, तक्ष प्रिक्षितसम की धारा २५०-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्मतिषित्रत व्यक्तियों, अर्थात :— 10—216 GI /86

- (1) श्री मती वनीता मनसुखलाल देसाई। (ग्रन्तरक)
- (2) मेमर्म पटेल एण्ड एसोमिएट्स।

(अन्तरिती)

(3) श्री के० के० पूनन और 34 ग्रन्थ (भाड्स) (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को बह सूचना बादी करनी पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के विक् कार्यवाहियां सूच करता हूं।

अवत संपरि के सर्वम की संबंध में कोई भी काओंप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारील वै 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क व्यक्तियों में से किसी स्मिन्त ब्वारा;
- (भ) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीख़ हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबस्थ किती कस्य स्थित स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किन् का सकतें है।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदी का, जो खब्छ विधिनयत्र, को अध्याय 20-क में परिभाविक ही, वहीं वर्ष होगा जो उस जध्याय में दिया गया ही।

जमीन के साथ स्ट्रक्चर्स जिसका सी०टी० एस० नं० 613 थ्रीर 613/1 से 613/36 स्ट्रीट नं० 27 से 37 थ्रीर 38, सर्वे नं० 238, एच० नं० काजूर व्हिलेज, बम्बई में स्थित है।

ग्रन्सूची जैसाकी कि० सं० ग्रई-3/37-ईई/26262/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-11-1985 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरी**क्षण**) श्र**र्जन रें**ज–3, **अम्बई**

विनांक: 11-7-1986

मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 4th August 1986

No. A.12025(ii) /2/86-Admn.III.—In supersession of this office Notification of even number dated 30th July, 1986, on his nomination to the CSS Cadre of the Union Public Service Commission for inclusion in the Select List of Section Officers' Grade for the year 1985 against the seniority quota, the President is pleased to appoint Shri C. K. Khanna, an ad-hoc Section Officer of the CSS Cadre of the Ministry of Welfare, in the Section Officers' Grade of the CSS Cadre of the U.P.S.C. w.e.f. the afternoon of the 29th July, 1986.

2. His appointment shall be subject to the result and final decision of the CWB No. 1194/78 pending in the Delhi High Court.

M. P. JAIN
Under Secy. (Per. Admn.)
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 7th August 1986

No. 1/2/85-Admn.—In partial modification of this Commission's notification No. 1/2/85-Admn., dated 25-6-1986. the Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Manohar Lal, a permanent Section Officer in the Central Vigilance Commission as Under Secretary in the Commission in an officiating canacity in the scale of pay of Rs. 1200-1600 with effect from 24-7-1986 on regular basis until further orders.

M. K. DIXIT
Dy. Secv.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING. ADMINISTRATIVE REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 5th August 1986

No. A/19036/1/82/AD.V.—The services of Shri R. R. K. Chavan, Dy. Supdt. of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Karnataka State Police were placed at the disposal of Karnataka Government with effect from 23rd July, 19866 afternoon, on repatriation.

No. 3/13/86/AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police/Special Police Establishment is pleased to appoint Shrl Anil Kumar Mishra, Dy. Swedt. of Police, an officer of the Uttar Pradesh Police to officiate as Dv. Swedt. of Police on deputation in C.B.I., Lucknow with effect from the forenoon of 1st July, 1986, until further orders.

No. 3/31/86/AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment bereby appoints Shri B. Shivanna, Inspector of Police, Karnataka State Police as officiating Dy. Supdt. of Police in CBI/SPE/Baugalore. on deputation, with effect from the afternoon of 23rd July, 1986, until further orders.

No. A/19036/11/82/AD V.—The services of Shri G. I. Donbia, Dy. Sundt, of Police, on deputation to Central Bureau of Investigation from Guirat State Police, were placed at the disposal of Gujarat State Government with effect from 18th July. 1986 afternoon, on repatriation.

The 7th August 1986

No. A-19021/12/82-AD.V.—The services of Shri G. Ramachandra Reddy, IPS (AP-SPS), Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Visakhapatnam Branch are placed at the disposal of Government of Andhra Pradesh with effect from the afternoon of 9th July, 1986, on repatriation.

D. P. BHALLA Administrative Officer (E) CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110 003, the 30th June 1986

No. 3/27/81-Adm.I.—Consequent on his retirement on attaining the age of superannuation, Shri D. Majumder relinquished the charge of the post of Joint Assistant Director, Bureau of Police Research and Development, New Delhi w.e.f. 30-6-86 (A.N.).

S. K. MALLIK Director General

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110 003, the 31st July 1986

No. O.II-1781/83-Estt.—The President is pleased to accept resignation, tendered by Dr. Vinod Kumar, General Duty Officer, Grade-II of 55 Bm., CRPF with effect from the forenoon of 18-6-1986.

The 4th August 1986

No. O.II.2238/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. Sasidhar Kumar Bandi as General Duty Officer, Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Company Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 26th July, 1986 till further orders.

No. O.II.225/70-Estt-(CRPF).—Consequent on his voluntary retirement from service Shri J. S. Rana, Asstt. Commandant of 35 Bn. CRPF relinquished charge of the post w.e.f. 15-7-1986 (AN).

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Asstt. Director (Estt.)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) RAJASTHAN

Jaipur, the 6th August 1986

No. Admn I (Au)/P.13044—The Accountant General (Audit) Rajasthan, Jaipur has been pleased to promote the following Section Officers (Audit) to the post of Asstt. Audit Officers (Group 'B' gazetted) in the scale of Rs. (650-30-740-35-880-EB-40-1040 in an officiating capacity, till further orders from the dates noted against each:—

s.	Name			D	ate of
No.					ion
1	2		 		3
	S/Shri		 	 	
1. 0	m Prakash Nandwan	i			17-1-86
2. I	Ratan Lal Kabra				2-6-86
3. 1	Baru Mal				4-6-86
4. I	Rajendra Singh				2-6-86
5. J	agdish Prasad Mathu	٠.			2-6-86
6. S	agar Mal Kawadia				2-6-86
7. F	Roshan Singh .				10-6-86
8. 1	Mohan Lal Agarwal				2-6-86
9. N	Manjit Singh				2-6-86
10. S	antosh Kumar		;		2-6-86
ľ	hargava				
11, K	Krishan Kumar Goel				4-6-86
12. C	Im Prakash Sharma II		,		2-6-86
13. S	uresh Chandra Sharma	-TIT		•	2-6-86
14. V	ishnu Dutt Misra.				2-6-86
15. I	Mahosh Chandra				4-6-86
	Fordhan Lal				10-6-86
17. F	Ram Kishore Bunkar (S	SC)			6-6-1986
18. C	Jopal T. Kewalramani				6-6-86

1	2	3
19 Av	adh Behari Lal	 23-6-8
20 Ra	m Dutt Daiya (SC)	6-6-86
21 G	hanshyam Dess Alwanı	6-6-86
22 Gr	rraj Singh (SC)	6-6-
23 As	hok Kumar Jam II	26-6-
24 M	ahesh Chandra Verma	7-6-86
25 Ra	dhey Shyam Gupta	16-6-86
26 Ba	hadur Singh Punia	10-6-86
27 Ra	idhey Shyam Sharma-II	6-6-86
28 Kr	ishna Kumar	6-6-86
29. Vi	shwa Nath Dıxıt	6-6-86
30 GI	nan Shyam Gupta	6-6-86
31 Su	rendra Kumar Chhabra	10-6-86

No. Admn I (Au)/P 13044—The Accountant General (Audit) Rajasthan, Jaipur has been pleased to promote the following Assit Audit Officers to the post of Audit Officer (Group 'B' Gazetted) in the scale of Rs 840-40-1000-EB-40-1200 in an officiating capacity till further orders from the dates noted against each .—

Name					Date of promo- tion
S/Shri					
Man Mohan Lal Dadhich					26-5-86
					(FN)
anak Raj Gupta					10 -6- 86
					(FN)
ladhey Shyam Gupta	•				6-6-86
					(FN)
oginder Singh Akkal					6-6-86
					(FN)
gdish Chandra Varshney	•	•			10-6-86
					(FN)
land Ram Chittoria (SC)					6-6-86
					(AN)
	KULDEEP SINGI Dy Accountant Genera			SINGH nt General (Admn.)	
		S/Shri Man Mohan Lal Dadhich anak Raj Gupta Radhey Shyam Gupta oginder Singh Akkal gdish Chandra Varshney Nand Ram Chittoria (SC)	S/Shri Man Mohan Lal Dadhich anak Raj Gupta . Radhey Shyam Gupta . oginder Singh Akkal gdish Chandra Varshney . Nand Ram Chittoria (SC)	S/Shri Man Mohan Lal Dadhich anak Raj Gupta . Radhey Shyam Gupta . oginder Singh Akkal gdish Chandra Varshney . Nand Ram Chittoria (SC)	S/Shri Man Mohan Lal Dadhich anak Raj Gupta Radhey Shyam Gupta

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDANCE FACTORIES SERVICES ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-1, the 1st August 1986

No 36/G/86—On attaining the age of superannuation (58 years), the following officers retired from service we.f. 31st July, 1986/AN.

- 1 Shri R K Chellam, Addl DGOF/Member, O F. Board
- 2 Shri C M Mathur, Addl DGOF/Member, O F Board The 5th August 1986

No 37/G/86—The President is pleased to confirm the following officers in the grade of ADG Gr I with effect from the dates shown against them —

No	confir- mation
1 2	3
1 Shri A P Bhattacharya	1-9-82
2 Shri K. P R Pillay	1-9-82

1 2	3
3. Shri J W Kawathekar	1-1-83
4. Shri D R Tyer	1-3-83
5. Shri V. M Bhandarkar	1-3-83
6. Shri N. Balakrishnan	1 -6- 83

The 6th August 1986

No 38/G/86—On attaining the age of superamulation (58 years) Shri R G, Choudhari, It General Managei (Subst & Permt Managei) retured from service wef, 30th April, 1984 (AN) His name has accordingly been struck off from the IOFS strength wef 1-5-85 (FN).

M A ALAHAN Jt. Director (G)

MINISTRY OF LABOUR

OFFICE OF THE CHIEF LABOUR COMMISSIONER (C)

New Delhi, the 1st August 1986

No Adm I/12(43)/72—On transfer Shri P Kumar relinquished charge of the office of the LEO(C), Ajmer on 30-5-1986 (AN) and assumed tharge in the same capacity at Bhagalpur on 6-6-86 (FN) Shri P Kumar, LEO(C) Bhagalpur has been removed from service with effect from 16-6-1986

NAND LAL Administrative Officer

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF

IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 1st August 1986

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 1/5/85-Admn (G)—4009—The President is pleased to appoint S/Shri N L Gandhi, Satya Pal Gupta and P L. Sethi, Assistant Directors of this office (Grade IV Officers of IES) as Deputy Directors (Grade III of IES) in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from the dates indicated against each until further orders—

1. Shri N L. Gandhi	9-12-74
	(FN)
2. Shri Satya Pal Gupta	. 16-3-78
	(F.N)
3. Shri P L. Sethi	16-3-78
	(FN)

New Delhi, the 31st July 1986

No 1/2/86-Admn (G) 3929—The President is pleased to appoint Shri G Venkatachalam, (CSS Grade I Select List 1985) Controller of Imports and Exports as Deputy Chief Controller of Imports and Exports, on ad-hoc basis in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for a further period of four months from 1-3-1986 to 30-6-1986

The 4th August 1986

No. 6/1489/84 Admn (G)3980—Shri G S Negl, a permanent Grade IV offices of CSS and Controller of Imports and Exports in this office expired on 23rd July 1986

No 6/729/64-Adm (G),4002 —On attaining the age of superannuation Shri D S Narasimhiah, Deputy Chief Con-

troller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Madras retired from Government service with effect from the afternoon of 30th June, 1986.

SHANKAR CHAND

Dy Chief Controller of Imports & Exports For Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF TEXTILES OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 4th August 1986

No. 1/29/83-DCH/Admn.I.—In suppersession of this office Notification of even number dated 11-2-1986, Development Commissioner for Handlooms is pleased to appoint retrospectively from 1st September, 1984 and until further orders Shri K. C. Pujara as Private Secretary to Development Commissioner for Handlooms in the Office of the Development Commissioner for Handlooms.

N. N. VASUDEV Addl. Development Commissioner for Handlooms

New Delhi, the 24th July 1986

No. A. 31013(3)/86-Estt. II—The Development Commissioner for Handlooms is pleased to appoint the following officers substantively in the Weavers Service Centres under the organisation of the Office of the Development Commissioner for Handlooms as under:—

SI. Name of the Officer No.	Category of post	Date of substan- tive ap point- ment	
S/Shri			
1. R. R. Reddy,	Assistant Director, Gr.II (Non-Technical)	20-8-82	
2. G. Somasekhar .	Assistant Director Gr. II (Non-Technical)	24-1-86	

INDIRA MANSINGH, Jt. Development Commissioner (Handlooms)

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 29th July 1986

No. 12(527)/66-Admn (G) Vol.IV.—Consequent on his appointment as Vigilance Officer in the Directorate General of Technical Development, New Delhi, Shri H. L. Juneja, relinquished charge of the post of Deputy Director (General Administration Division) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi on the forenoon of 25th June, 1986.

The 7th August 1986

No. A-19018(805)/86-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. N. Sehgal, a Grade III Officer of the Indian Statistical Services as Deputy Director in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) with effect from the forenoon of 11-7-86 until further orders.

No. 12(510)/65-Admn.(G)Vol.III.—Consequent on his selection as Technical Consultant in Trinindad and Tobago under Commonwealth Fund for Technical Cooperation, London, Shri T. R. Schgal relinquished charge of the post of Deputy Director (Mechanical) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries). New Delhi on the afternoon of 9-3-86.

On completion of his tenure of deputation as Technical Consultant in Trinindad and Tobago under Commonwealth Fund for Technical Cooperation, London for a period from 10-3-86 to 13-6-86, Shri T. R. Schgal assumed charge of the post of Deputy Director (Mechanical) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi on the forenoon of 16-6-1986.

C. C. ROY Dy. Dir. (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-110 001, the 31st July 1986

No. A-6/247(295).—Shri A. K. Majumdar, permanent Assistant Director of Inspection (Met.) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A') (Met. Branch) and officiating Deputy Director of Inspection (Met.) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A') (Met.) Branch) in the office of Director of Inspection (Met.) Jamshedpur retired from Government service on the alternoon of 31st May, 1986 on attaining the age of superannuation,

R. P. SHAHI
Dy. Dir. (Admn.)
for Director General of Supplies and Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA KHAN VIBITAG GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 31st July 1986

No. 4900B/A-19012(2-MKD)/85-19B.—Shri Milan Kanti De, STA (Geophysics) GSI, is appointed by the Director General. Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from afternoon of 31-1-86, until further orders.

No. 4915B/A-32013(3-Ch.Sr.)/84-19B.—The President is pleased to appoint Shri Gulshan Lal Chemist (Jr.) of the Geological Survey of India on promotion as Chemist (Sr) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100-1600/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16-6-86, until further orders.

The 1st August 1985

No. 4941B/A-19011(1-JSM)/85-19A.—The President is pleased to appoint Dr. Jagdish Singh Mehte. Asstt. Geologist, GSI to the post of Geologist (Jr.) in the same Department in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 10-5-86, until further orders.

The 4th August 1986

No. 3048G/A-32013(3-Ch.Sr.)/84-19B.—The President is pleased to appoint Shri R. N. Sood, Chemist (Jr.) of the

Geological Survey of India on promotion as Chemist (Sr.) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100-1600/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 11-6-86, until further orders.

The 5th August 1986

No. 4979B/A-19011(1-AVG)/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri A. V. Gangadharan to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 6th May 1986, until futher orders.

No. 4964B/A-19011(1-MS)/85-19A.—The President is pleased to approint Shri M. Sridhar to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 12-5-86, until further orders.

CORRIGENDUM

No. 4994B/A-32013(2-GJ)/83-19B.—The date of officiating promotion of Shri K. Jagannadha Rao to the post of Geophy. (Jr.) in the G.S.I. may please be read as 3-5-85 (F/N) instead of 3-5-84 (F/N) as mentioned in this office notification No. 3116B/A-32013(2-GJ)/83-19B dt. 22-5-86.

The 6th August 1986

No. 5049B/A-32013(AO)/85/19A.—Shri P. V. Zachariah, Superintendent, Geological Survey of India has been appointed by the Director General, G3l on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from 30-5-86 (FN), until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel)

Calcutta-16, the 5th August 1986

No. 5006B/16/JPD/86-19A.—Shri Jai Pal Damhe, Superintendent (Hindi), Geological Survey of India has been appointed against a temporary post on promotion to the post of Hindi Officer by the Director General, Geological Survey of India in the same Department on pay according to rutes in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the forenoon of 8th May 1986, until further orders.

A. KUSHARI, Director for Director General (Personnel)

NOTICE OF TERMINATION

Nagpur, the 4th August 1986

No. 1761/A-20013/24/LB|83-Estt.—"In pursuance of subrule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (temporary services) Rules 1965, the services of Shri Lal Bahadur, Durwan shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date of publication of this notice".

K. D. RAMNANI Regional Administrative Officer.

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 4th August 1986

No. A-19011(36)/86-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission Shri P. M. Rao, Pmt. Senior Editor Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Chief Editor in the Indian Bureau of Mines w.c.f. the foreneon of 8th May, 1986.

G. C. SHARMA
Asatt. Administrative Officer,
for Controller General
Indian Bureau of Mines

Nagpur, the 6th August 1986

No. A-19012/83/85-Estt.A.PP.-On his retirement after attaining the age of superannution Shri R. S. Nogia, Sr. Administrative Officer is relieved of his duties in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 1st August, 1986 and accordingly his name has been struck off the strength of establishment of this department.

The 8th August 1986

No. A-19011(370)/85-Estt.A.—The President is pleased to accept the resignation of Shri A. K. Udoniya, Assistant Controller of Mines, Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 7th January, 1986.

P. P. WADH!
Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta-16, the 31st July 1986

No. 4-183/81/Estt.—On attaining the age of superannuation, Shri S Bancrjee, Junior Administrative Officer, Anthropological Survey of India, Calcutta has retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July, 86.

P. C. DUTTA Superintending Anthropologist

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 31st July 1986

No. 29/13/77-SII,—Shri B. C. Mishra, Farm Radio Officer, All India Radio, Cuttack has retired from the service on attaining the age of superannuation with effect from 30th June, 1986.

MOHAN FRANCIS

Dy. Director of Administration

for Director General

DIRECTOR GENERAL OF HEALTH SERVICES

(DRUGS SECTION)

New Delhi, the 16th hly 1986

No. A.12016/6/86-D.—Consequent upon his appointment as Assistant Drugs Controller (India) in the pay scale of Rs. 1100-50-1600/- on ad hoc basis in the Directorate General of Health Services vide Notification No. A.32013/1/83-DMS & PFA, dated the 3rd July, 1986, Shri K. C. Gangal relinquished the charge of the post of Technical Officer in the Directorate General of Health Services with effect from the 24 4-1986 (forenoon) until further orders.

Shri K. C. Gangal relinquished charge of the post of Technical Officer in the Directorate General of Health Services, New Delhi on 24th April, 1986 (forenoon).

MATU RAM
Dy. Director Admn. (Drugs)

New Delhi-110011, the 1st August 1986

No. A.32013/2/85-NMEP/PH(CD1).—The President is pleased to appoint Shri N. I. Kalra, to the post of Central Co-ordinating Officer in the National Malaria Eradication Programme, Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of 11th July, 1986 and until further orders.

The 6th August 1986

No. A.12025/24/81-NICD/PH(CDL).—The President is pleased to appoint Dr. Achintya Pal to the post of Deputy

Director (Veterinary) in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st July, 1986 and until further orders.

SMT. JESSIE FRANCIS
Deputy Director Administration (PH)
to the Govt. of India.

MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 1st August 1986

No. A.19023/65/78-A.III.—Shri R. V. Kurup, Marketing Officer of this Directorate at Tirupur retired voluntarily from Government Service on 31-5-1986 (A.N.).

ANITA CHAUDHARY Agril. Marketing Adviser to the Govt. of India

DELHI MILK SCHEME

Delhi-8, the 3rd July 1986

ORDER

No. 6-4/84-Vig.—WHEREAS Shri Ram Kanwar (Kumar). Mate s/o Shri Sher Singh was issued a chargesheet under Rule 14 of CCS (CC&A) Rules, 1965 vide this office memo of even number dated 8-10-84 on the following charge:—

CHARGE I

"That Shri Ram Kanwar (Kumar) s/o Shri Sher Singh while functioning as Mate in Delhi Milk Scheme is absenting himself from duty unauthorisedly from 4-1-1983 onwards without any intimation or prior permission of the competent authority. He is thus charged of gross lack of devotion to duty and in violation of Rule 3(1)(ii)(iii) of the CSS (Conduct) Rules, 1964.

CHARGE II

That the said Shri Ram Kanwar (Kumar) s/o Shri Sher Singh, Mate had not responded to office communications which he was directed to report for duty. He is thus charge of flouting officials instructions which conduct is grossly unbecoming of a Government servant constituting violation of Rule 3(1)(iii) of the CCS (Conduct) Rules, 1984."

AND WHEREAS Shri B. L. Oberoi was appointed as Inquiry Officer who has submitted his report bearing No. 72/EO/85(B) dated 8-7-85 (copy enclosed) in which charge of remaining absent from duty unauthorisedly from 4-1-83 onwards without any intimation or prior permission of the Competent Authority has been proved and charge No. II is partly proved. The undersigned has carefully examined the findings of Inquiry Officer and all other relevant records connected with the case and observed that Shri Ram Kanwar (Kumar), Mate remained absent unauthorisedly for more than a year and later on submitted a medical certificate or fitness certificate from a Private Medical Practitioner.

On careful consideration of the enquiry report and other relevant documents on record, it is evident that inspite of affording a reasonable opportunity to participate in the inquiry, the communications were received back with the remarks of the postal authorities that बन्दा लेने से इंकार करता है

which proves that he evaded to participate in the enquiry to defend his case intentionally. This amply shows that Shri

Ram Kumar is not interested to continue in Government Service.

The undersigned agrees with the findings of Juquiry Officer that Shri Rum Kumar (Kanwar) is guilty of the charge and thus is not a fit person to be retained in Government Service.

NOW THEREFORE, in exercise of the powers under Rule 11 of the CCS (CC&A) Rules 1965, the undersigned imposes a penalty of compulsory retirement from service on Shri Ram Kanwar (Kumar). Mate s/o Shrj Sher Singh.

Encl.: As above

BALDEV CHAND Dy. General Manager (Admn.) Disciplinary Authority Delhi Milk Scheme

Shri Ram Kumar, Mate S/o Shri Sher Singh, Village and Post Office GURAWAD, H. No. 89, Distt. (Rohtak) Haryana.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 31st July 1986

Ref. No. DPS/41/3/85-Adm./23139.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Jagannath Gopal Sathe, a permanent Assistant Accountant and an officiating Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from 16-6-86 (F.N.) to 18-7-86 (A.N.) in the same Directorate vice Shri T. M. Alexander promoted as Accounts Officer-II (ad-hoc).

Ref. No. DPS/41/3/85-Adm/23145.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri T. M. Alexander, a permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer to officiate as an Accounts Officer-III on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 from 16-6-86 (F.N.) to 18-7-86 (A.N.) in the same Directorate vice Shri L. H. Israni promoted as Accounts Officer-III (ad-hoc).

B. G. KULKARNI Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVII, AVIATION

New Delhi, the 30th May 1986

No. A.32013/12/85-Ef.—The President is pleased to appoint Shri S. R. Das as Director of Airworthiness in the scale of pay of Rs. 1800—2000 with effect from 28-5-1986 until further orders.

J. C. GARG

It. Director of Administration

for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 23rd July 1986

No. A.38013/1/86-EA.—Shri P. C. George Dorai Raj. Aerodrome Officer, on deputation to N.A.A. and posted to

the Director of Aerodromes, Madras, retired from Government services on the 30-6-1986 on attaining the age of superannuation.

M. BHATTACHARJEE Dy. Director of Administration

New Delhi, the 29th July 1986

No. A.32013/5/84-E.II.—In continuation of this office Notification No. A.32013/5/84-E.I. dated 27th January, 1986, the President is pleased to approve the ad-hoc appointment of Shri V. K. Kalra in the post of Officer on Special Duty in the pay scale of Rs. 1800-100-2000 with effect from 15-12-85 to 30-9-1986.

MUKUL BHATTACHARIEE, Dy. Director (Admn.) for Director General of Civil Aviation

The 31st July, 1986

No. A. 32013/1/86-ES(EI)—The President is pleased to appoint the following officers to the grade of Deputy Director/Controller of Airworthiness on an ad-hoc basis, in the Civil Aviation Department, for a period of 3 months w. e. f. the date shown against each:

S. No.	Name	Station of posting	Date from which appointed as Dy. Di Controller of Airworthiness
S/S		I for decounters	29-5-86
	C. Gupta	Headqaurters	
	P. Satpathy	. Calcutta	4-7-86
3, J, I.	. S. Bedi	. O/o DAW, Delhi	29-5-86
4. S. N	Majumdar -	Patna	8-7-86

MUKUL BHATTACHARJEE Deputy Director (Administration)

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 4th August 1986

No. 16/383/86-Ests-L.—On the expiry of term of his deputation, the services of Shri M. C. Goyal, Accounts Officer, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun have been replaced at the disposal of the Controller of Defence Accounts, Headquarter Sena Bhavan, New Delhi with effect from the afternoon of 11-6-86.

No. 16/456/86-Ests-I.--The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri Yash Pal Singh, Accounts Officer of the office of the Controller of Defence Accounts, Western Command, Chandigarh as Accounts Officer. Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun with effect from the forenoon of 18-7-86.

J. N. SAXENA Forest Research Institute & Colleges

CENTRAL WATER COMMISSION

New De!hi-110066, the 1st August 1986

No. A-19012/1131/85-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Nirmal Prakash, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Acstt. Engineer (Engg) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 29-8-1985.

S. MAHADEVA AYYAR Under Secy. Central Water Commission

New Delhi-110066, the 5th August 1986

The 5th August 1986

No. Λ -19012/1139/85-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Samay Singh, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Figure (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 5-8-1985.

MEENAKSHI ARORA Under Secy. (C) Central Water Commission

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 11th August 1986

No 3-748/86-CH(Estt).—Shri T. Goverdhanan is appointed as Assistant Chemist, G.C.S. Group-B, (Gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on temporary basis in the Central Ground Water Board w.c.f. 2-6-86 (A.N.) till further orders.

B. P. C. SINHA Chief Hydrogeologist & Member

CFNTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS

New Delhi, the 31st July 1986

No. 32/3/85-ECII—On attaining the age superannuation, the following officers of the CPWD belonging to the CES Group 'A' and working as EE(C) in the office mentioned against each have retired from Govt. service with effect from the dates indicated against their names:—

S. No.	Name of the Date of Officer retire-		Last Posting s tation and des nation		
S/	Shri		··		
1. F	I. L. Jattav		31-7-86	EE(C),) PV	VD (DA)
			(AN)	XXI New I	
2, K	C. P. Joseph ,		31-7-86	EE(Val.),	Income
			(AN)	Tax Deptt	
R. Suryanarayana			31-7-86	Executive	Engineer
			(AN)	(Val.), I. artment) B	T. De-
4. S	hiv Datt Sharma.		31-7-86	Surveyor of	Workers
			(AN)		Circle V.,

M. M. DAS, Dy. Dir. (Training), For Dir. General (Works)

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies 1913 Act and Patna Auto and Engineering Company Ltd.

Paina, the 23rd June 1986

No. 135/Liqn./1618.—Notice is here by given pursuant to section 194 of the Indian Companies Act, 1913 that the said company stands dissolved vide order dated the 5th April, 1986 passed by the Hon'ble High Court, Paina.

R. A. SINGH Registrar of Companies, Bihar, Patna

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 1st August 1986

No. F.48-Ad(AT)/1986.—1. Shri S. K. Biswas, Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Gauhati Bench, Gauhati, on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months

with effect from 1-5-1986 vide this office notification No. F.48-Ad(AT)/1986, dated 13th May, 1986 is permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Incometax Appellate Tribunal. Gauhati Bench, Gauhati for a further period of 3 months with effect from the 1st August, 1986, or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. K. Biswas, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

2. Shri S. V. Narayanan, Personal Assistant to the President, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay who was appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 1-5-1986 vide this office notification No. F.48-Ad-(AT)/1986, dated 1st May, 1986 is permitted to continue the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period of 3 months with effect from the 1st August, 1986 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. V. Narayanan, a claim for regular appointment in the garde and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

CH. G. KRISHNAMURTHY Sr. Vice-President

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st July, 1986

Ref. No. AC-EE No. 1/Acqn.R-IV/Cal/86-87.--Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

situated at Gondalpara, Mouja & P. S. Chandannagore, Dist: Hooghly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 15-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 11—216GI/86

(1) M/s. General Industrial Society Ltd. 8. India Exchange Place, Calcutta.

(Transferor)

(2) The Hooghly Mills Company Ltd. 76, Gadren Reach Road, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 47.3008 acres together with building, Sheds etc. Address: Gondalpara, Mouja & P. S. Chandannagore, Dist: Hooghly. Deed No.: 37EE No.-9/Acqu.R-IV/Cal/85-86 of

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Calcutta,

Date: 1-7-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUSITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1986

Ref. No. RAC No. 6/86-87.—Whereas, I, T. GORAKNATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6-3-609/10/3, situated at Anandnagar Colony, Khairatabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in November, 1985 at Hyderabad on 11/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri K. L. S. N. Sarma, S/o. Late K. Krishna Deekshitulu, Branch Manager, L.I.C. of India, Charminar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Bhanwarlal Byas, S/o Goverdhan Byas, D. No. 5-9-45, Basheerbagh, Hyderabad. Smt. Kesar Devi Byas W/o Goverdhan Byas, D. No. 5-9-45. Bashcerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interesed in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing M. C. H. No. 6-3-609/10/3, situated at Anandnagar, Khairatabad, Hyderabad admeasuring 476 sq. yds. registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 5809/

> GORAKHNATHAN Т. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderaad (A.P.)

Date: 8-7-1986,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

KANPUR-208 012, the 9th July 1986

Ref. No. M-1087/86-87.---Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

S/Shri Kabool and Khajan,
 S/o Shri Kewal,
 R/o Behta Hazipur, Pargana Loni,
 Ghaziyabad,

(Transferor)
(2) M/s. Uttaranchal Vihar Shakari Awas Samit Ltd.,
Behta Hazipur, Lone,
Ghaziabad.

(Transferce)

(Persons in occupation of the property)

(Persons whom the undersigned knows to interested in the property.)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 Bigha Land Village, Bebta Hazipur, District Ghaziyabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 947-1986 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

KANPUR-208 012, the 9th July 1986

Ref. No. 1088/86-87.—Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. _____ situated at Behta Hazipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) (and more fully described in the Schedule annexed nereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziyabad under registration No. 39003 on 23-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afodesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Kabool and Khajan, S/o Shri Kewal, R/o Village Behta Hazipur, Loni, Ghaziyabad.

(Transferor)

(2) M/s. Uttaranchal Vihar Shakari Awas Samit Ltd., Behta Hazipur, Lone, Ghaziyahad.

(Transferee)

- (3) -Do-(Person in occupation of the property)
- —Do-(4)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein for are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kakbai, 6 Bigha and 15 Vishawa, Village Behta Hazipur, Ghaziyabad.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :--

Date: 9-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

KANPUR-208 012, the 9th July 1986

Ref. No. M-1089/86-87.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1474, 75, 76, 77 and 1481 situated at Shivapuri
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Baharanpur under registration No. 11210 on 5-11-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesai exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cens of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer i and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wzalth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Ashok Vihar Shakari Awas Samit Ltd., Through Shri R. P. Yadav, R/o Jankpuri, Sharanpur.

(Transferor)

(2) Shri Parmanand,. S/o Shri Tewar Chand, R/o Gurdwara Road, Sharanpur.

---Do---

(Transferee)

(Persons in occupation of the property.)

(Persons whom the undersigned knows to interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 1474, 75, 76, 77 and 1481, R/o Shivapur Swod, Sharanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th July 1986

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2692.—Whereus, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 251 Shastri Nagar situated at Jodhpur

251 Shastri Nagar situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 15-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; undjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kishan Lal, S/O Shri Mukh Raj Godara I.P.S. at Swai Madhopur.

(Transferor)

 Smt. Hansa Devi, W/o Shri Poonam Chand Tak, R/o Nimaj, District Bhilwara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property Plot No. 251, Shastri Nagar, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jodhpur vide registration No. 4322 dated 15-11-1985.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 18-7-1986

Application of the second of t

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th July 1986

Ref. No. JAC/Acq.-VII/SR-III/11-85/3.— Whereas, I, A. K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 441 in Block 'E' Greater Kailash situated at Part-II,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961

in the Office of the Registering Officer at I. T. Act 1961 JAC Range-VII, New Delhi on Nov., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald preparty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, his respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Madan Mohan, S/o Shri Khushi Ram, R/o FB/2, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ravi-Land & Housing (P) Ltd., through its Director, Shri S. K. Gupta, S/o Shri R. B. Gupta, R/o G-3/92, Deepali, Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 441, in Block 'E' measuring 250 Sq. Yards, Greater Kailash Part-II. New Delhi.

> A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-VII, Aggarwal House,
> 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 14-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th July 1986

Ref. No. IAC/Acq.-VII/SR-III/11-85/5.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. E-113, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at I. T. Act 1961 IAC Range-VII, New Delhi on Nov., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (u) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Rattan Devi,
 Transit Camp State Court Road,
 New Delhi.

(2) M/s. Sooraj Estates 'P. Ltd., M-102, Greater Kailash-I, New Delhi. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understanced:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

E-113, Greater Kailash-I, New Delhi.

A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 14-7-1986

Scal

AT LOUIS TO SECURE THE PARTY OF THE PARTY OF

FORM ITNS-

(1) Shri Ganpati Nath Bhagat, F-81, Kalkaji. New Delhi.

(2) Shri Kartar Singh and others M-188, G.K.-II,

New Delhi

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VII, AGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1986

Ref. No. IAC/Acq.-VII/SR-III/11-85/7.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

M-66 Greater Kailash Part-II situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer

in the Office of the Registering Officer at 1. T. Act 1961 IAC Range-VII, New Delhi on Nov., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b facilitating the concesiment of any income # any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the nequisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter,

THE SCHEDULE

M-66, Greater Kailash-II, New Delhi.

A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .-12-216GI/86

Date: 11-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF AJI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 14th July 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/11-85/9.—Whereas, I, A, K, MANCHΛNDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. M-4 (Market) situated at G.K.-I, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-VII
New Delhi in November 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfe;" and/er
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:

Mr. Om Prakash and others
 Basti Nizamuddin
 New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Ashlar Stones (P) Ltd. S-46, Greater Kailash-I, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. M-4 (Market), Greater Kailash-I, New Delhi measuring 195 sq. yds.

A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Date: 14-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1/1th July 1986

Ref. No. IAC/Acq.VIJ/SR-III/11-85/10.—Whereas, I,

A. K. MANCHANDA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot No. S/329 situated at Greater Kailash-II,

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) than those transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-VII New Delhi in November 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Vijay Saigal
No. 3, Flat No. 7 Gurudeo Co-operative
Society Ltd., Prabhadevi Sea Face, Bombay
presently at 86, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harvinder Pal Singh B-535, New Friends Colony, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S/329, Greater Kailash-II, New Delhi.

A. K. MANCHANDA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Date: 14-7-1986

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF (961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Saberwal Construction Co. S-75, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Pulipetta Abraham Abraham and others B-100, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1986

Ref. No. IAC /Acq.VII/SR-III/11-85/2,--Whereas, I, A. K. MANCHANDA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. S-75 situated at Greater Kuilash-II,

New Delhi,

(and more fully described in the Schedulo annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 [AC Range-VII

New Delhi in November 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer: Read/ CH

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Ground floor of property No. S-75, Measuring 300 sq. yds. Greater Kailash, New Delhi,

> A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. Sarojini Valladares D-157, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Devendra Nath Tripathi and others D-250, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1986

Ref. No. IAC/Λcq.VII/11-85/1.—Whereas, I, Λ. K. MANCHANDA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

No. Plot No. D-157

situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Office at 1.T. Act, 1961 IAC Range-VII New Delhi in November 1985 registering

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trally stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-157, Defence Colony, New Delhi together with residential building constructed thereon (325 sq. yds, more or less).

> A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-7-1986

FORM ITNS ----

(1) Smt. Swaroop Kaur KD-68-C, Ashok Vihar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jasral Singh 8, Dharantalla Street, Wachellmolla Mansion Flat No. 36, Calcutta-13.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/11-85/4.—Whereas, I, A. K. MANCHANDA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House No. S-439 situated at Greater Kailash-I, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-VII
New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; sná/or

THE SCHEDULE

Entire basement and ground floor of House No. S-439, Greater Kailash-I-New Delhi, measuring 231 sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-7-1986

Province ______ and for the second se

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/11-85/6.—Whereas, I, K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 199 in Block 'S'

situated at G.K. II, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-VII

New Delhi in November 1985

for an apparent consideration which is less than the Schedule

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(4) M/s Chand Construction Coy. 1206, Surya Kiran Bldg., Kasturba Gandhi Marg, New Delhi,

(Transferor)

(2) Principal Secretary Karbi Anglong Distt. Council DIPHU Assam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Basement and Ground Floor in Bldg No. 199 in Block 'S' in Greater Kailash-II New Delhi built in 300 sq. yds.

> A. K. MANCHANDA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-VII, Delhi/New Delhi

Date: 11-7-1986

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1986

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/11.—Whereas, I, A, K. MANCHANDA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

situated at G.K.-II, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range-VII New Delhi in November 1985 registering

tor *n apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftyen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Bhajan Singh S-56, G-K.II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shanti Narain Aggarwal 1/20, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazatta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning me given in that Chapter

THE SCHEDULE

1st floor Flat (1/31d share each) of S-56, Greater Kailash-II. New Delhi.

> A. K. MANCHANDA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Runge-VII, Delhi/New Delhi

Date: 11-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Mahinder Singh, K-7, Punjabi Bazar, Kotla,

(Transferor)

(2) Paradise Construction & Estates Ltd. B-91, Kalkaji, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

New Delhi, the 11th July 1986

Ref. No. IAC/Acq. VII/SR-III/11-85/8.-Whereas, I, R. P. RAJESH.

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. E-256, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-VII, New Delhi on November 1985

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of :— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

E-256, Greater Kailash-I, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-7-86

Scal:

13-216GI/86

(1) Shri Iqbal Singh, A-9/24,, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sharad Jaipuria, Shri Shishir Jaipuria S/O Shri Raja Ram Jaipuria Civil Lines, Kanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1986

Rcf. No. IACR. P. RAJESH, IAC/Acq.-I/SR-III/11-85/328.—Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-9/24 Vasant Vihar situate at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Aca Range I. New Delhi

of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi on November 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the preparty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, r hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

Objections, if any, to the acquisition of the said property by made in writing to the undersigned :--part to made in Wr

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respentive persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein in are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaster.

THE SCHEDULE

A-9/24, Vasant Vihar, New Delhi. Area 1024 Sq. yards (865 Sq. mtrs.)

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 1-7-86 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th June 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/11-85/2323.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1116 at 38 Nehru Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule approach bereto)

Flat No. 1116 at 38 Nehru Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi

on November 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Satwant Rani Sandhu w/o Lt. Col. P. S. Sandhu (Retd.), Mr. Harmeet Singh Sandhu S/O Lt. Col. P. S. Sandhu, C-3/61 Janak Puri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said /.ct, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1116 at 38 Nehru Place, New Delhi. Area 598 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 30-6-86

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI**

New Dolhi, the 30th June 1986

IAC/Acq.-I/37EE/11-85/2364.--Whereas, I, R, P, RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Space No. 8, 9, 9A in Block-E, Nehru Place situated at
New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi on November 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid A wads the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed bfly the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Nehru Place Hotels Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Parikh Steel Private Ltd., 1501, Hemkunt Tower, 98, Nehru Place, New Delbi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of th eaforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 8, 9, 9A on 8th Floor in Block 'E' of Hotel-Cum-Commercial Complex, in Nehru Place, New Delhi.

Approx. Area 1481 Sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 30-6-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th June 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/37P1:/11-85/2367.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, 301A, 303, 304, 305, 306, 367, 316, 312, 314, 314A & 316A Devika Tower 6, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the U.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq, Range-I, New Delhi on November 1985 on November 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Insome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Pragati Construction Co. (Devika Tower) 4th Floor, Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Church of North India, Trust Association, 16, Pandit Pant Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gozette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 301A, 303, 304, 305, 306, 307, 310, 312, 314, 314A & 316A Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi. Area 4000 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 30-6-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1986

Ref. No. 1AC/Acq-I/37EE/11-85/2386.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 331 Devika Tower, 6 Nehru Place, situated at

New Delhi-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the JT Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq, Range-I, New Delhi on November 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any faccine arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s Pragati Construction Co. (Devika Tower) 4th Floor, Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Amita Gupta W/o Sh. S. P. Gupta R/O W-19, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 331, Devika Tower, 6 Nehru Place, New Delhi. Area 660 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 1-7-86

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF- THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/11-85/2387.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 335 in Devika Tower, 6 Nehru Place situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi on November 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which count to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-far Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Pragati Construction Co. (Devika Tower) 4th Floor, Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Krishna Kumari W/o Shri D. R. Gupta R/o W-49, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 335 in Devika Tower, 6 Nehru Place, New Delhi. Area 650 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 1-7-86

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14 ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/11-85/2395.---Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 308, Devika Tower, 6. Nehru Place situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in he Office of

Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the listility of the transferor to pay tax under the said Ac in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Pragati Construction Co. (Devika Tower) 4th Floor, Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2)) Mrs. Samita Gupta R/o M-29, Greater Kailash-I. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Allen in the state of the second seco

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 308, Devika Tower, 6 Nehru Place, New Delhi. Area 660 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-l Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the fasue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 1-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONEROF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1986

Ref. No. IAC/Iac-I/37EE/11-85/2412.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 511 at 38, Nehru Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in he Office of Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the cansideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afarcasid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
14—216GI/86

Ansal Properties & Inds. (P) Ltd.
 Ansal Bhawan.
 K. G. Marg.
 New Delhi.

(Transferor)

2) M/s Headland Construction Ltd. C/o M/s. G. Rai & Co. 29/A/a Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 511 at 38 Nehru Place, New Delhi. Area 610 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 1-7-1986

NOTICE UNDER SECTION: 269D(1): OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENTE: OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14 ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st July 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/11-85/2417.--Whereas, I, R. P. RAJESH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 512 at 38 Nehru Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in he Office of Registering Officer at IAC. Acc. Range-I, New Delhi on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the zoncealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Jacome-tax Act., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :--

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd. 115, Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg. New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Head land Construction Ltd. C/o M/s, G. Rai & Co. 29-A/1 Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections. If any, to the acquisition of the said property mey be made in writing to the andersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice. on the respective persons. whichever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 512 at 38 Nehru Place, New Delhi. Area 605 So. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-1 Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 1-7-1986 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd. 2 Tilak Marg, New Delhi-110 001.

(Transferor)

(2) Mr. Ashok Thapar S/o P. N. Thapar. P-10, Hauz Khas. New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/11-85/1.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 605, 6th Floor situated at 2, Tilak Marg. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of Recistating Officer et

Registering Officer at

IAC. Acq. Range-I, New Delhi on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 605, Measuring 1500 Sq. ft, on 6th Floor in the proposed Group Housing Complex 2, Tilak Marg, New Delhi.

Leasehold, Under Construction.

ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 15-7-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd. 2 Tilak Marg. New Delhi-110 001.

(Transferor)

(2) Shri Satya Prakash Sarla Prakash
A-3, Boundary Road,
GRA, Benin City
P.O. Box-898 (Nigeria).

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1986

Ref. No. IAC/Acq-IJ/37EE/11-85/2.—Whereas, I, ASHOK KACKER.

ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 510, 5th Floor in Proposed Housing Complex situated at 2 Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

the Registering Officer at IAC, Acq. Range-I, New Delhi on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration and that the consideration are such transfer as accreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plat No. 510, measuring 1500 Sq. ft. on 5th floor in proposed Group Housing Complex. Lease hold under Construc-

> ASHOK KACKER Competen: Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-7-1986 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

D'IICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/11-85/9.—Whereas, I, SHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as nconte-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinatter referred to as he 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing lat No. 306, 3rd Floor Group situated at Housing Complex,

2 Tilak Marg, New Delhi (and more fully describe in the schedule annexed hereto). nas been transferred under the I.T. Act, 1961 in he Office of

Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealtn-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nctice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd. 2. Tilak Marg New Delhi-110 001.

(2) M/s Jyoti Travels Pvt. C/o M/s B. R. Kapoor & Co. 6, Tilak Marg, Jyoti Travels Pvt. Ltd. New Delhi-110 001.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, measuring 1500 Sq. ft. on 3rd floor in the proposed Group Housing Complex, Leasehold, Under Construction.

> ASHOK KACKER Competen Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisit on Range-I Agga wal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 15-7-1986 Seal:

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ARRIFTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/37EE/11-85/4.—Whereas, I, ASHOK KACKER.

the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 110. 1st Floor situated at Group Housing Complex 2. Tilak Marg New Delhi

2, Tilak Marg. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I.T. Act. 1961 in the Office of Registering Officer at

has been transfered under the I.T. Act. 1961 in the Office of Registering Officer at IAC. Acq. Range-I. New Delhi in November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in repect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1932 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(1) Ravinder Properties Pvt. Ltd. 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Mohini Bhel Properties Pvt. Ltd. B-36, Greater Kallash-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing at the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The erms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 110 measuring 1500 Sq. ft. on 1st floor in proposed Group Housing Complex, Leasehold Under Construction.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Aggarval House
4/14A, Asaf All Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I tereby initiate proceedings for the a quisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th July 1986

Ref. No. IAC/Acq II/37-EE/11-85/5.—Whereas I, ASHOK KACKÉR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 'C' 8th Floor Sagar Apartments 6 Tilak Marg, New Delhi situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC Acq. R-II, New Delhi in Nov. 1985

for an appearent consideration which is 1 cas than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ajay Kumar Gupta, 5258, Kolhapur House, Subzi Mandi, Delhi,

(Transferor)

(2) Shi B. P. E. S. Puri & Smt. Sarita Puri 22-D, Nizam-ud-din, East New Delhi.

(Transferee)

Objections, if may, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

. Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aut, shall have the same mouning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 'C' 8th Floor, Sagar Apartments 6-Tilak Marg, New Delhi, 1700 Sq. ft.

ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Aggarwal House 4/14A Asaf Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-7-1986

(1) Mr. Ashoke Chatterjee, B-19, Maharavi Bagh, New Delhi.

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jyotsna Suri, 1-D. Sagar Apartments, 6 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferce

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

New Delhi, the 15th July 1986

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-III/11-85/1,---Whereas I, ASHOK KACKER

ASHOK KACKER
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. B-19, Maharani Bagh, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the office
of the Registering Officer at

of the Registering Officer at IAC Acq. R-II, New Delhi on Nov. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

THE SCHEDULE

B-19, Maharani Bagh, New Delhi. 800 Sq. Yds., Leasehold.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Aggarwal House 4/14A Asaf Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiated proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 15-7-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4, OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sved Mohomed Ispahani. Fatima Sultan Sahiba. Shara Bhanu Began. Syed Medhi Isphani. Syed Ali Ispahani, No. 177, Poonamallee High Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) Sri M. V. Jayaraman & 3 Others, No. 16, Main Road, Vasanth Nagar, Bangalore-32.

(Transferee)

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 2nd July 1986

Ref. No. 1/November/85.--Whereas, 1, R. JANAKIRAMAN,

R. JANAKIRAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. No. 381/3 and 380/2 situated at Poonamallee High Road.

Road, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 1329/85) on 9-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per capt of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 381/3 and 380/2 at Poonamallee High Road, Madras.

(Doc. No. 1329/85).

R. JANAKIRAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 (i/c) Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisation of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :---

15-216GI/86

Date: 2-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 3rd July 1986

Ref. No. 2/November/85.---Whereas, 1, R. JANAKIRAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door, No. 1, Thandava Murthy Chetty St.,

Cheffy St., situated at Madras-13

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Royapuram (Doc. No. 2031/85) on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any reconcys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); (1) Sri Yeshwant Shah, Sri Rajesh Shah, No. 22, Raja Annamalai Road, Arihant Apartment, Block E-1, Madras-600 084. Smt. Achamma Oommen, Sri Regi Thomas, Plot No. 1503, 67th Main Road, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor) (2) Southern Petrochemical Industries Corporation Ltd., No. 36-40, Armenian Street, Madras-600 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 1, Thandava Murthy Chetty Street, Madras-13. (Doc. No. 2031/85).

> R. JANAKIRAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons, namely :---

Date: 3-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 8th July 1986

Ref. No. 3/November/85.—Whereas, 1, R. JANAKIRAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. S. No. 5, 228/5, 230/1, 231/1, 231/2, 231/4 and 231/5

situated at Koncapatti and Kaveripatti Agraharam Village, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Edappadi (Doc. No. 1081/85) on 25-11-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore and the them. than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri K. Muthusamy, S/o P. M. Kanagasabapathy Gounder, No. 60, Yasodha Illam, New Fairlands, Salem Taluk and Dist.

(Transferor)

(2) Sri K. V. Laxmanan, 114, Valayakara Street, Erode.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEOULE

Agricultural land and Farm House in R.S. No. 3, 5, 228/5, 230/1, 231/1, 231/2, 231/4 and 231/5 at Koneripatti Village, and Kavoripatti Agraharam Village, Sankari Taluk, salem Dist.

(Doc, No. 1081/85)

R. JANAKIRAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-f (i/c) Madras-600 006

Date: 8-7-86

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th July 1986

Ref. No. 1/Nov./85.—Whereas, I, R. JANAKIRAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. No. 43/4 of Nungambakkam village situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 550/85 on Nov. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri M. Mohamed Farook, Beach Street, Arangakudi, Mayiladuthurai Taluk, Thanjavur District.

Thanjavur District.

(Transferor)

(2) Sri K. S. Abdul Jabbar and others, No. 3, Malaya St., Kodikkalpalayam, Tiruvarur Taluk,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat: R.S. No. 43/4, Greams Road, Madras. Thousandlights/Doc. No. 550/85.

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II (i/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sri R. Rajaratnam, s/o Dr. B. A. Rajaratnam, No. 150, Poonamallee High Road, Madras-10. (Transferor)

(2) Dr. S. R. Rajavenkatakrishnan,
 s/o S. K. Rajagopal,
 B. 216, 12th Avenue, Ashok Nagar, Madras-83.
 (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 10th July 1986

Ref. No. 3/Nov./85.—Whereas, I, R. JANAKIRAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 25, 10th Avenue. Ashok Nagar situated at Madras-88

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 3546/85 on Nov. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the censideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income_tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 25, 10th Avenuc, Ashok Nagar, Madras-88.
Kodambakkam/Doc. No. 3546/85.

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II (i/c)
Madras-600 006

Date: 10-7-1986 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Chinnasamy, S/o Nallama Naidu, 11/25, Senguta Street, Ramnagar,

may be made in writing to the undersigned :-

(2) Sii R. Alagendran and 7 others, X' CUT Road, Coimbatore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferor)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600006

Madras-600006, the 10th July 1986

Ref. No. 6/Nov.85.—Whereas, I, R. JANAKIRAMAN,

R. JANALICAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 9/417/3 C '6A, situated at

25 cents of land with building

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 4955/85 on November, 1985

on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: T.S. No. 9/417/3C 6A, 25 cents Coimbatore Taluk. Coimbatore/Doc. No. 4955/85

> R. JANAKIRAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600006

Madras-600006, the 10th July 1986

Ref. No. 10/Nov.85.—Whereas, I, R. JANAKIRAMAN,

R. JANAKIRAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 30, G. N. Chetty Road, T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16, of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 1124/85

on November, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: ami/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

ಕ್ಷ *ಉಪರಾಜಕು ಕ್ರಮಣ*ಿ ರಾಜಕ ಪ್ರಶಸ್ತಿ ಕರ್ನಾಣದ ಮುಖ್ಯವಾದವಾಗಿದ್ದಾರು. ಪ್ರಶಸ್ತಿ ಕ್ರಮಣಗಳ ಕ್ರಮಿಸಿ ಮುಂದು ಮುಂದು ಕ್ರಮಿಸಿ ಕ್ರಮಿಸಿ ಮುಂದು ಮುಂದು ಕ್ರಮಿಸಿ ಕ್ (1) Sri R. Lokapriya, No. 20, Ratna Chetty Street, Gopalapuram, Madras 86

(Transferor)

(2) Sri Amarchand Kothari and 3 others, No. 2, Bharathi Nagar, 1st Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Old No. 72A, New No. 30, G. N. Chetty Road, Madras-17. Madras Central/Doc. No. 1124/85

> R. JANAKIRAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600006

Date: 10-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 10th July 1986

Ref. No. 11/Nov.85.—Whereas, I, R. JANAKIRAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Vacant land at Block No. 16, T.S. Nos. 44/2, T.S. No. 45, T.S. No. 46 part and T.S. Nos. 48/A. Adayar, Madras Adayar/Doc No. 3044 to 3047/85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand for
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri M. N. K. Apparao, and others, 31, Kothari Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) AICO BOO Multipurpose Welfare Society,(229, N.S.C. Bose Road, Madras-1),4-A, First floor,ARK Colony, Alwarpet,Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The increase and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land: Block No. 16, T.S. Nos. 44/2, T.S. No. 45, T.S. No. 46 part and T.S. No. 48/A, Adayar, Madras Adayar/Doc No. 3044 to 3047/85

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600006

Date: 10-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600006

Madras-600006, the 10th July 1986

Ref. No. 12/Nov.85.—Whereas, L. R. JANAKIRAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 4, Mooparappan Street, T. Nagar, situated at Madras-17
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar/Doc. No. 1321/85 on November, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sri N. V. Padmanabhan and others, Extension, Nurani Village Palghat, Kerala State.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Ponnammal Panchapakesan, 15, Railway Border Road. T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Old Door No. 5-C/L and New No. 4, Mooparappan Street, T. Nagar, Madras-17.

T. Nagar/Doc. No. 1321/85

R. JANAKIRAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-7-1986

Seal:

16-216GI/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600006

Madras-600006, the 8th July 1986

Ref. No. 2/Nov.85.-Whereas, I,

Ref. No. 2/Nov.85.—whereas, 1,

R. JANAKIRAMAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Tank Bund Road, Nungambakkam, Madras-34
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 546/85

on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Faquir Mohamed Ali and Mrs. Farida, Josier Street, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

Sri B. Govindarajulu, Rep. by his agent
Mrs. Venmathy Govindarajulu,
Flat No. 1, 18, Wheatcroft Road,
Nungambakkam, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: New Door No. 16, R.S. Nos. 561, 562, 563 (part) Tank Bund Road, Nungambakkam, Madras-34.

Thousandlights/Doc. No. 546/85

R. JANAKIRAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to be following persons, namely :---

Date: 8-7-1986

 M/s. Atchyut and Associates, Rep. by its Partner Mr. Atchyut R. Chundur, No. 101, Royapettah High Road, Madras-14.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1261)

(2) M/s. D. R. Enterprists, Rep. by its Proprietor, Mr. K. Dhanunjaya Reddy, No. 12, Basheer Ahmed Street, Alwarpet, Madras-18.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600006

Madras-600006, the 8th July 1986

Ref. No. 7/Nov.85.—Whereas, I, R. JANAKIRAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vacant land—Door No. 100-AA, New Door No. 252, Mowbrays Road, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/ Doc. No. 1106/85 on November 1985

on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen par cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land—Door No. 100-AA, New Door No. 252, Mowbrays Road, Madras-18.
Madras Central/ Doc. No. 1106/85

R. JANAKTRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-H
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-7-1986

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 CF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 8th July 1986

Ref. No. 8/Nov.85.—Whereas, I, R. JANAKIRAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 61, Cathedral Road, Madras-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 1107/85 on November, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri S. G. Ramachandran and others, S/o S. Ganesan, No. 61, Cathedral Road, Madras-86.

(Transferor)

 M/s. Exind Corporation, No. 22, Murali Street, Mahalingapuram, Madras-34.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 61, Cathedral Road, Madras-86.
Madras Central/Doc. No. 1107/85

R. JANAKIRAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dact: 8-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras the 8th July 1986.

Ref. No. 9/Nov. 85.-Whereas, I

R. JANAKIKAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vacant land at Door No. 34, Cathedral situated a

Road, Madras-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 1122 and 1123/85.

on Nov. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mr. Harigopal Jhaver, No. 354, Mint St., Madras. 79.

(Transferor)

(2) Mr. Abdul Rahman and 26 others, M/s 8, Subbarao Ayenue, III St., Madras. 6. represented by M / G: Muthu Zulaika. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

LAND: R. S. No. 1297 part, Block No. 26, Mylapore village, Door No. 34 part Cathedral Road, Madras. 86.

Madras Central/Doc, No. 1122 and 1123/85

R. JANAKIRAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (i/c), Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-7-86.

Seal

FORM NO. I.T.N.S.-

1. M/s. Gala Metal Industries.

(Transferor)

2. M/s. Samyak Tools.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 10th July 1986.

No. AR-III. 37. EE/25847/85-86.—Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Commercial Unit No. 9 in Shiyam Ind. Estate at Village Deonar, Dist. Bandra out of S. No. 26/1, 27C/2 (part), 27

·C/3.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to ibelieve that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than infitien per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whishever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Commercial Unit No. 9 in Shivam Industrial Estate at Village Deonar in Sub-Registration District Bandra, out of S. No. 26/1, 27C/2 (Part), 27 C/3.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/25847/85-86 dated 1-11-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaux property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dta2 : 10-7-1986

(1) M/s. Embee Const. Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Chetan Construction Co.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 10th July 1986.

No. AR. III. 37. EE/26497/85-86.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Godown No. 45 to 53 with Terrace above Second floor in Bldg. 9AB, at Sam Hita Warehousing Complex, Village Mohili off. Kurla Andheri Road, Kurla, Bombay-69 (and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transfereed and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown No. 45 to 53 with the Terrace above Second floor in Bldg. 9AB, at Sam Hita Warehousing Complex, Village Mohili Off. Kurla Andheri Road, Kurla, Bombay-400 069.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37-EE. 26497/85-86 dated 1-11-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III. **BOMBAY**

Bombay the 10th July 1986.

No. AR-III. EE/26467/85-86.—Whereas. I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Land bearing CTS No. 840, 8401, to 4 & 842, Pahadi,

Goregaon, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferced and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which outght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) B. H. Sagar

(3) Spanto Textile,

(Transferor)

(Transferce)

- (2) M/s, Ashish Builders Pvt. Ltd.
 - & Others. (person in occupation of the pro-

perty).

(4) R.G. Karmarkar & Anr.

(person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the second Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land bearing CTS No. 840, 8401 to 4 & 842, Pahadi, Goregaon, Bombay.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37.EE.26467/85-86 dated 1-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 10-7-1986 Seal:

(1) R.T. Mehta & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Virat Engineering Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1986

No. AR-III. 37. EE/26456/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Land with structure standing thereon at Thungwa in
Powai Estate, Kurla, Bombay, bearing CTS No. 124/19-20-21
Kurla Div.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Iucome-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Sad Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the salid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

17--216GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforeaaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dated: 10-7-1986. thereon at Village Thungwa in powai Estate, Kurla, bearing CTS No. 124/19-20-21 of Kurla Divn., Saki Vihar Road, Powai, Bombay-400072.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37.EE/26456/85-86 date 1-11-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Land together with structure (Northlight shed) standing Seal:

FORM ITNS----

(1) Shri Bhima Marya Bhoir & Others.

(Transferor)

(2) Kanaiya D. Kataria & Another.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-111, **BOMBAY**

Bombay, the 10th July 1986

No. AR, III. 27. EE/26420/85-86.—Whereas, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No.Land bearing CTS Nos. 1273 and 1275 (part) situated at

Village Mulund (East), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-11-1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the inquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing CTS Nos. 1273 and 1275 (part), situated at Village Mulund (East) in the Registration Sub-District of Bombay City and Bombay Suburbam, within Greater Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37.EE. 26420/ Competent 85-86 dated 1-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ac.), I hereby initiate proceedings for the acquition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Dated: 10-7-1986.

FORM ITNS----

(1) M/s. Zenith Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

(2) Mrs. Indira Diyakaran.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 10th July 1986.

No. AR. III. 37. EE/26354,85-86.—Whereas, J. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Bunglow No. 6, Zenith Park, Deonar Farm Road, Opp.
BARC Hospital, Chembur, Bombay-72.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesuld property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been o. which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. 6 "ZENITH PARK", Deonar Farm Road, Opp. B.A.R.C. Hospital, Chembur, Bombay-400072.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/26354/85-86 dı. 1-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 10-7-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR.III 37-EE/26210/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

movable property having a fair market value
No. land together with Bunglow structure standing thereon
bearing Plot No. 12. S. No. 85, H. No. 2 (part) CTS No.
1513 Sandhya Jyoti, Sainagar Hsg. Colony, Chembur,
Bombay-71

Bombay-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- nb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. K. R. Mistry partner of M/s. K. R. Mistry & Associates. (Transferor)

(2) Mrs. Lakshmi R. Kannan & Anr.

(Transferee)

(3) Mrs. Smt. Laxmi R. Kannan & Λnr.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land together with bunglow structure standing thereon bearing Plot No. 12, S. No. 85, H. No. 2(part) and CTS. No. 1513 Sandhya Jyoti" at Sainngar Housing Colony, of St. Anthony Road, Chembur, Bombay 400 071.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.HI/37EE 26210/85-86 dated 1-11-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-7-1986

(1) Mr. Vashumal H. Vanwari

(Transferor)

(2) Mrs. Chitra Balkrishna

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Mr. Vashumal H. Vanwari (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR.III 37EE/26349/85-86.—Whereas, 1,

Λ. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Bunglow on Plot No. 12, Green Garden CHS Ltd., Acharyanagar, Deonar, Bombay 400 088 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1985

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income oor any reconcessment of any income our any recomes or other essets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow on Plot No. 12, Green Garden Apartments Cooperative Housing Society I imited, Acharyanagar, Deonar, Bombay 400088.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37FF/26349/85-86 dated 1-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NOOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR.III 37EE/26258/85-86.--Whereas, I.

A. PRASAD,
being the Composent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Banglow No. 2-4, Parmanu CHS 1 td.; Ne./ Borla Road, Govandi, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authorityat Bombay on 1-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the conscalment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely; Now, therefore, in pursuance of Section 269C

(1) M/s. Pannalal & Vinod S. Chadda

(Transferor) (2) Mr. P. N. Sharma & Anr.

(Transferce)

(3) Mr. P. N. Sharma

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. C-1, Parmanu Co-op. Hsg. Soc. Ltd., New Borla Road, Govandi, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III, 37EE/26258/85-86 dated 1-11-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Orde: 10-7-1986

(1) Mrs. Tulsibai W/o Late Arjun B, Gudak & others. (Transferor)

(2) Mi's, Zaveri & Sons.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR.II-37EE/26162/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding to 1.60.000/- and bearing.

No. land at Village Malad near Bachani Nagar of Tal. Borivali bearing S. No. 295 & CTS No. 383 & 384. Bombay (and more fully described in the Schedule annexed by retax).

No. land at Village Malad near Bachani Nagar of Tal. Borivali bearing S. No. 295 & CTS No. 383 & 384. Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this pense in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and excressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Village Malad near Bachavi Nagar of Taluka Borivali S. No. 295 & CTS No. 383 & 384, Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EF/26162/85-86 dated 1-11-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-7-1986

(1) M/s. Kailash Babulal

(Transferor)

(2) Mi/s. Shreeji Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR.III-37EE/26063/85-86.—Whereas. I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land together with structures standing thereon bearing Plot CTS No. 903/7, at S.V. Rd., Pabadi, Goregaon.

Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land togetherwith structure standing thereon bearing Plot CTS No. 903/7 at S.V. Road, Pahadi, Goregaon, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37-EE/260631/85-86 dated 1-11-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

10-7-1986 Date

FORM ITNS ---

(1) M/s. Dalvi & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dinesh B. Darak

(Transferce) (3) Mr. Suhas V. Parenpe & 14 Others. (Tenants) (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR. III-37EE/25896/85-86.—Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heramafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. Balance FSI available in the land together with structures standing thereon bearing S. No. 29, 30, 31 & 32 and H. Nos. 1, 2, 3 & 4 CS No. 16 (part) at Chinchivali in Regn. Sub-Dist. Bandra

situated at Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herey initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Balance F.S.I. available in the land togetherwith structures standing thereon bearing S. No. 29, 30, 31 and 32, H. No. 1, 2, 3 & 4, City Survey No. 16 (part), Chinchivali, in the Registration Sub-District of Bandra, Bombay Suburban District.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37EE/25896/85-86 dated 1-11-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-7-1986

(1) Mr. B. V. Sathe & Others

(Transferor)

(2) Mr. Sudhir Vasu Shetty.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,

Bombay, the 10th July 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-HI.37EE/25883/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value execeeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing Plot No. 69-A, S.S. No III, 19th Road, Chembur, Bombay 400 071

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1985.

at Bombay on 1-11-1985. for an apparent consideration whiche is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing Plot No. 69-A, S.S. No. III, 19th Road, Chembur, Bombay 400 071.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37-EE/25883/85-86 dated 1-11-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 10-7-1986.

(1) M/s. Vikas Holidays Resorts

(Transferor)

- ----

(2) Mr. Vasudev C. Wadhwa & Anr.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Guest-Keen-Willims. (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR-III-37-EE/25854/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land togetherwith structure standing thereon bering CTS No. 79, 80, 81 and 82 of Village Aksay, Malad (West), Bombay, S. No. 3, H. No. 2, S. No. 6, H. No. 8, S. No. 8, S. No. 7, H. No. 3 and S. No. 3, H. No. 3, situated at Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obejct of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferium for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land togetherwith structures standing thereon bearing CTS No. 79, 80, 81 and 82 of Village Aksay, Malad (West) Bombay (formerly being S. No. 3, H. No. 2, S. No. 6, No. 8, S. No. 7, H. No. 3, and S. No. 3, H. No. 3 of Village Aksay) in the Regn. Sub-District and District of Bombay City & Bombay Suburban.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/25854/85-86 dated 1-11-1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated : 10-7-1986.

FORM ITNS ---

 Mr. Dewandas N. Nankani partner of M/s. Golax Ind. Perfume.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Ajit Engineering works.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th July 1986

Ref. No. AR/III/37EE/25747/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax' Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/-, and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. N-3, Cama Municipal Industrial Estate, Walbhat,
Road, Gorggon (East), Bombay 400,063

Road, Goregaon (East), Bombay 400 063 (and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid preceds the apparent consideration therefor by more than affect percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evalues of the Hubbilly of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. N-3, Cama Municipal Industrial Estate, Walbhat Road, Goregaon (East), Bombay 400 063.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/25747/85-86 dated 1-11-1985.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date ; 11-7-1986 Seal:

Sea

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th July 1986

Ief. No. AI.III/37-EE/26262/85-86.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Land together with structures standing thereon bearing
CTS Nos. 613, 613/1 to 613/36, Street No. 27 to 37 and 38,
S. No. 238, at Village Kanjur, Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority at Bombay on 1-11-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforebelieve that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability neferor to pay tax under the said Adams income arising from the tra
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mrs. Vanita Mansukhlal Desai.

(Transferor)

(2) M/s. Patel & Associates

(Transferee)

(3) Mr. K. K. Ponan & 34 Ors. (tenants) (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land togetherwith structures standing thereon bearing CTS Nos. 613 and 613/1 to 613/36, Street No. 27 to 37 and 38 Survey No. 238, H. No. Nil, Kanjur Village, N Ward Nos. 3845, 3845(2), 3846(1) & 3847, Street No. 52H, 52HA, 52I & 52T 52J.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37.EE/26262/'85-86 dated 1-11-1985.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 11-7-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

KANPUR-208 012, the 9th July 1986

Ref. No. 340/85-86.—Whereas, I.

H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 28, House No. 7/162 situated at Swarup Nagar,

(and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 23105 on 23-11-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the forms per control of tuch apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shei Harish Bhargava, Vinod Bhargava, Sunil Bhargava, All R/o 5-39 Panchsheel Park, New Demi.

(2) Smt. Ram Dulari widow of Raghunath Pd. Agarwal, Smt. Anjoo Agarwal w/o B. K. Agarwal, Brijendra Kumar Agarwal, Master Harsh Agarwal,

Adarsh Agarwal Master Anuj Agarwal, R/o 54/1 Nayaganj, Kanpur.

(Transferce) (3) ---Do---(Persons in occupation of the property)

(4)(Persons whom the undersigned knows to interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 28, Block 3. Outlays Scheme VII, House No. 7/162, Swarupnagar, Kanpur.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 9-7-1986

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUSITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th July 1986

Ref. No. 7/86-87.—Whereas, I, T. GORAKNATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 3-6-361/10 & 10 & 10A, situated at Himayathnagar,

Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in November, 1985 at Hyderabad on 11/85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seeds which have not been or which ought to se disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-say Act. 1957 (27 of 1957)?

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following terriors.

S/o. Mohammed Moinuddin, D. No. 6-3-456/24, Dwarakapuri Colony, Punjagutta, 2. Sri Mohammed Arifiuddin, S/o Mohammed Moinuddin, S. No. 6-3-456/24, Punjagutta, Dwarakapuri Colony,

(Transferor)

 Sri Mohammed Sultanuddin Quaiser, S/o Late Mohammed Alimuddin Shakir, Rep. by G.P.A. Mohd. Salamudin Shakir, Rep. by G. P. A. Mohd. SHyd e d | D. No. 3-5-898, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing M.C.H. No. 3-6-361/10 & 10-A, situated at Himayathnagar, registered by the S.R.O. Hyderabad vide Document No. 5558/85.

T. GORAKHNATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderaad (A.P.)

Date: 8-7-1986. Scal:

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1985